@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 4 दिसम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 30 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिव्यांग जन संवेदनशीलता और करुणा के नहीं, बराबरी के हकदार हैं : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मु ने विशेष रूप से उन बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर राष्ट्रपति भवन में साल 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार वितरित किए। ये सम्मान उन लोगों और संस्थाओं को दिए गए जिन्होंने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में बेहतरीन काम किया। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने साफ कहा, 'दिव्यांगजन दया के नहीं, बराबरी के हकदार हैं। समाज और देश का विकास तभी पूरा माना जाएगा, जब हर दिव्यांग व्यक्ति उसमें बराबर का हिस्सेदार बने। ये कोई एहसान या दान का काम नहीं, बल्कि हम सबका फर्ज है।' इस साल की थीम है - 'सामाजिक प्रगति के लिए दिव्यांगता-समावेशी समाज को बढ़ावा देना '। राष्ट्रपति ने कहा कि ये थीम बिल्कुल सही दिशा दिखाती है। भारत अब पुरानी कल्याण वाली सोच से निकलकर अधिकार और सम्मान वाली सोच अपना रहा है। 2015 में 'दिव्यांगजन' शब्द को अपनाकर

सरकार ने यही संदेश दिया था कि ये लोग कमजोर नहीं, बल्कि दैवीय शक्ति वाले हैं।राष्ट्रपति ने सरकार की कोशिशों की तारीफ की। उन्होंने बताया कि देश में साइन लैंग्वेज रिसर्च, मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन और स्पोर्ट्स ट्रेनिंग के लिए कई राष्ट्रीय संस्थान बनाए गए हैं। अब तक लाखों दिव्यांगजनों को यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड मिल चुका है, जिससे उन्हें नौकरी, शिक्षा और यात्रा में आरक्षण व सुविधाएं आसानी से मिल रही हैं। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि सरकार अकेले सब कुछ नहीं कर सकती। हमें अपने घर, मोहल्ले, स्कूल और ऑफिस में दिव्यांगजनों को साथ लेकर चलना होगा। उनकी इज्जत और आत्मनिर्भरता बढ़ाना हर नागरिक का कर्तव्य है। राष्ट्रपति ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा, 'आप सबने साबित कर दिया कि अगर मौका मिले तो दिव्यांगजन किसी से पीछे नहीं रहते। आप सब समाज के लिए मिसाल हैं। इस मौके पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, राज्य मंत्री रामदास आठवले और प्रतिभा पाटिल समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भारत के कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक खेती ला सकती है क्रांतिकारी बदलाव: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देशवासियों से प्राकृतिक खेती अपनाने और इसे बढ़ावा देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह न केवल कृषि की लागत में कमी लाता है, बल्कि मिट्टी की सेहत, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने में भी सक्षम है। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक लिंक्डइन पोस्ट में विस्तृत लेख साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में कोयंबटूर में आयोजित साउथ इंडिया नेचुरल फार्मिंग समिट 2025 में शामिल होने के अनुभव और भारत में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं पर विचार प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री ने लेख में बताया कि उन्होंने कुछ माह पहले तमिलनाडु के किसानों के एक समूह ने उनसे मुलाकात की और प्राकृतिक खेती के अपने नवाचारी तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को कोयंबटूर में होने वाले प्राकृतिक खेती सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने किसानों का यह आमंत्रण स्वीकार करते हुए 19 नवंबर को इस सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से एमएसएमई हब माने जाने वाले कोयंबटूर में प्राकृतिक खेती पर ऐसा बड़ा आयोजन होना, अपने आप में कृषि जगत की नई सोच, नए आत्मविश्वास और भविष्य की दिशा को दर्शाता है। अपने लेख में प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत की प्राचीन कृषि-ज्ञान परंपरा और आधुनिक पारिस्थितिक सिद्धांतों

का समन्वित रूप है। इसमें बिना रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के फसलों की खेती की जाती है। प्राकृतिक खेती में फसलों, पेड़ों और पशुधन को एक ही खेत में सहजीवी रूप से विकसित होने दिया जाता है, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। इसके साथ ही खेत के अवशेषों के पुनर्चक्रण, मल्चिंग और प्राकृतिक पोषक तत्वों के उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता दीर्घकालीन रूप से सुधरती है। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में मिले किसानों और कृषि-उद्यमियों की प्रेरक कहानियों का उल्लेख करते हुए लिखा कि विविध पृष्ठभूमियों से आए लोग-वैज्ञानिक, युवा स्नातक, एफपीओ प्रमुख, पारंपरिक किसान और यहां तक कि उच्च वेतन वाली कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़कर खेती में लौटे लोग आज प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में नए मॉडल स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक किसान 10 एकड़ में केले, नारियल, पपीता, काली मिर्च और हल्दी की मल्टी-लेयर फार्मिंग करते हैं, साथ ही 60 देशी गायें, 400 बकरियां और देसी मुर्गीपालन का भी संचालन करते हैं। एक अन्य किसान देशी धान किस्मों जैसे 'मपिल्ली सांबा' और 'करुप्पु कवूनी' को संरक्षित कर रहे हैं और उनसे मूल्यवर्धित उत्पाद- हेल्थ मिक्स, पफ्ड राइस, चॉकलेट और प्रोटीन बार बना रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी और कई केंद्रीय मंत्रियों को दिया 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' का न्योता

एजेंसी

दिल्ली/हैदराबाद। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दौरे पर आए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को इस महीने की यानी दिसंबर 8 और 9 तारीख को भारत फ्यूचर सिटी में होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' में शामिल होने के लिए औपचारिक न्योता दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने हैदराबाद-चेन्नई बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाने और इस परियोजना से उनका कहना कि इस से राज्य को व्यापार,

पर्यटन और औद्योगिक विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे फेज के विस्तार की अनुमति देने का आग्रह की। उन्होंने रीजनल रिंग रोड साउथ प्रोजेक्ट के लिए अनुमति और केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग की है। तेलंगाना मुख्यमंत्री ने कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी न्योता दिया। इस बीच, कल मंगलवार देर रात मुख्य मंत्री रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से मुलाकात की और उनसे ग्लोबल समिट में आने की निमंत्रण पत्र सौंपा।

एसआईआर के दूसरे चरण में 47.5 करोड़ से ज्यादा फॉर्म डिजिटलाइज्ड

● *11 दिसंबर तक जमा किए जा सकेंगे ईएफ*

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण ने एक और महत्वपूर्ण मुकाम हासिल कर लिया है। आयोग द्वारा दी गई ताजा जानकारी के अनुसार, देशभर में 47.5 करोड़ से अधिक यानी 93 प्रतिशत से ज्यादा एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) का डिजिटलाइजेशन पूरा हो चुका है। इस अभियान के तहत 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे व्यापक मतदाता सत्यापन कार्य में 99.83 प्रतिशत यानी 50.88 करोड़ से भी अधिक मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचाए जा चुके हैं। आयोग ने बताया कि एन्यूमरेशन फॉर्म भरने और जमा करने की अंतिम तारीख 11 दिसंबर है। यानी मतदाताओं के पास अब भी कुछ दिन बचे हैं, जिसमें वे अपने विवरण की पुष्टि, सुधार या बदलाव करा सकते हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के अनुसार, लक्षद्वीप, गोवा, अंडमान-निकोबार जैसे छोटे राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 100 प्रतिशत फॉर्म वितरण का कार्य

लगभग पूरा हो चुका है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी 99 प्रतिशत से अधिक फॉर्म वितरित हो चुके हैं। डिजिटलाइजेशन में सर्वाधिक प्रगति लक्षद्वीप, गोवा और अंडमान-निकोबार में दिखी है, जहां 97 से 100 प्रतिशत तक फॉर्म डिजिटाइज हो चुके हैं। सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश में 13.27 करोड़ फॉर्म (85 प्रतिशत) डिजिटलाइज्ड हो चुके हैं, जबकि फॉर्म वितरण 99.87 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। देशभर में 5,32,828 बीएलओ और 12 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट्स इस अभियान में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। ईसीआई का स्पष्ट उद्देश्य है कि हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में हो, अनुचित/दोहराई गई प्रविष्टियां हटें और चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी और मजबूत बने। आयोग ने राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया है कि वे अधिक बीएलओ नियुक्त करें ताकि फॉर्म की समीक्षा और सत्यापन में सहयोग किया जा सके। मतदाता अपने बीएलओ या ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में 12 नक्सली ढेर, 3 जवान शहीद

● **सभी नक्सलियों के शव बरामद, 4 दिन पहले मोदी-शाह ने स्ट्रैटजी बनाई थी**

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकी है। वहीं पुलिस-नक्सली एनकाउंटर में 3 जवान शहीद हो गए हैं। बस्तर रेंज के ढूत्न सुंदरराज पी. ने पुष्टि की है। बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी. ने बताया कि एनकाउंटर में बीजापुर छ्त्रत्न के जवान हेड कॉन्स्टेबल मोनू वडारी, रमेश सोड़ी और कॉन्स्टेबल दुकारू गोंडे शहीद हो गए। गंगालूर थाना इलाके के जंगलों में जवानों की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है।स्क्र जितेंद्र यादव ने बताया कि DRG, STF, COBRA और CRPF की जॉइंट टीम बुधवार सुबह 9 बजे से बीजापुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर के वेस्ट बस्तर डिवीजन इलाके में सर्च ऑपरेशन पर थी। जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू की। जवाबी कार्रवाई में नक्सली मारे गए।छत्तीसगढ़ में 4 दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और NSA डोभाल समेत कई हस्तियां DGP कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। मीटिंग में नक्सलवाद को खत्म करने की स्ट्रैटजी पर चर्चा की की गई थी। अब इसके नतीजे दिख रहे हैं। हालांकि, शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन पहले ही तय कर दी है।

केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ बीबीएमबी का एक्शन, 17 लाख से अधिक का रिकवरी नोटिस जारी

चंडीगढ़। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) ने बड़ा एक्शन लिया है। बीबीएमबी ने कार्यकाल खत्म होने के बाद भी सरकारी आवास न खाली करने के लिए रवनीत सिंह बिट्टू को 17 लाख रुपये से ज्यादा का रिकवरी नोटिस जारी किया है। जानकारी के मुताबिक, नंगल में रवनीत सिंह बिट्टू के नाम पर अलॉट किए गए दो मकानों को लेकर बोर्ड ने पेनल्टी जमा करने को कहा है। ये मकान उनके नाम पर तब आए थे, जब बिट्टू 2009 से 2014 तक कांग्रेस के सांसद थे। उस समय उन्हें मकान नंबर 45-1 और 48-1 अलॉट किए गए थे। हालांकि, बाद में इन्हें छोड़ना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इनमें से एक मकान का इस्तेमाल अब भी कांग्रेस पार्टी के दफ्तर के तौर पर किया जा रहा है। बोर्ड ने कई बार नोटिस भेजकर घर खाली करने के लिए कहा, लेकिन बिट्टू ने कोई जवाब नहीं दिया। बिना अनुमति के कब्जा बनाए रखने की वजह से बीबीएमबी ने पेनल्टी रेट लगाना शुरू कर दिया और अब 17 लाख रुपये से ज्यादा की रिकवरी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा, डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता : अश्विनी वैष्णव

सोशल मीडिया ने भी प्रत्येक नागरिक को एक मंच प्रदान किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि सोशल मीडिया और फर्जी खबरों से जुड़ा मुद्दा बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, गलत सूचनाओं और एआई-जनरेटेड डीपफेक पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग या समूह जिस तरह से सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे लगता है कि वे भारत के संविधान या संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन नहीं करना चाहते। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई और कड़े नियम बनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। अश्विनी वैष्णव ने संसद में

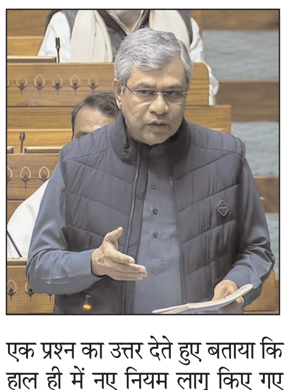

एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि हाल ही में नए नियम लागू किए गए हैं, जिनमें 36 घंटों के भीतर वीडियो हटाने का प्रावधान भी शामिल है। एआई-जनित डीपफेक की पहचान करने और उन पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एक मसौदा नियम भी प्रकाशित किया गया है और इस पर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने संसदीय समिति के कार्य की सराहना की और कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रमुख सिफारिशों वाली एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि फर्जी खबरें तथा सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व हमारे लोकतंत्र की सुरक्षा के बीच एक नाजुक संतुलन की आवश्यकता है और सरकार इस संतुलन को बनाए रखने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया' पहल ने एक बड़ा बदलाव लाया है और तकनीक का लोकतांत्रिकरण किया है, जिसके सकारात्मक प्रभावों को स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने भी प्रत्येक नागरिक को एक मंच प्रदान किया है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, सरकार संस्थाओं और समाज की नींव रखने वाले विश्वास को मजबूत करने के लिए काम कर रही है।

अपर्णा गर्ग ने रेलवे बोर्ड में सदस्य (वित्त) का पदभार संभाला

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) की 1987 बैच की वरिष्ठ अधिकारी अपर्णा गर्ग ने रेलवे बोर्ड में सदस्य (वित्त) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। 36 वर्षों से अधिक के व्यापक प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुभव के साथ वे केंद्र सरकार की वरिष्ठतम सिविल सेवकों में से एक हैं। रेल मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। रेलवे में अपने लंबे करियर के दौरान गर्ग ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे मैसूर में मंडल रेल प्रबंधक, रेल व्हील फैक्ट्री में प्रधान वित्तीय सलाहकार तथा इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मैनेजमेंट (आईआरआईएफएम) में महानिदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। वित्त, प्रशासन, नीति निर्माण और संस्थागत विकास में उनकी सिद्ध विशेषज्ञता के कारण उन्हें रेलवे बोर्ड के महत्वपूर्ण वित्त प्रभार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का सख्त आदेश, चालान काटो, एफआईआर दर्ज करो

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 03 नवंबर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राजधानी के प्रदूषण नियंत्रण को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारी सरकार प्रदूषण को इमरजेंसी मिशन की तरह मानकर उसे नियंत्रण में लाने का गंभीर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लापरवाही बरतने वाले सरकारी संस्थानों को अब बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण और सफाई में कोताही बरतने वाले सरकारी संस्थानों का चालान काटकर भारी जुर्माना वसूला जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिए हैं कि बिना इजाजत रोड कटिंग करने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। प्रदूषण को लेकर एक बड़ी समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को तेज गति से कार्य करने के भी आदेश दिए

और कहा प्रदूषण नियंत्रण में सबकी भागीदारी जरूरी है। दिल्ली सचिवालय में कल प्रदूषण नियंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण के खिलाफ जारी कार्रवाइयों की समीक्षा की गई और आने वाले दिनों में युद्धस्तर पर काम करने के निर्देश दिए गए। इस बैठक में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित पीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम, डीडीए, पर्यावरण व वन, डीएसआईआईडीसी, दिल्ली मेट्रो, एनबीसीसी, ऊर्जा, डूसिब आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लंबी लड़ाई तो लड़नी ही होगी। शेष पृष्ठ 3 पर

मुख्यमंत्री ने प्रदूषण नियंत्रण पर उच्चस्तरीय एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक एक्सपर्ट व उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया जा रहा है, जो लगातार प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए कार्य करेगी। इस कमेटी में सरकार के संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा आईआईटी व पर्यावरण से जुड़े विशेषज्ञ को शामिल किया जा रहा है। इस कमेटी को सरकार की ओर से विशेष अधिकार भी दिए जा रहे हैं।

नए लेबर कोड: खड़गे के आरोपों पर मांडविया का पलटवार, 'कांग्रेस भ्रम फैला रही हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली। नए लेबर कोड को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर केंद्रीय श्रम और रोजगार तथा खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया पर खड़गे के आरोपों को 'भ्रामक और असत्य' बताते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा लाए गए श्रम सुधार मजदूरों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सृजन को मजबूत करने के लिए हैं। मांडविया ने एक्स पर लिखा, 'खरगे जी, लेबर कोड को लेकर आपने जो भी कहा वह ग़लत और भ्रामक है। ये तथ्य आपकी झूठी बातों को सामने लाते हैं। '

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष जानबूझकर डर फैला रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि कर्मचारियों को अनिवार्य एक महीने की नोटिस अवधि और रिट्रेंचमेंट मुआवजा पहले की तरह जारी रहेगा। पहली बार री-स्किलिंग फंड बनाया गया है, जिसके बारे में कांग्रेस ने कभी सोचा तक नहीं। थ्रेशोल्ड बढ़ाने से सीधे नियुक्ति बढ़ेगी, ठेकेदारी पर निर्भरता

घटेगी और स्थायी और सुरक्षित नौकरियां बढ़ेंगी, जिससे सामाजिक सुरक्षा और वेतन सुरक्षा मजबूत होगी। फिक्स्ड टर्म कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के सभी लाभ मिलेंगे। एफटीई को एक वर्ष में ग्रेच्युटी का लाभ देना भी मोदी सरकार की शुरुआत है। मांडविया के अनुसार, कर्मचारी 12 घंटे म 4 दिन के विकल्प का चयन कर सकते हैं, जिसके बाद 3 दिन साप्ताहिक अवकाश मिलेगा। साप्ताहिक कार्य घंटे 48 घंटे से अधिक नहीं होंगे। अतिरिक्त कार्य केवल कर्मचारी की सहमति से और डबल ओवरटाइम भुगतान के साथ होगा। मांडविया ने कहा कि कांग्रेस '60 दिन की प्रतीक्षा अवधि' जैसे झूठ फैला रही है, जबकि हड़ताल के लिए सिर्फ 14 दिन का नोटिस अनिवार्य है। इसका उद्देश्य फ्लैश स्ट्राइक रोकना है, ताकि मजदूरों की आय और उद्योगों की कार्यप्रणाली प्रभावित न हो। पहली बार ट्रेड यूनियन को कानूनी रूप से 'नेगोशिएटिंग यूनियन' का दर्जा मिला है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी और मजबूत होगी। मांडविया ने कहा कि नए लेबर कोड गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स सहित 40 करोड़ असंगठित मजदूरों को सुरक्षा के दायरे में लाते हैं।

एसआईआर : उन्नाव में एक घर से थे 45 मतदाता, सत्यापन के बाद बचे मात्र 3 वोटर

उन्नाव (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले में यह मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। कमलेश कुमार, आशीष और माधुरी देवी, जो अपने दो नाबालिग बच्चियों के साथ रहते हैं। इन तीनों ने अपना एसआईआर फॉर्म भरकर जमा कर दिया था। बाकी 42 लोगों का नाम, जो उसी पते पर दर्ज हैं, कौन हैं और कहां रहते हैं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है। सदर तहसील के पूरन नगर मोहल्ला के 57 नंबर घर के पते पर वोटर लिस्ट में 45 लोगों के नाम दर्ज थे। जब क्षेत्र के बीएलओ राजीव त्रिपाठी निर्वाचन निर्वाचक नामावली 2025 की वोटर लिस्ट लेकर एसआईआर वोटर सत्यापन के लिए गए, तो उन्होंने पाया कि इस घर में केवल तीन लोग मौजूद हैं। एडीएम सुशील कुमार गौड़ ने कहा कि यह मामला निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और वोटर लिस्ट की सटीकता पर सवाल खड़ा करता है। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और पूरी तरह जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा। मामले के सामने आने के बाद एडीएम ने बताया कि मामले की टीम बनाकर जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एआरओ (असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर) को टीम बनाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्नाव जिले में कई फैक्ट्रियां भी हैं, संभव है कि किसी की जानकारी गलती से इस पते पर दर्ज हो गई हो। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यात्री की तबीयत बिगड़ी... तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान को मंगलुरु में उतारा गया

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। यात्री के अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण तिरुवनंतपुरम जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। सोमवार देर रात तिरुवनंतपुरम जा रहे विमान में एक लगभग 35 वर्षीय यात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। विमान के चालक दल ने तुरंत मंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन नियंत्रण केंद्र को सूचित किया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए और चिकित्सा दल, सीआईएसएफ, आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग के साथ समन्वय किया। विमान के उतरते ही हवाई अड्डे के चिकित्सा कर्मियों ने यात्री की स्थिति का आकलन किया और उन्हें तत्काल शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यात्री के रिश्तेदार भी उनके साथ विमान से उतरे। चालक दल की समय पर मदद से यात्री को स्थिर करने में मदद मिली। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद, विमान देर रात दो बजकर पांच मिनट पर तिरुवनंतपुरम के लिए रवाना हुआ। एयरलाइन एक प्रवक्ता ने इस समन्वित प्रतिक्रिया को हवाई अड्डे की तत्परता और यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। यह घटना दर्शाती है कि विमानन और हवाई अड्डा अधिकारी किस तरह चिकित्सा संबंधी आकस्मिकताओं से प्रभावी ढंग से निपटते हैं।

दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और बम स्क्वॉड ने ली तलाशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद कैंपस में तलाशी शुरु की गई। बता दें इन दो कॉलेजों में रामजस कॉलेज और देश बंधु कॉलेज का नाम सामने आया है। कॉलेजों को यह धमकी मेल के जरिए दी भेजी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दोनों कॉलेजों के कैंपस में सघन सर्च ऑपरेशन शुरु हुआ। पुलिस और बम स्क्वॉड टीमों ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारी फिलहाल स्थिति पर नजर रख रहे हैं। यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि यह धमकी महज एक अफवाह थी या इसके पीछे कोई वास्तविक मंशा। यह पहली बार नहीं है जब राजधानी के शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी धमकियां मिली हैं। पिछले महीने 18 नवंबर को भी दिल्ली के द्वारका और प्रशांत विहार स्थित दो स्कूलों को ईमेल के ज़रिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके अलावा साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और पटियाला कोर्ट समेत तीन अदालत परिसरों को भी धमकी भरे संदेश मिले थे। उन सभी मामलों में भी गहन जांच के बाद कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी और धमकियां फर्जी निकलीं। इन घटनाओं के कारण सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और वर्तमान मामले को भी पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी से हड़कंप... रात भर से परेशान हो रहे यात्री

हैदराबाद(एजेंसी)। हैदराबाद के शमशाबाद एयरपोर्ट पर बीती रात से इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में तकनीकी खराबी ने हड़कंप मचाया हुआ है। तकनीकी समस्या के कारण मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली के लिए उड़ानें प्रभावित हो गई हैं। इसके चलते करीब 1000 यात्री एयरपोर्ट पर लंबी प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनकी यात्रा योजनाएं बाधित हो गई हैं। विशेष रूप से बेंगलुरु जाने वाली उड़ानें ज्यादा प्रभावित हुईं। मंगलवार-रात 2 बजे निर्धारित एक उड़ान को रनवे पर ही दो घंटे तक रोका गया। बढ़ती चिंता और तनाव के बीच यात्रियों को विमान से उतारकर एयरपोर्ट टर्मिनल में इंतजार करने के लिए कहा गया। सबसे बड़ी परेशानी उन यात्रियों को हो रही है जिन्हें विदेश जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़नी थी या वीजा इंटरव्यू के लिए विभिन्न शहरों का सफर तय करना था। एयरपोर्ट पर मौजूद इंडिगो कर्मचारी तकनीकी गड़बड़ी पर संतोषजनक जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। एक यात्री ने बताया, 'हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। खाने-पीने की कोई व्यवस्था भी नहीं हुई।' इंडिगो एयरलाइंस प्रवक्ता ने कहा कि तकनीकी खराबी की समस्या सामने आई है और जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की और उन्हें हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना देश के सबसे बड़े विमानन संचालकों में से एक के लिए चिंता का विषय है। इंडिगो को हाल के महीनों में तकनीकी विश्वसनीयता को लेकर कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा है।

मुस्लिम महिला को तलाक दिया है तो निकाह में मिला सामान और उपहार भी लौटाना पड़ेगा: कोर्ट

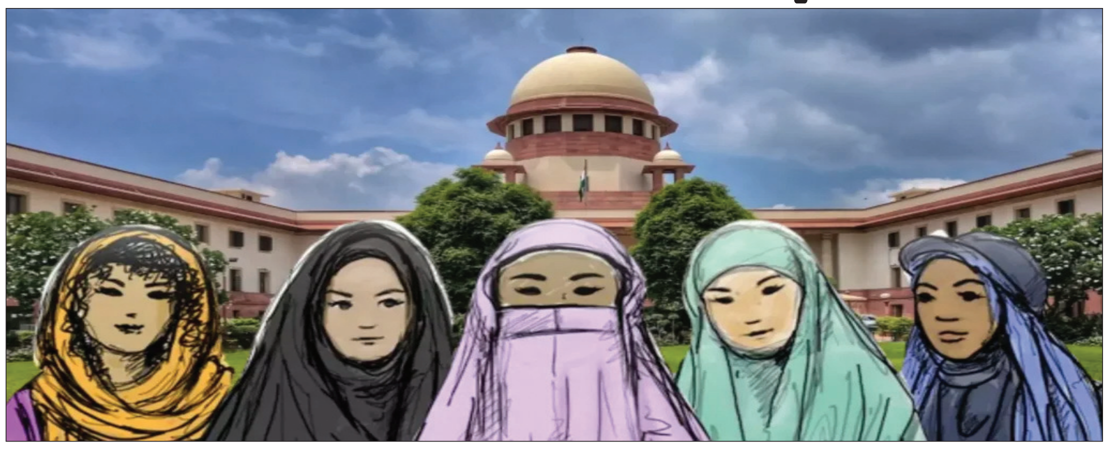

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से जुड़े एक अहम मामले में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला को निकाह के समय अपने मायके से लाया गया पूरा सामान, सोना-चांदी, नकदी तथा रिश्तेदारों-दोस्तों से मिले सभी उपहार वापस लेने का पूर्ण कानूनी अधिकार है। न्यायमूर्ति संजिव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने यह भी कहा कि इन वस्तुओं को महिला की निजी संपत्ति माना जाएगा और तलाक के बाद इन्हें वापस करना बाध्यकारी होगा। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की नई एवं व्यापक व्याख्या की। कोर्ट ने कहा कि इस धारा को केवल सिविल विवाद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त लैंगिक समानता, गरिमा और आर्थिक स्वायत्तता के सिद्धांतों के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

पीठ ने 2001 के डैनियल लतीफी बनाम भारत संघ मामले का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून का मूल उद्देश्य तलाक के बाद मुस्लिम महिला को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

मामला कोलकाता की एक तलाकशुदा महिला का था, जिसने अपने पूर्व पति के खिलाफ 1986 के कानून के तहत याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने महिला के दावे को पूरी तरह न्यायोचित मानते हुए पूर्व पति को 17,67,980 रुपये छह हफ्तों के अंदर महिला के बैंक खाते में जमा करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को पूरी तरह पलट दिया, जिसमें महिला के दावे को खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने मामले को महज सिविल वाद की तरह देखा और निकाहनामे में दर्ज प्रविष्टियों के आधार पर सबूतों की गलत व्याख्या की। कोर्ट ने टिप्पणी की कि हाई कोर्ट ने कानून के सामाजिक न्याय के उद्देश्य को नजरअंदाज कर दिया और संवैधानिक मूल्यों से विमुख निर्णय दिया। यह फैसला देश भर में लाखों तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए राहत की खबर है। अब वे न सिर्फ मेहर व गुजारा भत्ता, बल्कि शादी में अपने मायके से लाया सामान और मिले सभी उपहार कानूनी रूप से वापस प्राप्त कर सकेंगी। कानूनी विशेषज्ञों ने इसे लैंगिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किए जा रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ गुरुवार को, बाल विवाह को समाप्त करने के राष्ट्रीय मिशन के एक साल पूरे होने के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में होगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर इसका शुभारंभ करेगी। मूल अभियान की शुरुआत 27 नवंबर 2024 को की गई। 100 दिन के अभियान की रणनीति तीन चरणों में होगी। पहला चरण (31 दिसंबर 2025 तक) स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां (डिबेट, निबंध, शपथ ग्रहण)। दूसरा चरण (31 जनवरी 2026 तक) धार्मिक नेताओं, सामुदायिक प्रभावकारों और विवाह सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर बच्चों के अधिकारों का संदेश फैलाना। तीसरा/अंतिम चरण (1 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक) ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के सहयोग से स्थानीय स्तर पर बाल विवाह मुक्त क्षेत्र घोषित करने के प्रस्ताव पारित करना। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पंचायती राज, ग्रामीण विकास और शिक्षा मंत्रालय। यह अभियान नागरिकों, संस्थाओं और सामुदायिक नेताओं से सहयोग की अपील करता है ताकि बाल विवाह को समाप्त करने के भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

यदि वक्फ की संपत्तियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे: चौधरी

-कबीर के बयान पर कहा मस्जिद पवित्र स्थान है, राजनीति का माध्यम नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। राज्य सरकार द्वारा केंद्र के नए वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को लागू करने की स्वीकृति देने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। टीएमसी सरकार में मंत्री और जामिया उलेमा-ए-हिंद पश्चिम बंगाल शाखा के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लह चौधरी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि वक्फ की संपत्तियां छीनी गईं, तो मुसलमान चुप नहीं बैठेंगे। चौधरी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एसी कमरे में बैठकर बहुत बातें की जा सकती हैं, लेकिन क्या कोई गांव में जाकर लोगों से कह सकता है कि वक्फ संपत्ति अब उनकी नहीं रही? यह फैसला मुसलमानों पर जबरदस्ती थोपा गया है। हम इसे नेक नीयत से उठाया गया कदम नहीं मानते। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने महीनों तक इस कानून को लागू करने से इनकार किया था, लेकिन पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र के निर्देश मानते हुए राज्य की 82,000 वक्फ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर तक केंद्र के पोर्टल पर अपलोड करने का आदेश दिया है।

चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार पहले कुछ और सोच रही थी। अब सीएम ममता बनर्जी कुछ और सोच रही होंगी। वक्फ संपत्तियां बेहद अहम हैं। आगे क्या होगा, हम नहीं जानते, लेकिन लड़ाई लंबी और कठिन होगी। हमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद निर्माण वाले बयान पर चौधरी ने कहा कि यह कदम बेहद संवेदनशील है और इससे अवांछित तनाव पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक नेता ने ऐसी बातें कही हैं, जिससे लोगों के मन में कई सवाल उठे हैं। हम कोई भी काम बिना सोचे-समझे नहीं करते। मस्जिद एक पवित्र स्थान है, राजनीति का माध्यम नहीं।

दो दिन बाद मौसम लेगा करवट: पड़ेगी हाड़ कंपाने वाली ठंड, कई इलाकों में भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले दो दिनों में मौसम करवट लेने जा रहा है। जिसके चलते दिल्ली-एनसीआर में हाड़ कंपाने वाली ठंड की आहट सुनाई दे रही है। भारत मौसम विज्ञान ने चेतावनी जारी की है कि आने वाले दिनों में हाड़ गलाने वाली ठंड के साथ कोहरा भी कहर बरपाएगा। वहीं दक्षिण भारत में तमिलनाडु समेत कई राज्यों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों में पारा तेजी से नीचे आएगा और शीत लहर का प्रकोप और बढ़ेगा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 7.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और कोहरे की चादर ने दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अपनी आगोश में ले लिया है। आईएमडी ने 5 दिसंबर को शीत लहर की चेतावनी दी है जिसके साथ न्यूनतम पारा गिरकर 6 डिग्री तक जा सकता है। दिसंबर का पहला दिन 5.7 डिग्री के साथ अभी तक का सबसे सर्द दिन रहा था। मौसम विभाग का कहना है कि 5 दिसंबर से मौसम फिर बदलेगा और गलाने वाली ठंड का अहसास राजधानी के लोगों को हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की मार कम नहीं हुई है। आनंद विहार और चांदनी चौक जैसे इलाकों में एक्यूआई लगातार 400 के पार बना हुआ है। चूंकि दिल्ली-एनसीआर में अभी बारिश के कोई आसार नहीं हैं इसलिए वायु प्रदूषण से फिलहाल राहत मिलने के संकेत नहीं हैं। 6 दिसंबर से कोहरा और घना होने की चेतावनी जारी की गई है। मेटियोरोलॉजी एंड क्लाइमेट चेंज के हेड महेश पलावत का कहना है कि अगले 1-2 दिनों में तापमान में तेज गिरावट आएगी। दिसंबर के दूसरे हफ्ते से शीत लहर का दौर शुरू होगा जिससे ठिठुरन का अहसास बढ़ेगा। कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के नए दौर के साथ दिल्ली-एनसीआर में शीत लहर का असर बढ़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हिमालय के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी के आसार हैं।

तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तमिलनाडु के आसपास विक्षोभ बन रहा है। चक्रवात दित्वाह भी कमजोर होते हुए दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी तमिलनाडु तथा पुडुचेरी से होते हुए आगे बढ़ रहा है। नेल्लोर, कडलोर से लेकर चेन्नई जैसे तटीय इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर नहीं जाएंगी मायावती

-बसपा सुप्रीमो ने कहा- उनकी सुरक्षा के चलते लोगों को होती है परेशानी

कोलकाता (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर न जाकर अपने निवास स्थान पर या पार्टी कार्यालय में ही श्रद्धा सुमन अर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की छह दिसम्बर को पुण्यतिथि है। इसके पहले बुधवार को उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि पर उनसे जुड़े स्थलों पर जाने पर उनकी (यानी मायावती) की सुरक्षा के व्यवस्था के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से उन्होंने यह तय किया है कि अब उन स्थलों पर नहीं जाएंगी। निवास स्थान या कार्यालय पर ही श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढाने का संकल्प लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म सम्मान और स्वाभिमान का मूवमेंट सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करके मंजिल की ओर आगे बढ़ा जा सके।

मायावती ने पोस्ट में लिखा-'जैसा कि सर्वविदित है कि यूपी में मेरे नेतृत्व में चार बार बनी बसपा सरकार के दौरान 'बहुजन समाज' में समय-समय पर जन्मे उन महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों में भी ख़ासकर महात्मा ज्योतिबा फुले, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज, श्री नारायणा गुरु, परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम आदि को कई रूपों में भरपूर आदर-सम्मान दिया गया है, जिनकी जातिवादी पार्टियों की रही सरकारों में यहां हमेशा उपेक्षा की गई व उनका तिरस्कार भी किया जाता रहा है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि इस क्रम में परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर पश्चिमी यूपी को छोड़कर, यूपी में पार्टी के लोग व उनके अनुयायी मेरे निर्देशानुसार आगामी 6 दिसम्बर को लखनऊ के विशाल एवं भव्य डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में और पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखण्ड स्टेट के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में अपने परिवार सहित भारी संख्या में पहुंचकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगे और उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर उनके कारवां को आगे बढ़ाने का संकल्प भी लेंगे ताकि बसपा के नेतृत्व में उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मूवमेन्ट सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके मंज़िल की ओर आगे बढ़ सके। धन्यवाद।

राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन पर हुई गर्मा-गरम बहस

-मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और सीमेंट पर भी सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को राज्यसभा में हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर गर्मा-गरम बहस हुई। महाराष्ट्र से भाजपा सांसद डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी ने कहा, हलाल केवल मांस से संबंधित एक धार्मिक और आस्था-संकेतित प्रक्रिया है, लेकिन इसके दायरे को कई अन्य पदार्थों तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि मांस के अलावा दूध, चीनी, तेल और यहां तक कि सीमेंट, प्लास्टर और अन्य निर्माण सामग्री को भी हलाल सर्टिफिकेट दिया जा रहा है, जो अतार्किक और आशंकाओं को पैदा करने वाला है।

भाजपा सांसद डॉ. कुलकर्णी ने कहा, कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यहां विभिन्न आस्थाओं के लोग रहते हैं। हलाल सर्टिफिकेशन केवल मुस्लिम आस्था से जुड़ा विषय है, लेकिन इसे अन्य लोगों पर थोपने से उनके धार्मिक विश्वासों का उल्लंघन होता है। उन्होंने कहा, हिंदू और सिख समुदाय के लोग हलाल मांस नहीं खाते, ऐसे में उनके लिए हलाल प्रमाणित मांस अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सही नहीं है।

सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि हलाल सर्टिफिकेशन देने वाली संस्थाओं द्वारा चार्जेस लगाए जाने से बाजार में कीमतें बढ़ती हैं और उपभोक्ताओं को अप्रत्यक्ष रूप से इसका भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने इसे उपभोक्ता स्वतंत्रता और बाजार पारदर्शिता के लिए हानिकारक बताया। डॉ. मेधा ने मेडिकल अध्ययनों का हवाला देते हुए यह भी दावा किया कि हलाल प्रक्रिया से मांस में कुछ ऐसे रासायनिक तत्व उत्पन्न होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मांस पर हलाल सर्टिफिकेशन केवल सरकारी निकाय द्वारा दिया जाए, न कि किसी धार्मिक संस्था द्वारा। उनका यह भी कहना था कि गैर-मांस खाद्य पदार्थों और गैर-खाद्य वस्तुओं पर हलाल सर्टिफिकेशन देने का कोई आधार नहीं है और इससे धर्मनिरपेक्षता और संविधान के सिद्धांतों का उल्लंघन होता है। सांसद ने कहा कि इस तरह के कदम से उपभोक्ताओं की स्वतंत्रता बाधित होती है और सामाजिक रूप से मतभेद बढ़ सकते हैं।

अवैध घुसपैठिए भारत में किसी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध रूप से देश में घुसे प्रवासी और घुसपैठिए भारत के किसी भी कानूनी अधिकार के हकदार नहीं हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने यह टिप्पणी पांच रोहिंग्या अवैध प्रवासियों की गुमशुदगी से जुड़ी हैबियस कॉर्पस याचिका की सुनवाई के दौरान की। ये रोहिंग्या हिरासत में लिए जाने के बाद से लापता बताए जा रहे हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने रोहिंग्याओं को शरणार्थी कहकर संबोधित किया, जिस पर सीजेआई ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अदालत मानवीय आधार पर ही इनके मामले को देख रही है, लेकिन इससे उनका कानूनी दर्जा ÷शरणार्थी÷ नहीं हो जाता। सीजेआई ने तल्ख लहजे में पूछा, पहले आप अवैध तरीके से सीमा पार करते हैं - सुरंग खोदकर या बाड़ कूदकर भारत में घुसते हैं। फिर कहते हैं कि अब मैं आ गया हूं, तो मुझे भोजन, आश्रय, बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। क्या हम कानून को इतना खींचकर तोड़ना चाहते हैं?

प्रधान न्यायाधीश ने आगे कहा कि एक बार अवैध प्रवासी भारत में दाखिल हो जाते हैं, तो वे तुरंत संसाधनों पर दावा ठोकने लगते हैं। लेकिन भारत के अपने लाखों गरीब नागरिक हैं, जिनका इन सीमित संसाधनों पर पहला हक है, न कि अवैध घुसपैठियों का। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि हिरासत में किसी भी अवैध प्रवासी को यातना नहीं दी जा सकती। मानवीयता का तकाजा है कि उनके साथ अमानवीय व्यवहार न हो। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि देश का हर नागरिक, खासकर पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में रहने वाले लोग, अवैध घुसपैठ की गंभीरता को समझते हैं। पीठ ने 2005 के ऐतिहासिक सरबानंद सोनोवाल मामले का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने तब असम में बांग्लादेशी घुसपैठ को बाहरी आक्रमण की श्रेणी में रखा था और केंद्र को अनुच्छेद 355 के तहत राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता हैबियस कॉर्पस की आड़ में सरकार से डिपोर्टेशन प्रक्रिया, विदेशी सरकारों से बातचीत और गोपनीय सरकारी फाइलों की जानकारी मांग रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर निर्धारित करते हुए सभी संबंधित रोहिंग्या मामलों को एक साथ जोड़ने का फैसला किया।

इससे पहले मई 2024 में जस्टिस सुर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली में रह रहे रोहिंग्या प्रवासियों के संभावित निर्वासन पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्विस और प्रशांत भूषण ने दलील दी थी कि म्यांमार लौटने पर रोहिंग्याओं का नरसंहार हो सकता है, इसलिए उन्हें भारत में रहने का अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि भारत में कहीं भी रहने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। विदेशी नागरिकों का नियमन विदेशी अधिनियम के तहत ही होगा।

रोहिंग्या मुद्दा लंबे समय से विवादास्पद रहा है। म्यांमार की सेना इन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया मानती है और नागरिकता देने से इनकार करती है। 2017 के बाद बड़े पैमाने पर उत्पीड़न से बचकर लाखों रोहिंग्या पहले बांग्लादेश और फिर वहां से भारत के विभिन्न हिस्सों, खासकर जम्मू, दिल्ली, हैदराबाद, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में पहुंचे। भारत इन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से लगातार इनकार करता रहा है।

घुड़चढ़ी के दौरान पैसे लूट रहे किशोर के सिर में मारी गोली, मौत

नई दिल्ली। मानसरोवर पार्क इलाके में शनिवार रात घुड़चढ़ी के दौरान सीआईएसएफ के हवलदार ने 14 साल के किशोर के सिर में गोली मार दी। किशोर की पहचान साहिल के रूप में हुई है। घटना के दौरान किशोर नोट लूट रहा था। इस दौरान गुस्से में आकर हवलदार ने पहले किशोर की पिटाई की और फिर गोली मारकर वहां से भाग गया। किशोर को पास के अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी हवलदार उत्तर प्रदेश के इटावा स्थित भरताना गांव में उसके घर से रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान दूल्हे के फूफेरे भाई मदन गोपाल तिवारी के रूप में हुई है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया, शनिवार रात मानसरोवर पार्क थाना पुलिस को डीडीए मार्केट के पास स्थित कम्युनिटी सेंटर के पास एक किशोर को गोली मारे जाने की जानकारी मिली। मानसरोवर पार्क थाना ने हत्या, आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। पूछताछ में पता चला कि साहिल अपने परिवार के साथ नत्थू कालोनी की झुग्गियों में रहता था। परिवार में माता-पिता व दो भाई हैं। पिता सिराजुद्दीन पेशे से मजदूर हैं। सिराजुद्दीन ने बताया कि उनका बेटा पढ़ाई नहीं करता था। वह शनिवार रात को अपने छोटे भाई व दोस्तों के साथ मानसरोवर पार्क गया था। साहिल का छोटा भाई भागता हुआ घर पहुंचा और वारदात की सूचना अपने परिजनों को दी थी। पुलिस की एक टीम तुरंत उत्तर प्रदेश के इटावा स्थित भरताना गांव में दबिश दी। पुलिस ने आरोपी को उसके घर से रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि मदन गोपाल तिवारी सीआईएसएफ में हवलदार के पद पर कार्यरत है और उसकी तैनाती कानपुर में है। शादी समारोह में वह छुट्टी लेकर दिल्ली आया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल पिस्टल बरामद कर ली है।

निजामुद्दीन स्टेशन पर नेपाली यात्रियों से अवैध वसूली के आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर नेपाली यात्रियों से अवैध वसूली और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। नेपाल लौट रहे कई यात्रियों ने आरोप लगाया कि टीटी, रेलवे कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी उन्हें एग्जिट गेट पर रोककर पहचान पत्र व टिकट दिखाने के बावजूद धमकाते हैं और भारी जुर्माने के नाम पर पैसे वसूलते हैं। पीड़ितों ने नेपाल सरकार व भारतीय प्रशासन से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। बंगलूरू और नासिक से लौट रहे यात्रियों ने बताया कि उनसे 5,000 रुपये प्रति व्यक्ति जुर्माने के तौर पर वसूले गए, जबकि उनके पास ऑनलाइन टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, आधार कार्ड और नेपाली नागरिकता के कागज थे। अधिकारियों ने दूतावास पास या नेपाल पुलिस लेटर न होने का हवाला दिया और पैसे ले लिए। नासिक से लौटे यात्रियों के अनुसार चार लोगों से करीब 6,000 रुपये वसूले गए और दो महिलाओं के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया।

पैसा, हथियार और संसाधन मुहैया कराने वालों पर भी लगेगा मकोका

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। अब महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के सभी केस दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में बनी मकोका सेल में ट्रांसफर होंगे। अगर जिला पुलिस किसी बदमाश व गैंगस्टर पर मकोका लगाती है तो वह मामला विचार के लिए सेल में जाएगा। सेल ये भी सलाह देगी की मकोका का केस दर्ज होगा या नहीं। अपराध शाखा के पुलिस अधिकारियों के अनुसार पैसा, हथियार और संसाधन मुहैया कराने वालों पर मकोका लगेगा। अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आंकड़ों के मुताबिक 2024 में चार मकोका केस दर्ज हुए हैं। इनमें एक नया और तीन ट्रांसफर होकर सेल में आए हैं। इनमें 19 अपराधी गिरफ्तार किए गए, जिनमें से एक उत्तर-पूर्वी जिले से है। वहीं 2025 में भले कोई नया मामला दर्ज नहीं हुआ हो, लेकिन पुराने केसों में 17 अपराधियों को दबोचा गया। उनमें तीन फिर यमुना पार के ही है। शाखा के पुलिस अधिकारियों के

अनुसार वर्ष 2024 में सट्टा गैंग के खिलाफ मकोका की धारा लगाई थी। राजीव नगर, मांडोली निवासी सगीर अहमद उर्फ अकील अहमद की गिरफ्तारी हुई थी। सगीर उर्फ साटा गैंग सट्टे और जुए के साथ-साथ सीमापार से आने वाले हथियारों के जरिए अपने नेटवर्क को सुरक्षित रखता था। इसी क्रम में 2025 में जाफराबाद के अब्दुल नासिर गैंग के शमीम उर्फ बदर, आदिल और मोहम्मद स्लीम सरीफ उर्फ पिस्टल को गिरफ्तार किया गया। यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर में बिल्डरों और कारोबारियों से मोटी रकम लेकर उन्हें सुरक्षा देता था। शाखा ने अब अपनी रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। अब छिपे चेहरों पर भी वार होगा जो इन गिरोहों को पैसा, हथियार और संसाधन मुहैया कराते हैं। कई फाइनेंसर ऐसे चिह्नित किए जा चुके हैं जो सट्टे के पैसों से अपराध चलाते हैं। मकोका के तहत कार्रवाई के बाद ऐसे अपराधियों के लिए जमानत मुश्किल हो जाती है दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा अभी तक नंदू गैंग, नासिर गैंग और काला जठेड़ी समेत गैंगस्टर पर मकोका लगा चुकी है। यह 'सेल गैंगस्टरों के खिलाफ मकोका के मामलों की निगरानी करेगा। सेल हर मकोका मामले का डाटाबेस भी बनाए रखेगा। मकोका अधिनियम मुंबई में 1999 में और दिल्ली में 2002 में लागू किया गया था। इसमें कानून के विशेषज्ञ पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश में अपराध शाखा के डीसीपी स्तर के अधिकारी को इस सेल का प्रभार सौंपा गया है। सेल में एसीपी व दो इंस्पेक्टर की भी तैनाती की गई है, जो मामलों से संबंधित रिकार्ड का प्रबंधन और वित्तीय आंकड़े देखेंगे। दिल्ली में लारेंस बिश्नोई, रोहित गोदारा, गोल्डी बरार, कपिल सांगवान, हाशिम बाबा, जतिंदर मान उर्फ गोगी और टिल्लू ताजपुरिया जैसे गिरोह शामिल हैं। स्पेशल सेल की नई दिल्ली रेंज वर्तमान में इन गिरोहों के खिलाफ मकोका के पांच मामलों को संभाल रही है। इस साल की शुरुआत में कड़कड़डूमा अदालत ने हाशिम बाबा के शूटर को इस आधार पर जमानत दे दी थी कि पुलिस द्वारा लगाया गया मकोका इस मामले पर लागू नहीं होता। मकोका मामले में पुलिस के लिए यह पहला झटका नहीं था। दरअसल, 2002 से, जब राष्ट्रीय राजधानी में मकोका का इस्तेमाल शुरू हुआ, पुलिस इस कानून के तहत केवल एक मामले में ही दोषसिद्धि हासिल कर पाई। जिसमें गोगी गिरोह के पांच सदस्यों ने अदालत में अपना अपराध स्वीकार किया और उन्हें पांच-पांच साल की जेल और पांच-पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का सख्त आदेश, चालान काटो, एफआईआर दर्ज करो

प्रथम पृष्ठ का शेष

लेकिन फौरी तौर पर प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए उठाए जा रहे लगातार व प्रभावी उपायों को भी और तेज किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रण में लाने के लिए इमरजेंसी मिशन की तरह कार्य कर रही है। संबंधित विभागों को आदेश जारी किए गए हैं कि अगले 72 घंटों के भीतर सभी गड्ढों (पॉटहोल्स) की पहचान कर उन्हें भरा जाए। सड़कों का रखरखाव करने वाले विभागों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि कोई भी सड़क टूटी नहीं रहनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने इस बात पर गहरी नाराजगी जताई कि कुछ विभाग प्रदूषण को लेकर जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने बैठक में ही डीपीसीसी अधिकारियों को आदेश दिए कि प्रदूषण में लापरवाही और साफ-सफाई को लेकर कोताही बरतने वाले सरकारी विभागों के खिलाफ चालान काटा जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी आदेश दिए कि बिना इजाजत रोड कटिंग करने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस कोताही के लिए विभाग के प्रमुख को जिम्मेदार माना जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा, न सरकारी और न ही निजी एजेंसियों को। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ हमें युद्धस्तर पर कार्य करना होगा और इसमें सरकार, विभिन्न विभागों के अलावा आम जन को भी भागीदारी निभानी होगी। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया गया है कि अपने अधीन 1400 किलोमीटर सड़कों के दायरे में सभी गड्ढों की पहचान कर उन्हें रिकॉर्ड समय में ठीक करें। सभी डेटा ऐप के माध्यम से बिफोर और आफ्टर फोटोग्राफ्स सहित अपलोड किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बैठक में डीडीए को आदेश जारी किए कि वह अपनी सड़कों पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखे, अपनी खाली पड़ी जमीनों से कूड़े को तुरंत हटाए और अपनी मार्केट को तुरंत एमसीडी को हस्तांतरित करे ताकि वहां सफाई अभियान सुचारू रहे। बैठक में दिल्ली मेट्रो को स्पष्ट कहा गया कि वह अपनी एलिवेटिड लाइनों के नीचे की सड़कों को तुरंत प्रभाव से ठीक करे और धूल नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी ने स्पष्ट किया है कि अब कोई भी देरी स्वीकार नहीं होगी। दिल्ली की सड़कों को साफ़, हरित और धूल-मुक्त बनाना ही प्रदूषण के खिलाफ हमारी सबसे बड़ी लड़ाई है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 311 ग्रीन ऐप को एक नोडल प्लेटफॉर्म के रूप में और अधिक सशक्त किया जा रहा है जिससे ग्रीन वॉर रूम के माध्यम से गड्ढों, ब्राउन एरिया और डस्ट हॉटस्पॉट्स की मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि अगले छह महीनों के लिए एक समग्र कार्य योजना तैयार की जा रही है, जिसके अंतर्गत धूल उड़ने वाले ब्राउन एरिया को चिन्हित कर वहां पर धूल-मुक्त और हरित उपाय लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बीएस-4 से नीचे के वाहनों पर सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री जी की पहल पर, लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए ई-ऑटो को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग मेट्रो का उपयोग कर सकें। पर्यावरण मंत्री के अनुसार मिस्ट स्प्रे सिस्टम तकनीक के माध्यम से डस्ट मिटिगेशन के अच्छे परिणाम सामने आए हैं और अब इसे पूरे दिल्ली में व्यापक रूप से लागू किया जाएगा। एमसीडी को भी आदेश दिया गया है कि अपनी 8000 किलोमीटर की सड़कों को पॉट-होल फ्री और डस्ट-फ्री बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। 1000 वैक्यूम बेस्ड लिटर पिकर्स और 100 मैकेनिकल रोड स्वीपर्स (एमआरएस) अगले 45 दिनों में काम पर लगाए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अगले कुछ महीनों में दिल्ली के अधिकांश डंप साइट्स को पूरी तरह से साफ़ कर दिए जाने का लक्ष्य है। साथ ही, सभी निर्माण स्थलों को 48 घंटों में फेंसिंग और पॉल्यूशन कंट्रोल नियमों के अनुपालन के लिए बाध्य किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को साफ़ और प्रदूषण-मुक्त बनाना हमारी साझा जिम्मेदारी है। चाहे कोई भी एजेंसी हो या उद्योग, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

नातिन ने प्रेमी से करा दी अपनी दादी की हत्या, फिर शादी कर चली गई ससुराल

अलीगढ़। अलीगढ़ के जवां थाना अंतर्गत गांव चंदौखा में बुजुर्ग महिला चंद्रवती (65) की हत्या उनकी रिश्ते की नातिन रूबी ने अपनी शादी टालने के लिए अपने बाइक मिस्त्री प्रेमी रविशंकर से कराई थी। मगर हत्या का भेद न खुलने के चलते उसकी शादी नहीं टल सकी। हत्या के एक सप्ताह बाद परिवार ने रूबी की शादी कर ससुराल विदा कर दिया। अब जब हत्या के 21वें दिन यह खुलासा हुआ तो पुलिस ने रूबी व उसके प्रेमी रविशंकर को जेल भेज दिया है। इस खुलासे पर परिवार हैरान है। सीओ तृतीय सर्वम सिंह के अनुसार ये घटनाक्रम 11 नवंबर की शाम का है। ग्रामीण वीरी सिंह की पत्नी चंद्रवती जब घेर से बकरियों को घर लाने गई थीं। तभी शाम करीब 8:30 बजे वह गांव के तिराहे पर घायल अवस्था में बेसुध पड़ी मिलीं। परिजन उन्हें क्वार्सी स्थित ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। जहां महिला को मृत घोषित करते हुए बताया कि महिला के सिर में गोली लगी है। इस पर परिवार ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कराया था। मगर किसी तरह की रंजिश जांच में उजागर नहीं हुई। सीओ के अनुसार इसी बीच मोबाइल सर्विलांस की मदद से गांव कस्तली के रविशंकर का नंबर संदिग्ध पाया गया। जब रविशंकर के विषय में जांच की तो उस पर शक गहराया। इसी क्रम में रविशंकर को हिरासत में लेकर पूछताछ हुई तो वह टूट गया। उसने मृत चंद्रवती की रिश्ते की नातिन रूबी के कहने पर हत्या करना व रूबी से प्रेम संबंध होना स्वीकारा।

NAME CHANGE
I KAILASH CHANDRA VERMA S/O SURESH CHANDRA VERMA Permanently residing at GILA KI NAGAL, NAYLA, JAIPUR, RAJASTHAN-303012, Presently residing at FLAT NO-188, SECOND FLOOR, SURYODAYA APARTMENT POCKET-8, SECTOR-12, DWARKA, NEW DELHI-110075 have changed the name of my minor daughter LAVYANSHI ATAL aged 10 years and she shall hereafter be known as LAVYANSHI VERMA.

NAME CHANGE
I, Atul Choudhary S/o Ramkesh Choudhary R/o H-No-328, Sector-15A, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my minor son's name from Yuvaan Choudhary Aged 01 Years to Rudra Choudhary forever.

NAME CHANGE
I hitherto known as GEETA AGARWAL alias GEETA RANI D/O SURESH CHAND AGARWAL W/O PREM KRISHNA R/O P-7, ENGINEERS PARK, OMEGA-1, GREATER NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201308, have changed my name and shall hereafter be known as GEETA RANI.

NAME CHANGE
I Indra Devi W/o Mahender Kumar R/o Ward No-03, 20 KD-A, Ganganagar, 7 Knd, Rajasthan - 335707, have changed my name to Indra.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती नेहा संपत्ति संख्या WZ-23-A पर निर्मित प्रथम तल (बिना छत अधिकार) (उक्त तल), जो कुल 95 वर्ग गज क्षेत्रफल का है तथा खसरा संख्या 03, राजस्व ग्राम नांगली जलीब, दिल्ली राज्य, दिल्ली, कॉलोनी कृष्णा पार्क, गली नंबर-5, नई दिल्ली-110018 में स्थित है, को श्री मनप्रीत सिंह बच्छू से खरीदने का इरादा रखती हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार उक्त संपत्ति के मूल मालिक श्री गुरबख्श सिंह थे। दुर्भाग्यवश, श्री गुरबख्श सिंह का 16.11.1985 को देहांत हो गया, जिनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस रह गए- श्रीमती जगदीश कौर, श्रीमती महिंदर कौर, श्री बहादुर सिंह, श्री महेंद्र सिंह, श्री जगबीर सिंह तथा श्रीमती रत्तन कौर। इसके पश्चात, श्रीमती जगदीश कौर, श्रीमती महिंदर कौर, श्री बहादुर सिंह, श्री महेंद्र सिंह तथा श्री जगबीर सिंह ने अपना-अपना हिस्सा श्रीमती रत्तन कौर के पक्ष में रिलिंक्विशमेंट डीड दिनांक 11.03.1999 के माध्यम से त्याग दिया। आगे चलकर, श्रीमती रत्तन कौर ने दिनांक 11.02.2010 को एक वसीयत अपने पुत्र श्री महेंद्र सिंह के पक्ष में निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती रत्तन कौर का 28.10.2016 को निधन हो गया। इसके बाद, श्री महेंद्र सिंह ने उक्त प्रथम तल को श्री मनप्रीत सिंह बच्छू के पक्ष में गिफ्ट डीड दिनांक 18.02.2022 के माध्यम से उपहार में दे दिया। अतः श्री मनप्रीत सिंह बच्छू अब उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सुभाष नगर शाखा, नई दिल्ली के द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Suraj s/o Ramu R/o 95/18, Gali No-10-D, Jagatpur, Burari, Delhi-110084 have changed my name to Suraj Chhetri for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohd Zafirul Hasan s/o Mohd Abdul Mohit R/o H No-7478, Fourth Floor, Gali Tel Mill Ram Nagar, Pahar Ganj, Swami Ram Tirth Nagar, New Delhi-110055 have changed my name to Mohd Zafeerul Hassan for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as NISHAD PARVEEN W/o SUBHAN AHMAD, R/o 4/433, Khichri Pur, Kalyanpuri, PO: Kalyanpuri, Dist: East Delhi, Delhi-110091, have changed my name and shall hereafter be known as RESHMA KHATUN, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as HEMANT KUMAR alias HEMANT AHUJA S/o ASHOK KUMAR AHUJA, R/o Flat No. B-9 G, Vijeta Vihar Apartments, Plot No. 19/2 Delhi Police Employees CGHS, DC Chowk, Sector-13 Rohini, Rohini Sector-13, PO: Rohini Sector-7, Dist. North West Delhi, Delhi-110085, have changed my name and shall hereafter be known as HEMANT AHUJA.

PUBLIC NOTICE
This is to inform general public at large that our client, **Mrs. Anita Devi & Mr. Anjay Paswan** who have approached **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,** for Home Loan of the Plot of Land Area Measuring 50 Sq.Yds., Out of Khasra No. 117/120, Situated at Mukandpur abadi known as Mukandpur Colony, Delhi-42.

1. ATS & Will Dated 06.03.1998 executed by **Mr. Lal Chand** S/o. Mr. Parbhu Yadav in favour of **Mr. Ram Parkash** S/o. Mr. Nathu Ram in respect of Land Area Measuring 50 Sq.Yds., Out of Khasra No. 117/120, Situated in the Village Mukandpur Colony known as Mukandpur, Delhi.
2. GPA & Will Dated 21.02.2000 executed by **Mr. Ram Prakash** S/o. Mr. Nathu Ram in favour of **Mrs. Shanti Devi** W/o. Mr. Sultan in respect of Plot of Land Area Measuring 50 Sq.Yds., Out of Khasra No. 117/120, Situated at Mukandpur abadi known as Mukandpur Colony, Delhi-42.

It is to mention that the abovementioned Documents are lost. And the said property is going to be mortgaged in **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD., F. No. - 301/10165 Mezzanine Gurudwara Road West Extn Area Karol Bagh Delhi 110005.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE
I, Malkhan s/o. Jaipal Singh R/o.house no.3022 ranjeet Nagar patel nagar central Delhi.110008 Have changed my name to Malkhan Singh all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-14849163P, Rank-HAV, Name-SARAVANAN M Presently residing at NO-12/86 85-175, TUMBIPADI KADUVALAVU, TAMBIPADI, SALEM, TAMIL NADU-636305, have changed my mother's name from RAMAI to RAMAYI MANIKKAM for all future purposes vide Affidavit dated 03/12/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SIDDARTH VERMA S/O TULSI DASS VERMA R/o H.No.137, Sector - 21 C, Near Manav Rachna School, Faridabad Haryana -121001, have changed my name to SIDDHRTH VERMA permanently.

NAME CHANGE
I, Sanjeev Kumar S/o Lala Ram R/o 3778-A,Gali Babu Wali Kucha Mohattar Khan, Mori Gate Delhi-110006, declare that name of mine has been wrongly written as Sanjeev in my minor Son namely Piyush, aged 16 years in his 10th class educational document. The actual name of mine is Sanjeev Kumar respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SANJEEV KUMAR S/O SEWA SINGH R/O HOUSE NO-129,RATAN VIHAR,GALI NO-3, NEAR CHIRAG HOSPITAL, RAJENDRA PARK, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME SANJEEV YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, PANKAJ S/O RAMBIR SINGH R/O HOUSE NO D A-23,GURGAON PATAUDI, ROAD,NEAR VISHWAS COLLEGE OF EDUCATION,VISHWAS NAGAR (NEW COLONY),PATAUDI,GURGAON,HARYANA_122503,HAVE CHANGED MY NAME TO PANKAJ KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SAMIT BAGHLA S/O ASHOK KUMAR BAGHLA R/O B-804,SISPAL VIHAR, SECTOR-49,SOUTH CITY-II, GURGAON, HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY MINOR SON NAME FROM SHAURYA TO SHAURYA BAGHLA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, PREETI D/O GOPAL KRISHAN SHARMA R/o H NO 10 B 64 A SHIV MANDIR GALI NO 12, NEAR AKHARE WALI GALI, MAUJPUR NORTH EAST DELHI, DELHI 110053 I HAVE CHANGED MY NAME TO PREETI SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ASHOK KUMAR GAUR S/O RAM CHANDER GAUR R/o C1/15B 3RD FLOOR RAMA PARK NEAR DWARIKA MOR METRO STATION UTTAM NAGAR WEST DELHI, DELHI-110059 I HAVE CHANGED MY NAME TO ASHOK GAUR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, SANDEEP S/O PRITHI PAL R/o HOUSE NO 298 NEAR B.P.T.P BUILDING TIGRA SECTOR-57 SAMASPUR GURGAON HARYANA-122003 I HAVE CHANGED MY NAME TO SANDEEP TANWAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I Mala Devi W/O Dinesh Ray R/O Plot no-49, ground floor near Hanuman Mandir, Sainik enclave, sec-5, uttam nagar delhi 110059 changed my name to Mala Kumari

NAME CHANGE
I Mohammad Zahiruddin Abbas S/O Zahoor Ahmed R/O F-60, West Jawahar Park Gazi No-7 Murti Wali Gali Laxmi Nagar delhi 110092 changed my name to Zahiruddin Ahmed

NAME CHANGE
I, Rinku Kanwar W/O Rohtash Singh Chauhan R/O 4775, Ahata Kidara Pahri Deeraj Delhi-6, have changed my name to Rashmi Chauhan.

NAME CHANGE
I, Rakesh w/o Sandeep Kumar R/o H No-1/11760-B, Meera Gali, Panchsheel Garden, Naveen Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Rakesh Rani Permanently.

NAME CHANGE
I Mukila/Mukeela Begum W/O Mohd Islam R/O. H.No-2796, Gali No-23, Rajiv Gandhi Nagar, New Mustafabad Delhi 110094 have changed my name to Mukila Bagum

NAME CHANGE
I Imrana W/O Mohd Zakir R/O. H.No-2796, Gali No-23, Rajiv Gandhi Nagar, New Mustafabad Delhi 110094 have changed my name to Imrana Bagam

NAME CHANGE
I, SREEJA GS Wife of No-2611816N Rank-HAV Name-RAMLAL R Presently residing at LAL BHAVAN, PO-KODUVAZHANOOR, DIST-TRIVANDRUM, KERALA-695612, have changed my name from SREEJA GS to SREEJA G S for all future purposes vide Affidavit dated 03/12/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to Public at large that my client is in process of selling the land falling in Khasra No. 25//17/2,22/2,23,24/1,31//2,3,9,56//15 Khasra No.25//24/2, Khasra Nos.31//13, Khasra Nos.25//9,10,11,12,20/2,16,56//13, admeasuring 6 Bigha 11 Biswa 5 Biswansis, situated within the revenue estate of village Samalkha, Tehsil Vasant Vihar, District New Delhi. The recorded owner is namely Sh. Nitesh Bhardwaj, S/o. late Sh. Deepak Bhardwaj R/o Khasra No. 28/14/1 Shiksha Bharti College, Ramphal Chowk, Dwarka Sector 7, Delhi-110075. Whereas all persons including the individuals, companies, banks, financial institutions (banking and non-banking), firms, creditors, claimants, family members etc. having any right, interest, claim, objection in respect of above mentioned land or part of the said land thereof, by way of sale, exchange, mortgage, pledge, charge, maintenance, easement, succession, lease., lien etc. of whatsoever nature are hereby requested to inform the same in writing by registered post or below mentioned WhatsApp number, email address duly supported by the original documents, to the undersigned at the address below within the period of 7 days from the publication of the instant notice, failing which, the claim or right if any, of the such person shall be considered to have been waived of and/or abandoned.

Kunal Mittal (Advocate)
Ch. No.328, Lawyers Chamber Block,
Rohini Court Complex, Delhi-110085
Mail: kunal.du@live.com
Ph: 8447424550

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Rekha Kashyap W/o Mr. Jai Bhagwan is the owner of Freehold Residential House area measuring 71 Sq. yds. i.e. 59.36 Sq. mtrs. out of Total area 235 Sq. yds. Out of Khasra no. 996, Situated at Subhash Nagar, Village Ghukna, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 09.07.2025 Doc. No. 8187, Book no.1, Vol. no. 44508, Pages no. 361-382, SR- IV, Ghaziabad., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate of Late Mr. Hansraj & Probate Order of Will dated 25.04.1997., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too bee Mr. Ramesh Ranjan which is to be financed by IndusInd Bank Ltd. Branch: Janakpuri, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, MAHI MANOJ JOSHI D/o MANOJ DATTATRAY R/o H NO-165, PRATAP CHOWK, MANDIR MARG, DELHI CANTT-110010, have changed my name from MAHI MANOJ JOSHI to MAHI JOSHI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Pawan S/O Krishan Kumar Sharma R/O A-180, Pachhaya Mohalla, Chhawla, Dwarka, 110071, Delhi, India Have Changed My Name to Pawan Vashisht for All Future Purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, KARTHIYANIAMMA mother of JC-313891L Rank - SUB, Name - D SADISH presently residing at-MUKKAT KUNIYIL, VILL-ERAMALA, PO-ORKATTERI, DIST-KOZHIKODE, KERALA-673501, have changed my name from KARTHIYANIAMMA to KARTHIYANI AMMA M M, in my son's service records, my date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of 12/09/1952, vide Affidavit dated 03/12/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-7244334A Rank – L/Dfr (NA Vet), Name - PAL MOHANKUMAR BADANSINGH presently residing at-VILL-AHMEDABAD, PO-KUBERNAGAR, TEHSIL-AHMEDABAD, DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-382340, have changed my wife's name from SUMAN to SUMAN MOHANKUMAR PAL, in my service records, my wife's date of birth is wrongly mentioned as 16/09/1989 instead of 16/08/1989, vide Affidavit dated 03/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-708461L, Rank-NB SUB (BTA) Name-VIVEK PANDEY residing at VILL-JAKHAMAI, PO-TIWARIPUR, TEHSIL-KUNDA, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230202, in my service records my mother's name wrongly mentioned as SANTOSH KUMARI PANDEY, correct name of my mother is SANTOSH KUMARI for all future purposes declare vide Affidavit dated 03/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Manjeet Singh S/o Gurdev Singh R/o WZ 29, plot No.55, Vishnu Garden, Delhi-110018 have changed my name to Manjeet Singh Rathore.

NAME CHANGE
I, Ishnit Singh S/o Brijmeet Singh R/o C-101, Third Floor, Sushant Lok Phase-1, Block-C, Sector-43, Gurgaon, Chakarpur(74), Gurgaon, Haryana-122002 have changed my name to Ishnimit A Singh.

NAME CHANGE
I, AFIFA KHATOON D/o ZULFQUAR AHMAD JILANI R/o House No-88, Gali No-3, Kardampuri, Gokal Pur, Delhi, 110094 have changed my name to AFIFA JILANI.

NAME CHANGE
I, Babita W/o Sushil Kumar Darji R/o PLOT NO.63, THIRD FLOOR, AMOLIK RESIDENCY LLP, SECTOR-86, FARIDABAD KHERI KALAN, FARIDABAD, HARYANA-121002 have changed my name to Babeeta Varma.

NAME CHANGE
I CHANDER SHEKHAR S/O KULDEEP SHARMA R/O FLAT NO-108 SECOND FLOOR GALI NO-10 VASDEV NAGAR PRATAP NAGAR MALKA GANJ NORTH DELHI DELHI-110007 HAVE CHANGED NAME TO CHANDER SHEKHAR SHARMA

NAME CHANGE
I Malviya Deepti Suresh D/o Suresh Malviya R/o 754, Nav Sansad Vihar, plot 4, sector 22, dwarka - 110075 have changed my name to Deepti Malviya for all future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
मैं क्रमांक न-14445153 हवलदार किशामत अली निवासी मोहल्ला औलाद गंज, पोस्ट-साण्डी, जिला-हरदोई, राज्य-उत्तर प्रदेश-241403, घोषणा करता हूँ कि मेरे सेना रिकॉर्ड में मेरी माता जी का नाम और जन्म तिथि गलती से सरवरी बानो, जन्म तिथि 01/07/1952 के रूप में दर्ज है लेकिन उनका सही नाम शरवरी जन्म तिथि 01/01/1949 दर्ज कि जाय।

PUBLIC NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Sh. Samunder Singh S/o Sh. Chatar Singh R/o D1/9B, Gali No. 4, Om Vihar Phase-5, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059, all his relatives have severed their relations with his sons and daughters-in-law Sh. Neeraj and his wife Malti and Sh. Dheeraj Kumar and his wife Jyoti. Now my Clients have no relation, whatsoever with their above-said sons and daughters-in-law Sh. Neeraj and his wife Malti and Sh. Dheeraj Kumar and his wife Jyoti and disowns/debar them from all their movable and immovable properties. Due to their persistent misconduct, disobedience, and disrespectful behaviour towards my client and other family members, coupled with their continuous harassment and mental cruelty, which has caused severe disturbance in the peaceful life of my client. Any person(s) dealing with them in any manner shall be doing so at their own risk and consequences. My clients shall not be responsible in any manner whatsoever for the acts and deeds done by Sh. Neeraj and Sh. Dheeraj Kumar

SUNNY SHARMA Advocate
CHAMBER No. 757, Dwarka Court Complex, Sector10 Dwarka,

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद यूनुस, पुत्रः मोहम्मद हलीम, निवासीः झुग्गी नंबर 99, भोपुरा चौक के पास, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश FIR No. 483/2019, U/s: 25 Arms Act, पुलिस थाना शास्त्री पार्क, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद यूनुस** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद यूनुस** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना शास्त्री पार्क, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहम्मद यूनुस** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.01.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रुति सारस्वत
जेएमएफसी-03, उत्तर पूर्व, प्रथम तल, कमरा संख्या 22,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/16179/NE/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अतीउल्लाह, पुत्रः अब्दुल कदुस, निवासीः राम पार्क, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, निवासीः गली नं.-10, वार्ड नं.-31, कौशल पार्क, लोनी, गाजियाबाद, ओर निवासीः राम पार्क, कमिश्नरेट, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 005637/23, U/s: 379/411/414/34 IPC, पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अतीउल्लाह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अतीउल्लाह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अभियुक्त **अतीउल्लाह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 14.01.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री सायशा चड्ढा
एमएम-08, कमरा नंबर 272,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16195/N/2025

NAME CHANGE
I Prabhjit Singh S/o Gurbax Singh Suri R/o 215 FF SHIV NAGAR, GALI NO 12, JAIL ROAD, HARI NAGAR, DIST: West Delhi, Delhi-110058 have changed my name to Prabhjeet Singh Suri for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as SONAM KUMARI D/o SATENDRA CHAUHAN, and W/o OMKAR SINGH RAGHAV, R/o 40-D Pocket A-3, Nearby Ryan International School, Mayur Vihar Phase-3, PO: Vasundhra Enclave, Dist. East Delhi, Delhi-110096, have changed my name and shall hereafter be known as SONAM RAGHAV, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-385586P Rank-SUB Name- A JEYAKUMAR residing at H NO-51/1-3, G H BACK SIDE, PALLATHUPATTI ROAD, KARIAPATTI, VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU-626106, have changed my minor daughter's name from J JAI SHRUTHIKA to J JAISHRUTHIKA for all future purposes vide Affidavit dated 03/12/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I R NAVEEN BABU S/O RAMESH BABU RAMISETTI R/O 470 E/2 MS BLOCK, HARI NAGAR , MAYA PURI DELHI - 110064 I have changed my name to NAVEEN BABU RAMISETTI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I HARISH S/O PURAN CHAND SHARMA R/O PLOT NO - 7 AND 8 F/F FRONT SIDE BLOCK L-EXTN MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR DELHI-110059 , I have changed my name to HARISH SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I RAHUL MISHRA S/o Satya Dev Sharma R/o RZ-10, Gali No.9, Madan Puri, West Sagar Pur, Delhi-110046, have changed my name to RAHUL SHARMA permanently.

NAME CHANGE
I SATYA DEV MISHRA S/o LATE. Sh. Babu Ram Sharma R/o RZ-10, Gali No.9, Madan Puri, West Sagar Pur, Delhi-110046, have changed my name to SATYA DEV SHARMA permanently

NAME CHANGE
I, SOM PRABH S/o SURESH CHAND SHARMA R/o B-189, Rishal Garden, Nangloi, Najafgarh Road, Delhi-110041, have changed my name to SOMPRABH SHARMA permanently

NAME CHANGE
I, SANDEEP KUMAR GROVER S/o Krishan Baldev R/o 25/18, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name to SANDEEP GROVER permanently.

NAME CHANGE
I Garima W/0 Ishant Malhotra Add. 11012/4 GF Dori Walan karol bagh Delhi 110005 changed my name Garima Malhotra.

NAME CHANGE
I Ishant Kumar Malhotra S/0 Rajender Kumar Add 11012/4 GF Dori Walan Karol bagh Delhi 110005 Changed my name Ishant Malhotra

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोनीपत पुलिस की महिला सुरक्षा में रिकॉर्ड कार्रवाई, प्रभावी नतीजे

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। पुलिस आयुक्त ममता सिंह के नेतृत्व में चल रहे विशेष प्रयासों का परिणाम है कि महिला विरुद्ध अपराधों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। सरकार और कानून व्यवस्था से जुड़े विभागों द्वारा किए गए ठोस प्रबंधों से महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक बदलाव दिख रहा है। पुलिस प्रवक्ता एएसआई रविंद्र सिंह ने बताया कि सोनीपत जिले में दहेज हत्या के 8 मामले दर्ज हुए, जिनमें सभी का निवारण कर दिया गया। दुष्कर्म के 61 मामलों में भी पुलिस ने सौ प्रतिशत सफलता हासिल की। दहेज प्रताड़ना के 149 मामलों में सभी आरोपियों को तलाशकर उन पर कार्रवाई की गई। अपहरण और अगवा करने के 58 मामलों में से 57 का निवारण किया गया, जो 98.27 प्रतिशत सफलता दर को दर्शाता है। के 88 मामलों में से 86 का समाधान किया गया। पोक्सो अधिनियम के 88 मामलों में भी पुलिस ने पूर्ण वर्कआउट किया। इन आंकड़ों से साफ है कि जिले में महिला विरुद्ध अधिकांश अपराधों में पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की है। महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जागरूकता अभियानों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिकायत दर्ज कराने में महिलाओं का विश्वास बढ़ा है। पुलिस थानों में महिला डेस्क की अनिवार्यता और संवेदनशील पुलिसिंग के कारण शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो रही है।

सरकार विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए दे रही ऋणः मनोज कुमार

नारनौल। हरियाणा सरकार द्वारा विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए तीन लाख रुपये तक की ऋण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से इस योजना के तहत जिन महिलाओं की वार्षिक आय तीन लाख रुपये या इससे कम है तथा जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष है, वह इस स्कीम का लाभ ले सकती हैं। उन्होंने बताया कि बैंक ऋण के ऊपर लगे ब्याज की प्रतिपूर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रूप में अदा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसकी अधिकतम सीमा 50 हजार रुपये व अवधि तीन वर्ष, जो भी पहले होगी। इसमें विभिन्न क्रियाकलापों बुटीक, सिलाई-कढ़ाई, ई-रिक्शा, मसाला- आचार इकाइयां, खाद्य प्रसंस्करण, कैरी बैग का निर्माण, बेकरी, रेडीमेड गारमेंट्स तथा अन्य किसी भी कार्य जिसको करने में महिलाएं सक्षम हों उन सभी कार्यों के लिए ऋण दिया जाता है। उपायुक्त ने बताया कि इस संबंध में अन्य किसी भी जानकारी के लिए हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में आकर तथा कार्यालय के दूरभाष नंबर 01282-250346 पर फोन कर जानकारी ले सकते हैं।

अजय सिंघल ने संभाली हरियाणा स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो की कमान

पंचकूला। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सख्त मुहिम को नई दिशा देते हुए 1992 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अजय सिंघल को स्टेट विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो, हरियाणा का चीफ नियुक्त किया है। उन्होंने आज पंचकूला मुख्यालय में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। अपनी ईमानदार, सख्त और परिणाम-केंद्रित कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले सिंघल का पदभार लेना राज्य में भ्रष्टाचार-विरोधी प्रयासों को और प्रभावी बनाने वाला कदम माना जा रहा है। पदभार ग्रहण करते ही सिंघल ने कहा कि हरियाणा में भ्रष्टाचार को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विजिलेंस ब्यूरो की कार्रवाई को और तेज, निष्पक्ष और व्यवस्थित किया जाएगा, ताकि रिश्वतखोरी और अनियमितताओं के मामलों पर तुरंत और ठोस कार्रवाई हो सके। सरकारी विभागों में पारदर्शिता बढ़ाना, शिकायतों पर समयबद्ध प्रतिक्रिया देना और गंभीर मामलों की जांच को तेज करना उनकी पहली प्राथमिकताएं होंगी। सिंघल ने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसा माहौल बनाना है जिसमें ईमानदार अधिकारी सम्मानित हों और भ्रष्टाचार करने वालों को कानून का डर लगातार महसूस हो। उन्होंने कहा कि विजिलेंस की जांच पूरी तरह तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित होगी तथा किसी भी मामले में ढिलाई या दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थागत भ्रष्टाचार और आर्थिक अपराधों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष पर दर्ज एफआईआर जला कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

जींद। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल पर दर्ज की गई एफआईआर के रोष स्वरूप मंगलवार को कर्मियों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों ने एफआईआर की प्रतियां जला कर रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारी कर्मियों को संबोधित करते हुए समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनूप लाठर और महिला विंग प्रभारी राजबाला कौशिक ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष धारीवाल लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों के साथ जनजागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम चला रहे हैं। इसी क्रम में धारीवाल की अध्यक्षता में जंतर-मंतर पर ओपीएस बहाली हेतु आयोजित एक शांतिपूर्ण धरना पूरी अनुशासन और मर्यादा के साथ संपन्न हुआ। इसके बावजूद केवल अधिक संख्या में कर्मचारियों की भागीदारी का हवाला देकर प्रदेश अध्यक्ष और अन्य कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। जिसे कर्मचारी समाज ने पूरी तरह अन्यायपूर्ण करार दिया है।

कनाडा ने हरियाणा में विश्वविद्यालय खोलने का रखा प्रस्ताव

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। भारत में कनाडा के राजदूत क्रिस्टोफर कूटर ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात करके हरियाणा राज्य के साथ शिक्षा, निवेश और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने की पेशकश करने के साथ-साथ कनाडा द्वारा हरियाणा में एक विश्वविद्यालय खोलने पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान चर्चा हुई कि फास्ट ट्रैक सिस्टम के माध्यम से हरियाणा और कनाडा के निवेश प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाया जाएगा। फास्ट ट्रैक सिस्टम के माध्यम से अनुमति प्रक्रियाओं के सरलीकरण, विभागों के बीच समन्वय सहित सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इसके अलावा, हरियाणा की तीव्र आर्थिक वृद्धि, मजबूत औद्योगिक आधार और निवेश-अनुकूल नीतियों को देखते हुए कनाडा ने राज्य के साथ अपने आर्थिक व राजनीतिक जुड़ाव को और सुदृढ़ करने में रुचि व्यक्त की है।

हरियाणा और कनाडा के बीच यह पहल राज्य में निवेश के नए द्वार खोलेगी, रोजगार सृजन को गति देगी और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत बनाएगी। इस दौरान क्रिस्टोफर कूटर ने मुख्यमंत्री के साथ वेस्ट टू एनर्जी, विद्युत उत्पादन और कनाडा के खनन क्षेत्र में हरियाणा के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कनाडा के निवेशकों को हरियाणा में निवेश के लिए आकर्षित करने संबंधी विस्तृत रोडमैप पर भी विचार-विमर्श किया, ताकि दोनों पक्षों के व्यावसायिक संबंध और अधिक मजबूत तथा परिणाम मुखी बन सकें।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा को वैश्विक मंच पर निवेशकों के लिए पसंदीदा स्थल बनाने के लिए राज्य सरकार ने ईज ऑफ डूइंग को प्राथमिकता दी है। इसके लिए सरकार ने अलग से विदेश सहयोग विभाग का गठन किया है, जो लगातार राजदूतों और निवेशकों व अन्य प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर परस्पर सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। क्रिस्टोफर ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि आने वाले समय में हरियाणा और कनाडा के बीच यह साझेदारी बहुआयामी रूप से आगे बढ़ेगी और इसका लाभ सीधे-सीधे प्रदेश के लोगों और युवाओं को मिलेगा।

पानीपत में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क हादसों की रोकथाम के उद्देश्य से 24 नवंबर से 30 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रैफिक थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुभाष की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस द्वारा गलत लेन में वाहन, लाल नीली बत्ती का इस्तेमाल व नशा करके वाहन चलाने वालों तथा ध्वनि प्रदूषण करने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान गलत लेन में वाहन चलाने के 275, ध्वनि प्रदूषण करने के 6, लाल नीली बत्ती इस्तेमाल के तीन तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 25 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस ने इस दौरान सभी वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी। एसपी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर ऐसे विशेष अभियान लगातार चलाए जाएंगे। यातायात नियमों का

उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ आमजन को यातायात जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नियमों की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और सड़क पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पानी के टैंक में डूबने से दो बच्चों की मौत

एजेंसी

जींद। गांव खटकड़ खेत में बने लेयर फार्म के पास बने पानी टैंक (होदी) में खेलते हुए डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक बच्चों के शवों को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव खटकड़ के खेतों में लितानी निवासी अमन ने लेयर फार्म बनाया हुआ है। यहां गांव छपरा बिहार निवासी संत कुमार पासवान पिछले कई सालों से परिवार सहित लेबर के रूप में कार्यरत है। संत कुमार के नौ वर्षीय सत्यम व छह वर्षीय रितिक लेयर फार्म के पास बने पानी के टैंक के पास खेल रहे थे। दोनों बच्चे खेलते हुए पानी के टैंक में डूब गए। बच्चों के टैंक में डूबने का जैसे ही पता चला तो आसपास के लोग मौके

पर पहुंचे और बच्चों को तुरंत प्रभाव से उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी देते हुए उचाना थाना के जांच अधिकारी सुखविंद्र ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस दोनों बच्चों के शवों के पोस्टमार्टम को लेकर कागजी कार्रवाई कर रही है।

नायब सैनी सरकार कुरुक्षेत्र को दुनिया का सबसे गौरवपूर्ण स्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली उत्तर प्रदेश के सम्भल स्थित श्री कल्कि धाम में आचार्य प्रमोद कृष्णम के आमंत्रण पर कल्कि पुराण-आधारित श्रीकल्कि कथा में सह-परिवार शामिल हुए। इस मौके पर बड़ौली ने जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी का सान्निध्य में प्राप्त कर आशीर्वाद लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि श्रीकल्कि कथा का आयोजन अद्वितीय और ऐतिहासिक है। कथा में जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी द्वारा संदेश दिया गया कि जब अधर्म बढ़ता है, तब धर्म स्वयं रक्षा हेतु अवतार रूप में प्रकट होता है। बड़ौली ने कहा कि कल्कि अवतार का आशय केवल भविष्यवाणी नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य, शुचिता और साहस की शाश्वत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि श्रीकल्कि धाम के निर्माण की प्रगति भी उत्साहजनक है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कल्कि कथा भारतीय संस्कृति के महत्व और उसकी गहराइयों को समझने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि यह कथा धर्म, आध्यात्म और संस्कृति के प्रति और अधिक ज्ञान और समझ पैदा करती है। उन्होंने कहा कि श्री कल्कि कथा सुनने से सनातन धर्म, संस्कृति और संस्कृत भाषा का ज्ञान प्राप्त होता है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि देश में सांस्कृतिक और धार्मिक पुनर्जागरण चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी और मार्गदर्शक नेतृत्व में भारत अपनी प्राचीन आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ा है। पिछले 11 वर्षों में भारत में उल्लेखनीय सांस्कृतिक परिवर्तन हुए हैं। मोदी सरकार में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक परियोजना और अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन जैसे परिवर्तनकारी कार्य हुए हैं। बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। आज विश्व भारत को एक मजबूत, निर्णायक, आत्मनिर्भर और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में देखता है।बड़ौली ने कहा कि नायब सैनी सरकार हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और उसे नई पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कुरुक्षेत्र को दुनिया का सबसे गौरवपूर्ण स्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो समाज अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोए रखता है वह युवा पीढ़ी को अच्छे नैतिक संस्कार देता है।

पंद्रहवीं विधानसभा के प्रथम वर्ष की पत्रिका का हुआ विमोचन

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा2047तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया गया है,वह एक मजबूत विधायिका के बिना संभव नहीं है। इसलिए सभी प्रतिनिधियों और नागरिकों को मिलकर विधायी संस्थाओं को सशक्त बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष हरियाणा विधान सभा के प्रांगण में आयोजित विधानसभा की पत्रिका 'सदन संदेश'के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा, विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक बी.बी. बत्रा, पत्रिका के सलाहकार संपादक डॉ. चंद्र त्रिखा ने पत्रिका का विमोचन किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, विपुल गोयल,डॉ.अरविंद शर्मा,श्याम सिंह राणा,रणबीर गंगवा,कुमारी आरती सिंह रावतथा विधायकभी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आज इस पत्रिका का लोकार्पण एक ऐसे विशेष स्थान पर हो रहा है जिसकी भारत ही नहीं, बल्कि पूरे

विश्व में विशिष्ट पहचान है। यह कैपिटल कॉम्प्लेक्स, जहां हरियाणा विधान सभा स्थित है, इसकी एक ओर कार्यपालिका यानी सिविल सचिवालय स्थित है और दूसरी ओर न्यायपालिका–उच्च न्यायालय–स्थापित है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि पत्रिका में बीते एक वर्ष के दौरान हरियाणा विधान सभा के सभी सत्रों की विस्तृत समीक्षा शामिल की गई है,जिससे आमजन को सदन की कार्यवाही की सटीक और विधिवत जानकारी प्राप्त होगी। यह पत्रिका न केवल सूचनाप्रद और रोचक है,बल्कि जन-जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि सदन संदेश पत्रिका हरियाणा विधान सभा की नई सोच, नई दिशा, नए संकल्प का शुभारम्भ है। यह विधायी कामकाज को नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि जनता अपने प्रतिनिधियों पर विश्वास करती है। इस विश्वास को बनाए रखना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। विधायिका वह स्थान है जहां कानून बनते हैं और नीतियां तय होती हैं। सबका दायित्व है कि जनता की भावनाओं को समझे और उन पर सार्थक चर्चा करें। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि 'सदन संदेश' पत्रिका का आज हुआ यह लोकार्पण विधान सभा अध्यक्ष की दूरदृष्टि का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस पहल से हरियाणा ही नहीं, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी यह स्पष्ट रूप से जाना जा सकेगा कि हरियाणा किस दिशा में आगे बढ़ रहा है और प्रदेश की वास्तविक सोच क्या है। सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच होने वाली सार्थक बहस, लोकतंत्र की खूबसूरती और जनप्रतिनिधियों व जनता के बीच संवाद की प्रक्रिया– इन सभी पहलुओं का सार इस पुस्तिका में समाहित है।

'संचार साथी ऐप' नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन : राव नरेंद्र सिंह

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि दूरसंचार विभाग द्वारा लांच किए गए 'संचार साथी ऐप' को साइबर फ्रॉड से बचाव के नाम पर सभी नए मोबाइल हैंडसेट्स में प्री-इंस्टॉल करने और उसे अनइंस्टॉल न किए जा सकने का आदेश जारी किया गया है।

इस निर्णय पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव ने कहा कि यह ऐप गोपनीयता का खुला उल्लंघन है तथा नागरिकों की गतिविधियों पर निगरानी रखने वाला उपकरण है। उन्होंने इसे असंवैधानिक, तानाशाही प्रवृत्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह कदम अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि प्री-लोडेड यह ऐप हर भारतीय की गतिविधियों, बातचीत और निजी निर्णयों पर नजर रखने की क्षमता रखता है। यह पेगासस से भी आगे का हमला है और नागरिकों के

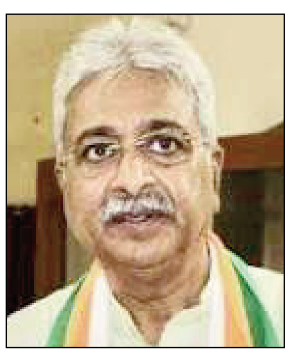

संवैधानिक अधिकारों पर लगातार हो रहे हमलों की श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा आवश्यक है, लेकिन इसे बहाना बनाकर नागरिकों के फोन में ब्लैंकेट एक्सेस लेना सीधा-सीधा निजी जीवन पर हमला है।

भारतीय भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं, सभ्यता की जीवंत धरोहरः राम सिंह

एजेंसी

सिरसा। इतिहास संकलन समिति के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं शिक्षाविद् राम सिंह यादव ने कहा कि भारतीय भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, संस्कृति और सभ्यता की जीवंत धरोहर है। भारत की विविध भाषाओं में निहित सामंजस्य हमारी सामाजिक शक्ति का अद्भुत उदाहरण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी मातृभाषाओं को आत्मविश्वास के साथ अपनाएं, उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ें और युवा पीढ़ी को भाषा-आधारित शोध एवं नवाचार की ओर प्रेरित करें। ऐसे सम्मेलन न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का माध्यम भी बनते हैं। राम सिंह यादव चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में आयोजित 'भारतीय भाषा परिवार सम्मेलन' के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर भारतीय भाषाओं की बढ़ती स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि हमारी भाषाएं भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। हमें इन्हें केवल विरासत के रूप में नहीं बल्कि विकास के साधन के रूप में भी देखना चाहिए। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि भारतीय भाषाओं के संरक्षण और

संवर्धन को अपनी शैक्षणिक प्रतिबद्धता के मूल में रखता है। देशभर से आए विद्वानों का यह संगम भाषाई अध्ययन को नई दिशा देगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि भारतीय भाषाओं की जड़ें हमारी सामाजिक संरचना में गहराई से जुड़ी हैं। हमें आवश्यकता है कि प्रशासन, शिक्षा और शोध के हर स्तर पर भारतीय भाषाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। ऐसे कार्यक्रम न केवल भाषाई चेतना बढ़ाते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी मूल भाषाई पहचान से जोड़े रखते हैं। संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में भारतीय भाषाओं की उत्पत्ति, विकास और भाषा परिवारों पर विशेषज्ञ व्याख्यान, भाषाई एकता, अनुवाद, बोली-विविधता और सांस्कृतिक सेतु पर शोधपत्र प्रस्तुतियाँ, युवा शोधार्थियों के लिए संवाद-सत्र भाषा संरक्षण और भाषाई नवाचार के नए तरीक़ों पर चर्चा उत्साह के साथ संपन्न हुए। कार्यक्रम के दौरान दो पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

पीएचडब्ल्यू का ऑनलाइन पोर्टल बहिष्कार जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी (एमपीएचडब्ल्यू) वर्ग द्वारा ऑनलाइन स्वास्थ्य पोर्टल का बहिष्कार जारी है। एसोसिएशन के आह्वान के बाद यह आंदोलन गत 25 अक्टूबर से चल रहा है, जिसके कारण प्रदेश की बड़ी स्वास्थ्य योजनाओं की डिजिटल मॉनिटरिंग लगभग ठप पड़ी हुई है। अब सिर्फ ऑफलाइन कार्य ही किए जा रहे हैं। इस डिजिटल बंदी का असर गर्भवती महिलाओं के आरसीएच नंबर आधारित अल्ट्रासाउंड, टीकाकरण का रिकॉर्ड, आशा वर्कर का भुगतान, टीबी मरीजों का निक्षय पोर्टल, निरोगी हरियाणा और आयुष्मान भारत जैसे कई कार्यक्रमों पर पड़ा है। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, उप प्रधान सुदेश रानी व वित्त सचिव धर्मवीर ने बताया कि उनकी मांगों पर सरकार द्वारा लगातार अनदेखी के कारण यह कदम मजबूरी में उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आम लोगों को हो रही असुविधा का हमें खेद है, लेकिन हमारी जायज़ मांगों के बिना ऑनलाइन काम संभव नहीं। राज्य प्रेस सचिव संदीप कुंडू के अनुसार, अनमोल, एनसीडी, डिज़ीज़ सर्विलांस, सुरक्षित नारी-सुरक्षित परिवार, एनीमिया मुक्त भारत सहित कुल 11 डिजिटल पोर्टलों पर लगभग 88 प्रतिशत तक कार्य बंद हो चुका है, जिससे डिजिटल मॉनिटरिंग लगभग निष्क्रिय हो गई है। राज्य महासचिव सहदेव आर्य ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार जारी रहेगा। उनकी ओर से पदनाम संशोधन, प्रमोशन व कन्फर्मेशन सूची जारी करना, एनएचएम महिला कर्मचारियों को एफपीएल-6 वेतनमान, ड्रेस, ट्रैवलिंग व एमसीएच भत्ता, रिटायरमेंट लाभ व ग्रेच्युटी तथा खाली पदों पर नियमित भर्ती की मांग उठाई जा रही है। आंदोलन के तहत कर्मचारी बुधवार को टीकाकरण दिवस पर काले बिल्ले लगाकर विरोध जताएंगे। इसके बाद 29 जनवरी को पंचकूला में मिशन निदेशक कार्यालय के बाहर राज्य व जिला पदाधिकारी उपवास रखकर मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

गुरुग्राम पुलिस की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए हिपा में प्रशिक्षण ले रहे अधिकारी

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) द्वारा आयोजित 8-सप्ताह के स्पेशल फाउंडेशन कोर्स के अंतर्गत 18 अधिकारी प्रशिक्षुओं (आईपीएस, आईपी एंड टीएएफएस एवं आईएफएस) का गुरुग्राम पुलिस मुख्यालय में अध्ययन भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य अधिकारियों को वास्तविक पुलिस कार्यप्रणाली, आधुनिक कानून-व्यवस्था तंत्र, साईबर सुरक्षा उपायों तथा महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न अभियानों की व्यावहारिक समझ प्रदान करना रहा। हिपा द्वारा पुलिस आयुक्त गुरुग्राम विकास कुमार अरोड़ा से विशेष अनुरोध पर आयोजित इस दौरे में प्रशिक्षुओं को गुरुग्राम पुलिस की परिचालन प्रणाली से अवगत कराने के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें गुरुग्राम पुलिस के सम्बन्धित अधिकारियों ने सम्बन्धित कार्यप्रणाली के बारे में संबोधित किया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा, संगीता कालिया, डा. अर्पित जैन सहित गुरुग्राम के कई अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों को गुरुग्राम पुलिस की कार्यप्रणाली प्रस्तुतकर्ता डीसीपी ईस्ट गुरुग्राम गौरव ने गुरुग्राम पुलिस के प्रशासनिक ढांचे, ऑपरेशनल सिस्टम, सामुदायिक पुलिसिंग एवं आधुनिक

तकनीकों के उपयोग पर प्रस्तुति दी। ट्रैफिक प्रबंधन एवं नियमन तंत्र पर डीसीपी यातायात राजेश मोहन ने शहर के ट्रैफिक नियंत्रण उपाय, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम,, दुर्घटना विश्लेषण तथा सड़क़ सुरक्षा अभियानों पर विस्तृत ब्रीफिंग दी। साइबर क्राइम एवं डिटेक्शन मॉडल प्रस्तुतकर्ता एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान ने साईबर अपराधों की बदलती प्रवृत्तियां, डिजिटल फ्रॉड, साईबर फॉरेंसिक प्रक्रिया एवं त्वरित कार्यवाही तंत्र पर प्रस्तुति दी। यह अध्ययन भ्रमण प्रशिक्षु अधिकारियों को वास्तविक फील्ड अनुभव प्रदान करने और लोक प्रशासन में आवश्यक समन्वय, प्रोफेशनलिज्म, रिस्पॉन्सिवनेस तथा नेतृत्व क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। गुरुग्राम पुलिस के अनुभवी अधिकारियों के मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को आधुनिक पुलिसिंग मॉडल की समझ मिली। यह प्रयास प्रदेश में गुड गवर्नेंस की अवधारणा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंजाब रोडवेज कर्मचारियों के समर्थन में सांझा मोर्चा ने किया रोष प्रदर्शन

एजेंसी

हिसार। पंजाब रोडवेज के कर्मचारियों पर लाठीचार्ज के विरोध में रोडवेज के सांझा मोर्चा ने स्टेट कमेटी के आह्वान पर हिसार डिपो में रोष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता अजय दुहन ने की जबकि संचालन सतीश लोरा ने किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सांझा मोर्चा नेताओं ने कहा कि पिछले तीन दिन से पंजाब रोडवेज के कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं, जिसके चलते पंजाब में पूर्ण रूप से चक्का जाम की स्थिति है। उन्होंने कहा कि पंजाब रोडवेज के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन पंजाब सरकार उनकी मांगों को पूरा करने की बजाय लाठी के सहारे उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब रोडवेज कर्मचारियों की मांगें जायज हैं। सरकार को रोडवेज कर्मचारियों का उत्पीड़न करने की बजाय उनकी मांगों का समाधान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि पंजाब रोडवेज के कर्मचारियों की मांगों में किलोमीटर स्कीम रद्द करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, पंजाब रोडवेज के बेड़े में 10 हजार सरकारी बसें शामिल करने, रोडवेज कर्मचारियों के रोके गए भुगतान करने, निजीकरण बंद करने आदि मांगें शामिल हैं। नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी चुनाव से पहले निजीकरण पर रोक लगाने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद रोडवेज के बेड़े में सरकारी बसें लाने की बजाय किलोमीटर स्कीम को जबरदस्ती थौंपने जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से पंजाब सरकार किलोमीटर स्कीम लागू करने के लिए तानाशाहीपूर्ण रवैया अपना रही है, उससे कर्मचारियों में भारी रोष है।

NAME CHANGE

I hitherto known as SONU SINGH S/o RAMSHARAN KUSHWAH, R/o Daboha, Bhind, Daboha, PO: Daboha, Dist. Bhind, Madhya Pradesh-477001, have changed my name and shall hereafter be known as SACHIN KUSHWAH, for all future purposes.

बीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में मारुति ई-विटारा ने किया धमाका..........5-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की

मुंबई।

भारत में गाड़ियों के लिए अब माइलेज के साथ सुरक्षा भी बड़ा मानदंड बन चुका है, और इसी बीच मारुति सुजुकी ने बड़ा कारनामा किया है। कंपनी की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी 2025 मारुति ई-विटारा ने भारत एनसीएपी क्रैश टेस्ट में धमाकेदार 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग पाई है। यह मारुति की चौथी कार है, जिसने बीएनसीएपी में इतनी शानदार रेटिंग हासिल की है। इसके पहले डिज़ायर, विक्टोरिस और इनविक्टो भी फुल 5-स्टार रेटिंग ले चुकी हैं।

हालांकि दिलचस्प बात यह है कि यूरो एनसीएपी टेस्ट में यही ई-विटारा 4-स्टार स्कोर पर रुकी थी, लेकिन भारत में हुए क्रैश टेस्ट में ई-विटारा ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (एओपी) में एसयूवी ने 32 में से 31.49 और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन (सीओपी) में 49 में से 43 अंक हासिल किए।

64 किमी/घंटा की स्पीड पर किए गए फ्रंटल ऑफसेट टेस्ट में ई-विटारा को 16 में से 15.49, जबकि 50 किमी/घंटा पर साइड इम्पैक्ट टेस्ट में 16/16 स्कोर किया। डायनामिक टेस्ट में बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कोर 24/24 रहा, जिससे यह साबित होता है कि एसयूवी बच्चों और बड़ों दोनों को बेहतर सुरक्षा देती है।

सुरक्षा फीचर्स के हिसाब से ई-विटारा में 7 एयरबैग, लेवल-2 एडीएएस, 360-डिग्री कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, ईएससी, आईएसओएफआईएक्स माउंट्स और पार्किंग

सेंसर जैसे फीचर्स से लैंस हैं। अगस्त 2025 से इसका प्रोडक्शन गुजरात प्लांट में शुरू हो गया है और कीमत करीब 17 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रहने की उम्मीद है। लांच पर यह महिंद्रा बीई.6, हुंडई क्रेटा ईवी, एमजी जेएस ईवी और टाटा कर्व ईवी को कड़ी चुनौती देगी।

ट्रंप के टैरिफ अटैक के कारण टूट रहा रुपया.......90 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से नीचे

नई दिल्ली।

भारतीय रुपया बुधवार को 90 रुपये प्रति डॉलर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे पहुंच गया। व्यापार और निवेश के लिए डॉलर का निकलना और कंपनियों द्वारा आगे की कमजोरी से बचाव (हेजिंग) की होड़ ने मुद्रा पर दबाव बनाया है और इस तरह आठ महीने से जारी गिरावट को बढ़ा दिया है। रुपया इस साल अब तक डॉलर के मुकाबले 5 प्रतिशत गिरकर एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं बन गया है। भारत के सबसे बड़े बाजार अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक के उच्च शुल्क (टैरिफ) के कारण निर्यात प्रभावित हुआ है, इससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयरों का आकर्षण कम हुआ है।

वैश्विक स्तर पर पोर्टफोलियो निवेश बहिर्वाह (पैसे की निकासी) से सबसे ज्यादा प्रभावित बाजारों में भारत शामिल है।

इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों में करीब 17 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। पोर्टफोलियो निवेश में कमजोरी के साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में भी मंदी आई है, जिससे दबाव और बढ़ा है।

हाई अमेरिकी टैरिफ और सोने के आयात में तेज उछाल ने अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा (मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट) रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाया है। साथ ही, घरेलू कंपनियों के विदेशी कर्ज और बैंकों में गैर-निवासी भारतीयों (एनआरआई) के जमा खातों से होने वाली डॉलर आपूर्ति भी कम हुई है।

बैंकरों और व्यापारियों का कहना है कि रुपये में गिरावट के हर चरण ने, विशेष रूप से आयातकों की तरफ से, ताजा डॉलर मांग पैदा की है, जबकि निर्यातक डॉलर बेचने से अभी भी हिचकिचा रहे हैं। सार्थक पूंजी प्रवाह के अभाव में यह असंतुलन रुपये को असुरक्षित छोड़ रहा है।

हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रुपये में गिरावट की रफ्तार धीमी करने के लिए बीच-बीच में हस्तक्षेप किया है, लेकिन बैंकरों का मानना है कि डॉलर की मांग का पैमाना और उसकी निरंतरता मुद्रा पर दबाव बनाए हुए है। आरबीआई के रुपये को सहारा देने के प्रयास विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और फॉरवर्ड बाजार में शॉर्ट डॉलर पोजीशन के 5 महीने के उच्च स्तर (63.4 अरब डॉलर) पर पहुंचने में परिलक्षित होते हैं।

अडाणी एयरपोर्ट कारोबार को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी में

कंपनी करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा निवेश करेगी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप अगले पांच साल में अपने सभी एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। कंपनी करीब 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बड़ा निवेश करेगी। इस निवेश के बाद अडाणी समूह के एयरपोर्ट हर साल 200 मिलियन यानी 20 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेंगे। यह कदम इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि भारत में हवाई यात्रा बहुत तेजी से बढ़ रही है और कंपनी अपने एयरपोर्ट कारोबार को शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी ग्रुप नवी मुंबई एयरपोर्ट में बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। यह एयरपोर्ट 25 दिसंबर को शुरू हो सकता है। यहां नए यात्री टर्मिनल बनाए जा रहे हैं, टैक्सीवे को बढ़ाया जाएगा और एक नई रनवे भी बनाई जाएगी ताकि ज्यादा उड़ानों को सुरक्षित तरीके से संचालित किया जा सके। इसके साथ ही कंपनी अहमदाबाद, जयपुर, तिरुवनंतपुरम, लखनऊ और गुवाहाटी एयरपोर्ट की क्षमता भी बढ़ाएगी। इन एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए और बेहतर सुविधाएं, ज्यादा स्पेस और सुचारू संचालन के लिए जरूरी ढांचे में सुधार किए जाएंगे। इस पूरे विस्तार प्रोजेक्ट के लिए जो 15 बिलियन डॉलर की राशि चाहिए, उसमें से करीब 70 फीसदी पैसा कर्ज के रूप में जुटाया जाएगा। कंपनी यह कर्ज अगले पांच साल के दौरान लेगी। बाकी का पैसा कंपनी अपनी ओर से लगाएगी जिसे इक्विटी कहा जाता है। इस तरह बड़े पैमाने पर स्ट्रक्चर सुधार का खर्च पूरा किया जाएगा। भारत में अगले वर्षों में हवाई यात्रा काफी तेजी से बढ़ने वाली है। उम्मीद है कि 2030 तक देश में हर साल 300 मिलियन यानी तीस करोड़ लोग उड़ान भरेंगे। अडाणी ग्रुप अपनी क्षमता को 200 मिलियन तक बढ़ाकर इस पूरे विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। इससे कंपनी की पकड़ भारतीय विमानन बाजार पर मजबूत होगी और उसकी एयरपोर्ट यूनिट का आईपीओ और भी आकर्षक बन जाएगा। इस बड़े प्लान में नवी मुंबई एयरपोर्ट की 20 मिलियन यात्रियों की क्षमता और गुवाहाटी एयरपोर्ट की 11 मिलियन क्षमता शामिल नहीं है। मतलब ये दोनों एयरपोर्ट पहले से अलग गिने गए हैं, और जो नया विस्तार हो रहा है वह इस अलग हट कर है।

आम आदमी को आरबीआई दे सकती है राहत, बैठक में रेपो रेट पर होगा फैसला

5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा फैसला सुनाएंगे

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक बुधवार से शुरू हो गई है और ये बैठक 5 दिसंबर चलेगी। छह सदस्यों वाली इस समिति की अध्यक्षता नए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा कर रहे हैं। इस बैठक में रेपो रेट, बाजार में पैसे की स्थिति आने वाले समय में महंगाई का अनुमान और देश की आर्थिक वृद्धि के लक्ष्य पर फैसला लेंगे और इसके बारे में 5 दिसंबर को आरबीआई गवर्नर फैसला सुनाएंगे। अगर इस बार रेपो रेट कम होता है तो इससे आम आदमी की जेब पर बोझ घट जाएगा। अक्टूबर वाली एमपीसी बैठक में आरबीआई की समिति ने रेपो रेट को 5.5फीसदी पर ही रखने का फैसला किया था यानी कोई बदलाव नहीं हुआ था। गवर्नर ने कहा कि महंगाई काफी कम हो गई है, इसलिए समिति को भरोसा है कि रेट अभी ऐसे ही रखना सही रहेगा। मतलब अक्टूबर में लोन की ईएमआई और कर्ज की किस्तों में फिलहाल कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। पिछली बैठक में आरबीआई ने इस वित्त वर्ष के लिए महंगाई का लक्ष्य अनुमान घटाकर सिर्फ 2.6फीसदी कर दिया था, जो पहले 3.1फीसदी था यानी महंगाई पहले के हिसाब से काफी कम रहने वाली है। अगस्त की बैठक में भी अनुमान 3.7 फीसदी से घटाकर 3.1फीसदी किया गया था। मतलब लगातार महंगाई के आंकड़े नीचे आ रहे हैं, जिससे आम आदमी को चीजों के दाम बढ़ने की कम चिंता होगी और ब्याज दरें भी जल्दी कम होने की उम्मीद है। एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर की आरबीआई मौद्रिक नीति बैठक पर सबसे बड़ा असर महंगाई के बहुत तेज़ी से नीचे आने का है। घरेलू हालात अभी भी मजबूत हैं, लेकिन अमेरिका ने भारत के सामान पर 50फीसदी तक टैरिफ लगा रखा है और ट्रेड डील पर अभी भी बात चल रही है, ये बड़ी चिंता की बात है यानी अंदर से सब ठीक दिख रहा है, लेकिन बाहर का दबाव रेपो रेट घटाने के फैसले को प्रभावित कर सकता है।

एपिस इंडिया के शेयरधारकों की बल्ले-बल्ले......... हर 1 शेयर पर 24 फ्री शेयर देगी

एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय

मुंबई ।

मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने वाली है। एफएमसीजी कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को 24ः1 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने वाली है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 24 फ्री शेयर बांटेगी। एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय की है। कंपनी अपने निवेशकों को दूसरी बार बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। एपिस इंडिया के शेयरों में पिछले कुछ साल में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर 5500 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं। मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया के शेयर 5593 प्रतिशत उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर 2022 को 20.25 रुपये पर थे।

एपिस इंडिया के शेयर 1 दिसंबर 2025 को बीएसई में 1152.75 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 4376 प्रतिशत की जोरदार तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले दो साल में एपिस इंडिया के शेयर 1303 प्रतिशत उछल गए हैं। इस साल 11 अप्रैल के बाद से कंपनी के शेयरों में 311 प्रतिशत की तेजी आई है। एपिस इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1152.75 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 280.40 रुपये है। एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को पहले भी बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है।

कंपनी ने दिसंबर 2010 में अपने निवेशकों को 323ः100 के अनुपात में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 100 शेयर पर 323 बोनस शेयर बांटे थे। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 74.72 प्रतिशत है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 25.28 पर्सेंट है। एपिस इंडिया का मार्केट कैप 635 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली । भारतीय रुपया बुधवार को 25 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 90.19 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज पहली बार 90 रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच गया। आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे नीचे आकर 90.05 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर फिसल गया। इससे वह और कमजोर हुआ है। अमेरिका के साथ व्यापार और पोर्टफोलियो में आई कमजोरी के साथ ही कारोबारी करार नहीं होने से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इससे पहले मंगलवार को रुपया इंट्रा-डे कारोबार में 89.94 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा और नियमित स्पॉट ट्रेडिंग के बाद इंटरबैंक ऑर्डर-मैचिंग प्लेटफॉर्म पर 90 प्रति डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया। भारतीय रिजर्व बैंक पांचवें कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया नीचे आया है।

17 को व्यापारिक सम्मेलन में हजारों व्यापारियों को संबोधित करेंगी सीएम ममता

-सरकार चुनाव से पहले छोटे व्यवसायों व सभी वर्गों से समर्थन हासिल करना चाहती है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी 17 दिसंबर को व्यापारिक सम्मेलन 2025 में 12,000 से ज्यादा व्यापारियों को संबोधित कर सकती हैं। उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए 18 दिसंबर को एक व्यापार बैठक निर्धारित की गई है। यह व्यवसायी सम्मेलन 2025 इसलिए अहम है क्योंकि राज्य सरकार 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले छोटे व्यवसायों समेत सभी वर्गों से समर्थन हासिल करना चाहती है। पश्चिम बंगाल व्यापार संघ परिसंघ (सीडब्ल्यूबीटीए) के अध्यक्ष ने कहा कि इस कार्यक्रम में ममता बनर्जी मुख्य अतिथि होंगी। यह सीएम को हजारों छोटे व्यापारियों से जुड़ने का मंच प्रदान करेगा जो बंगाल की आपूर्ति श्रृंखला की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी पश्चिम बंगाल में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करते हैं। हमें उम्मीद है कि सीएम ममता व्यापार को आसान बनाने और जमीनी स्तर की चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्राथमिकताएं तय करेंगी। इस कार्यक्रम में प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों और सीमावर्ती व्यापार केंद्रों समेत सभी 23 जिलों के प्रतिनिधिमंडलों के शामिल होने की उम्मीद है।

एसबीआई बैंक के शेयरों में 2025 की शुरुआत से अब तक 25 फीसदी की बढ़त

ब्रोकरेज का अनुमान एसबीआई शेयर में तेजी आगे भी जारी रह सकती है

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों ने 2025 में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक ने 2025 की शुरुआत से अब तक करीब 25 फीसदी की बढ़त दर्ज की है और इसने निफ्टी 50 इंडेक्स में शामिल प्राइवेट सेक्टर के सभी बैंकों को पीछे छोड़ दिया है। एसबीआई शेयर में तेजी पिछले कुछ सालों से जारी है। साल 2023 में इस शेयर में 5फीसदी का उछाल आया था तो 2024 इसने 23फीसदी रिटर्न दिया था। एसबीआई शेयर में तेजी आगे भी जारी रह सकती है, ऐसा ब्रोकरेज का अनुमान है। यही वजह है कि ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए, एचएसबीसी, एक्सिस सिक्योरिटीज और नोमूरा ने एसबीआई शेयर को 'बाय' रेटिंग दी है। एसबीआई शेयर में आई तेजी की वजह बैंकिंग सेक्टर में मौलिक सुधार, आर्थिक स्थिरता और बेहतर क्रेडिट साइकल है। घरेलू और वैश्विक स्तर पर संस्थागत निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी भी एसबीआई की वैल्यूएशन को सपोर्ट कर रही है। बाजार जानकारों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने, हाल में हुए जीएसटी स्लैब कटौती से उपभोक्ता खर्च में उछाल की संभावना और भारतीय रिजर्व बैंक का 2026 में जीडीपी ग्रोथ 6.8फीसदी और 2027 में 6.6 फीसदी रहने का अनुमान बैंकिंग सेक्टर के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार कर रहा है और इसका सबसे ज्यादा फायदा एसबीआई को होगा। फोर्ट कैपिटल के पराग ठक्कर का कहना है कि एसबीआई बैंक की 43 लाख करोड़ की लोन बुक भारत की कुल लोन बुक का करीब 23-24 फीसदी है, जबकि एसबीआई अभी भी 12-14फीसदी की गति से बढ़ रहा है और क्रेडिट कॉस्ट मात्र 50 बेसिस पॉइंट है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 31.46 अंक टूटकर 85,106.81 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.20 अंक फिसलकर 25,986.00 अंकों पर बंद हुआ। आज ज्यादातर कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। वहीं गत दिवस भी बाजार नीचे आया था।

बुधवार को सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। इसी तरह निफ्टी की 50 में से केवल 13 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि बची हुई सभी 37 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 1.41 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि बीईएल के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.13 फीसदी नीचे आये।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज आईसीआईसीआई बैंक , एचडीएफसी बैंक , इंफोसिस, एक्सिस बैंक , टेक महिंद्रा , पावरग्रिड , एचसीएल टेक के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि आज महिंद्रा एंड महिंद्रा , टाइटन , एनटीपीसी, एसबीआई , अडाणी पोर्ट्स 1.13 , टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स , बजाज फिनसर्व आदि के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुलने के बाद नीचे आये। सेंसेक्स हल्की तेजी के साथ ही 85,150 अंक पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में इसमें गिरावट आने लगी। सुबह ये 197.27 अंक करीब 0.23 फीसदी फिसलकर 84,941 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी सपाट रुख के साथ तकरीबन 26,004 अंक पर खुला। यह 26 हजार के स्तर से नीचे आया है। सुबह यह 57.85 अंक करीब 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ ही 25,974 पर कारोबार कर रहा था। ज्यादातर एशियाई बाजार बुधवार को हरे निशान पर थे। वॉल स्ट्रीट में टेक्नोलॉजी शेयरों में उछाल और क्रिप्टोकरेंसी में तेजी से एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई 225 0.76 फीसदी बढ़ा। हालांकि व्यापक टॉपिक्स 0.31 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया में कोस्पी 1.06 फीसदी ऊपर आया जबकि ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स में 200 0.32 फिसदी मजबूती आई।अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स एशिया के शुरुआती कारोबार में स्थिर रहे। प्रमुख अमेरिकी बेंचमार्क आज उछाल के बाद टिके रहे। डॉव 0.39 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 0.25 फीसदी की बढ़त हुई और नैस्डैक 0.59 फिसदी उछला।

दिसंबर माह में कर लें टैक्स रिटर्न से लेकर पैन तक सभी काम, नहीं तो होंगे परेशान

नई दिल्ली। दिसंबर माह में कई अहम वित्तीय और टैक्स संबंधी तारीखें करीब आ गई हैं। इन पर ध्यान न दिया जाए तो बाद में दिक्कत हो सकती है। सीबीडीटी ने टैक्स ऑडिट केस वाले करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2025 से बढ़ाकर 10 दिसंबर 2025 की थी जो अब करीब आ रही है। यह उन करदाताओं के लिए राहत है जिनकी रिटर्न में ऑडिट और वित्तीय विवरण शामिल है। अगर आपने 1 अक्टूबर 2024 या उससे पहले आधार बनवाया था, तो इसे अपने पैन कार्ड के साथ लिंक करना 31 दिसंबर 2025 तक जरूरी है। लिंक न करने पर आपका पैन कार्ड अप्रचलित हो जाएगा और बैंकिंग, निवेश और आईटीआर फाइलिंग में परेशानी आएगी। विलंबित रिटर्न अगर आपने मूल समयसीमा मिस की थी, तो 31 दिसंबर तक फाइल कर सकते हैं। लेट फीस 5,000 तक (5 लाख रुपए से कम आय वालों के लिए 1,000 रुपए) और बकाया कर पर ब्याज देना होगा। संशोधित रिटर्न पहले फाइल किए गए रिटर्न में गलती सुधारने के लिए भी 31 दिसंबर तक मौका है। इसके बाद केवल अपडेटेड रिटर्न फाइल किया जा सकता है, जिसमें 25 फीसदी से 50फीसदी तक अतिरिक्त दंड लग सकता है। इसलिए दिसंबर 2025 अंतिम और सबसे किफायती मौका है रिटर्न सुधारने या विलंबित रिटर्न फाइल करने का।

अमेरिका में की 18 ट्रिलियन डॉलर निवेश की घोषणा, महंगाई में आएगी कमी

-ट्रंप का दावा- उनके कार्यकाल में अर्थव्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार हुआ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था में अब तक का सबसे बड़ा सुधार हुआ है। अमेरिका में अभी तक करीब 18 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के निवेश की नई घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि महंगाई में कमी आ रही है और टैक्स को लेकर बड़े बदलाव हुए हैं। यह सब अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के पेशेवरों, कारोबारियों और टेक्नॉलॉजी क्षेत्र के लोगों के लिए खास महत्व रखता है। एक लम्बी कैबिनेट बैठक में ट्रंप ने पिछली सरकार की आर्थिक स्थिति की तुलना अपने कामकाज से की और कहा कि यह साल कई रिकॉर्ड तोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 10 महीने में 18 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा के निवेश कमिटमेंट हासिल हुए हैं, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। ट्रेजरी सेक्रेटरी ने कहा कि देश में कंपनियों और निवेशकों का पैसा तेजी से आ रहा है, जिससे कंपनियों का पूंजी खर्च करीब 15 फीसदी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार के बड़े टैक्स सुधार जिसे ट्रंप ने ÷वन बिग, ब्यूटिफुल बिल÷ कहा है। उसके कारण कंपनियों को 100 फीसदी खर्च घटाने की सुविधा मिली है और टिप, ओवरटाइम और सोशल सिक्योरिटी पर टैक्स हटा दिया गया है। ट्रेजरी सेक्रेटरी के मुताबिक इससे आम अमेरिकियों की जेब में ज्यादा पैसा जाएगा और महंगाई से राहत मिलेगी। भारतीय-अमरीकी कारोबारी, इंजीनियर, आईटी विशेषज्ञ, छोटे मैन्युफैक्चरर और डॉक्टर अमेरिका के उच्च-कौशल क्षेत्रों में बड़ी संख्या में हैं। वे इन टैक्स सुधारों, नियमों में ढील और बड़े निवेश पर नजर रखे हुए हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी ने उन बदलावों के बारे में बताया जो ऑटो, टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और फार्मास्यूटिकल्स सहित उन इंडस्ट्रीज़ पर सीधे असर डाल सकते हैं जिनमें इंडियन अमेरिकन की अहम हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने वैश्विक व्यापार का नक्शा बदल दिया है और सेमीकंडक्टर उद्योग में 300 बिलियन डॉलर का निवेश घोषित हो चुका है, जो अगले 60 दिनों में 750 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है।

स्विगी अगले सप्ताह तक 10,000 करोड़ जुटने की तैयारी में

मुंबई। भारतीय फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी अगले सप्ताह तक संस्थागत निवेशकों से 10,000 करोड़ (करीब 1.1 अरब डॉलर) तक जुटाने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि कंपनी फंड जुटाने की प्रक्रिया को जल्दी शुरू कर सकती है। स्विगी ने शेयर बेचने के इस कदम को संभालने के लिए तीन बड़े बैंकों को चुना है है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह निर्णय अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, इसलिए सूत्रों ने अपना नाम गोपनीय रखने को कह दिया है। स्विगी के बोर्ड ने 7 नवंबर को यह योजना मंजूर की थी कि कंपनी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए अधिकतम 10,000 करोड़ जुटाएगी। हालांकि सूत्रों का कहना है कि फंडिंग का सही समय और राशि में आगे बदलाव भी हो सकता है।

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मर्यादा'

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मर्यादाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता–विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील

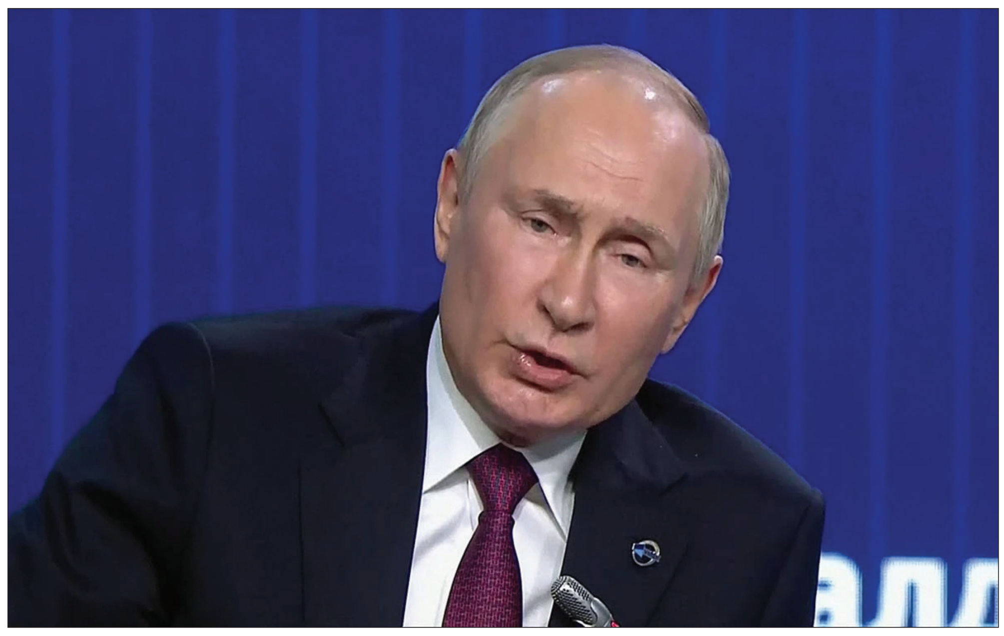

द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए भारतझ्ररूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दशार्ता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें।

बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुदृढ़ संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमार्श या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रुख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी ह्यड्रामाह्ण होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़ने की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चर्चाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि 'चुनाव सुधार' के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक धड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या यह आंकड़ा चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है?

चिंतन-मनन

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आप्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आप्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे की एक डिबिया देकर एक दूत भेजा। उस डिबिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत आया। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिबिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे।

राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु ऐसा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बूढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिबिया ली। एक आंख में सुरमा लगाया। कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विश्लेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिबिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ऐसा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ऐसे अनुभवी और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आप्रमण करना भयंकर भूल होगी।

हर लहर पर तिरंगा : नौसेना का अदम्य जोश और जज्बा

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 में शुरू हुआ था, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने हितों की रक्षा के लिए समुद्री बल का गठन किया था। समय के साथ यह बल भारतीय नौसेना के रूप में विकसित हुआ। 1950 में रॉयल इंडियन नौसेना का नाम बदलकर भारतीय नौसेना रखा गया। भारतीय नौ सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में गिनी जाती है, हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाते हुए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह दिन कैलेंडर पर सिर्फ. एक तारीख नहीं है, यह हमारे नौसैनिक योद्धाओं की अटूट भावना और बेमिसाल साहस का प्रतीक है ' भारतीय नौसेना दिवस, नौसेना की बहादुरी, और समर्पण का सम्मान करता है। यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जब 4 दिसम्बर 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसेना मुख्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था, इस अभियान का नेतृत्व कमोडोर के.पी. गोपाल राव ने किया था, जिसमें आईएनएस वीर, आईएनएस निपट और आईएनएस निर्घट जैसे मिसाइल बोट्स का उपयोग कर तीन पाकिस्तानी जहाजों को डुबो दिया गया और भारी नुकसान पहुंचाया गया था ' इस हमले में पाकिस्तान के लगभग 300 सैनिक मारे गए और 700 घायल हुए थे ' इस ऑपरेशन को ऑपरेशन ट्राइडेंट के नाम से जाना जाता है ' इस हमले में पाकिस्तान को बहुत भारी नुकसान हुआ था, कराची बंदरगाह के ईंधन भंडार को काफी नुकसान हुआ था ' कहा जाता है कि इस हमले का आदेश बंद लिफाफे में नौसेना के पास पहुंचा था ' भारत ने अपने तीन युद्धपोतों आईएनएस निपत, आईएनएस निरघट और आईएनएस वीर की सहायता से कराची बंदरगाह पर हमला किया, भारत से युद्धपोत गुजरात के ओखा पोर्ट से पाकिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना हुए थे ' भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के पीएनएस खैबर, पीएनएस शाहजहां और पीएनएस मुहाफिज की जलसमाधि बना दी थी ' चूंकि पूर्व और पश्चिम पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक समुद्र के रास्ते था, इसलिए भारत ने पाकिस्तान की समुद्री क्षमता पर प्रहार करने का फैसला किया ' पाकिस्तान के पास रात के लड़ाकू विमान नहीं थे, इसलिए सूर्यास्त के बाद ऑपरेशन को अंजाम दिया गया ' इस हमले ने पाकिस्तान के प्रमुख ईंधन भंडार और गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया ' हमलावर जहाजों के समूह को किलर स्क्वाड्रन के रूप में जाना जाता है ' युद्ध 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति के साथ समाप्त हुआ, जिसे अब बांग्लादेश के रूप में जाना जाता है ' इस ऑपरेशन की सफलता बड़ी इसलिए भी मानी जाती है क्योंकि कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया था, साल 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में पहली बार पाकिस्तानी जहाज पर एंटी-शिप मिसाइल से हमला किया गया था ' ऑपरेशन ट्राइडेंट के ठीक तीन दिन बाद ऑपरेशन पायथन किया गया ' हमले में फिर से कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया, जबकि ऑपरेशन पाकिस्तानी बेड़े के टैंकर पीएनएस ढाका को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा ' भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आवश्यकता के समय सद्भावना यात्राओं और मानवीय मिशनों को पूरा करके देश के द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने में सहायता करना है ' हर साल, नौसेना दिवस भारत के नौसैनिक बल की वीरता, उपलब्धि और भूमिका की कहानी कहते हैं '

यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की शानदार सफलता को याद करने का दिन है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्री युद्ध को फिर से परिभाषित करने वाला एक साहसी मिशन था। इस अद्वितीय बहादुरी के कार्य ने न केवल युद्ध को भारत के पक्ष में झुका दिया, बल्कि समुद्री इतिहास के पन्नों में भारतीय नौसेना का नाम भी दर्ज कर दिया। नौसेना दिवस सिर्फ. अतीत के गौरव का स्मरणोत्सव नहीं है। यह वर्तमान संकल्प और भविष्य की आकांक्षाओं के धागों से बुना गया एक जीवंत चित्रपट है। यह हमारी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, हमारे व्यापार मार्गों की सुरक्षा और हमारे द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार करने का दिन है। यह हमारे महासागरों को सुशोभित करने वाले तकनीकी चमत्कारों पर आश्चर्यचकित होने का दिन है - चुपके से चलने वाली पनडुब्बियां, भव्य विमान वाहक, फुतीर्ले विध्वंसक और गहरे सागर के मूक रक्षक - ये सभी भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति के प्रमाण हैं। नौसेना दिवस उन पुरुषों और महिलाओं के बारे में भी है जो इन मशीनों के पीछे मजबूती से खड़े हैं। यह उनके अटूट समर्पण, उनके अथक प्रयासों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनके अदम्य साहस के बारे में है। यह उन परिवारों के बारे में है जो उनके साथ खड़े हैं, ताकत और अटूट समर्थन का एक मूक स्तंभ हैं। इस दिन को मनाते हुए, आइए हम उन लड़ी गई लड़ाइयों और विजय को याद करें। आइए हम शहीद हुए वीरों का सम्मान करें और उन लोगों की अदम्य भावना को सलाम करें जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करना जारी रखते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन'

निर्मल रानी

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाईड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें 'अन्य प्रकार के मामले' बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'राजनीतिक' करार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो?

भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि 'शिक्षक राष्ट्र-निमार्ता होते हैं' कलाम साहब कहते थे कि 'शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ. पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।' कलाम साहब का मानना था कि 'अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यकीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं झ्र माँ, पिता और गुरु।' यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - 'मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था - अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। ह्व कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे।

इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव, एसआईआर या जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु ' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय। । अर्थात गुरू और गोबिंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए - गुरू को अथवा गोबिन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरू बिन ज्ञान न उपजै, गुरू बिन मिलै न मोष। गुरू बिन लखै न सत्य को गुरू बिन मिटै न दोष। । अर्थात - हे सांसरिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है।

तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों मे जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू ही हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं?

संक्षिप्त समाचार

यीशु पर बनी रूबेन्स की दुर्लभ पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

पेरिस, एजेंसी। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई पेंटिंग वर्सलीज में नीलामी के दौरान 27 लाख डॉलर में बिकी। ईसा मसीह (यीशु) को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य बताने वाली यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी। विशेषज्ञ निल्स ब्यूट्नर ने कहा, यह एकमात्र ऐसी पेंटिंग है जिसमें ईसा मसीह के पार्श्व-घाव से रक्त और पानी बहते दिखाया है। रूबेन्स ने इसे एक बार में बनाया था।

कराची : तेज रफ्तार स्पीडबोट की टक्कर में यात्री नाव डूबी, 2 मरे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के मनोरा के पास समुद्र में रविवार शाम एक निजी स्पीडबोट की टक्कर एक यात्री नाव से हो गई। इस हादसे में एक महिला और एक किशोरी की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हुए हैं। डीआईजी सैयद असद रजा ने बताया कि शाम 6:30 बजे जब यह टक्कर हुई तब नाव मनोरा बीच से जेटी नंबर 1 की ओर जा रही थी। टक्कर से नाव पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसमें चार परिवारों के कुल 22 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान नौसेना और कराची पोर्ट ट्रस्ट ने उन्हें बचाया। रजा ने कहा कि दो घायल लड़कियों की हालत नाजुक बनी हुई है।

तस्करी के शक में ईरान में दो द. कोरियाई नागरिक गिरफ्तार

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि ईरान में तस्करी के शक में दो दक्षिण कोरियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान में उनका राजनयिक मिशन ईरानी अधिकारियों के साथ संपर्क में है। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता दी जाएगी। हालांकि, मंत्रालय ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पेशा या आरोपों की सटीक प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

चीनी जल विद्युत प्रोजेक्ट में घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन के फुजियान प्रांत में बन रहा एक प्रमुख हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट योंगआन पावर स्टेशन गंभीर सुरक्षा उल्लंघन के आरोपों के कारण जांच के घेरे में है। चीन की आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 7.5 अरब युआन (1.06 अरब अमेरिकी डॉलर) की इस परियोजना में घटिया सामग्री और लापरवाही से निर्माण करने का आरोप है। जांच में पाया गया कि इसके निचले जलाशय (लोअर रिजर्वायर) में गंभीर गुणवत्ता दोष हैं। यह लोअर रिजर्वायर बिजली उत्पादन का मुख्य केंद्र है।

बलूचिस्तान : अर्धसैनिक बल मुख्यालय पर हमले में 3 मौतें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम बताते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल का दावा है कि चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर (एफसी) मुख्यालय पर आत्मघाती हमले के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया। इस पर त्वरित जवाबी कार्रवाई की गई। प्रवक्ता ने बताया कि कम से कम छह हमलावरों ने जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। इस बीच मुख्यालय में घुसने में कामयाब रहे तीन आतंकियों को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार, बीएलए चरमपंथियों ने पंजगुर के गुरमाकन क्षेत्र में एक अन्य एफसी चौकी को भी निशाना बनाया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई। माना जा रहा है इस घटना में कई हमलावर मारे गए लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जिसके कारण कई सशस्त्र हमलावर शिविर में घुस गए। कई घंटे तक झड़पें जारी रहीं।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई: रैली-जुलूस निकालने पर रोक

प्रदर्शन की धमकी के बाद फैसला, इमरान से मिलने की मांग कर रही पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है।

आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है।

दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में : आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे : पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है।

न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी : इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।

सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था : इमरान खान का समर्थन करने रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंचे खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को पुलिस ने 27 नवंबर को सड़क पर गिराकर पीटा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी गुरुवार को जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। पीटीआई ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है। अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी थी अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत 15 देशों का चीन पर मानवाधिकार हनन का आरोप रिपोर्ट पर जताई गहरी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। 15 देशों के गठबंधन ने 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के दौरान चीन पर गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन का आरोप लगाया है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे राष्ट्रों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के मानवाधिकार रिकॉर्ड पर गहरी चिंता जताई।

फयूल की एक रिपोर्ट के अनुसार इन्होंने अपने बयान में चीन सरकार पर मनमानी हिरासत, जबरन श्रम, अवैध सामूहिक निगरानी, और धार्मिक/ सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर महत्वपूर्ण अंकुश लगाने की निंदा की। उइगरों, तिब्बतियों, ईसाइयों और फालुन गोंग अभ्यासी समेत अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार दुर्व्यवहार की विश्वसनीय रिपोर्टों पर जोर दिया गया। बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने और राज्य-संचालित आवासीय स्कूलों में भेजने और सांस्कृतिक/ धार्मिक स्थलों को नष्ट करने जैसी प्रथाओं का भी उल्लेख किया गया।

हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के क्षरण पर भी चिंता : गठबंधन ने हॉन्गकॉन्ग में नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन के गंभीर रूप से क्षरण पर भी चिंता जताई। 15 देशों ने बीजिंग से तत्काल और बिना शर्त उन सभी व्यक्तियों को रिहा करने की मांग की, जिन्हें केवल उनके मानवाधिकारों का प्रयोग करने के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने चीन से अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का पूरी तरह से पालन करने का आग्रह भी किया। पहले भी चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं।

यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल हुआ कनाडा, अमेरिका से बढ़ रही दूरी

ओटावा, एजेंसी। यूरोपीय संघ रक्षा फंड में कनाडा भी शामिल हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कनाडा के इस कदम को सैन्य खर्च के लिए अमेरिका पर निर्भरता से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। यूरोपीय संघ के रक्षा फंड में शामिल होने के बाद कनाडा को 150 अरब यूरो का रक्षा कर्ज आसानी से मिल सकेगा। यूरोपीय संघ के इस रक्षा फंड को यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई (एसएएफई) के नाम से जाना जाता है। इस समूह में शामिल होने के बाद कनाडा की कंपनियों को विभिन्न रक्षा उपकरण खरीदने के लिए यूरोपीय संघ का सस्ता लोन मिल सकेगा।

क्या है एसएएफई : यूरोप के लिए सुरक्षा कार्रवाई यूरोपीय संघ का एक वित्तीय साधन है जिसका उद्देश्य सदस्य देशों को साझा रक्षा खरीद के लिए 150 अरब यूरो तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह यूरोपीय संघ के उधार के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा और इसका लक्ष्य यूरोपीय रक्षा और औद्योगिक

आधार को मजबूत करना, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देना और यूरोपीय रक्षा को मजबूत करना है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, एसएएफई में कनाडा की भागीदारी से सैन्य क्षमता की कमियों को दूर किया जाएगा, इससे कनाडाई निर्यातकों के लिए मार्केट का विस्तार होगा, और कनाडा में यूरोपियन रक्षा निवेश को बढ़ावा मिलेगा।' गौरतलब है कि कनाडा पहला गैर-यूरोपीय देश है जिसे रक्षा फंड में शामिल किया गया है। मार्क कार्नी ने कहा कि इससे कनाडा और यूरोपीय देशों के रिश्तों में भी मजबूती आएगी।

मादुरो को ट्रंप की चेतावनी, फोन कर कहा- देश छोड़ दें, अमेरिका-वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव एक बार फिर खतरे की रेखा पार करता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर बात की और उन्हें तीखा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि वह तुरंत देश नहीं छोड़ते, तो हालात और गंभीर हो जाएंगे। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ चुकी है और दोनों देशों के रिश्ते पहले से ही बेहद तनावपूर्ण हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने मादुरो से साफ कहा, 'आप खुद को और अपने करीबियों को बचा सकते हैं, लेकिन आपको अभी देश छोड़ना होगा।' अमेरिका ने मादुरो, उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस और उनके बेटे को सुरक्षित रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था। यह प्रस्ताव मादुरो के कई शीर्ष सहयोगियों तक भी बढ़ाया गया था। लेकिन मादुरो ने इसे ठुकरा दिया। वेनेजुएला की तरफ से दो मुख्य मांगें रखी गईं। पहली, मादुरो और उनके करीबी सर्कल के लिए वैश्विक माफी और दूसरी, वेनेजुएला की सेना पर पूरा नियंत्रण बनाए रखने का अधिकार। अमेरिका ने इन दोनों मांगों को मंजूर करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद बातचीत पूरी तरह टूट गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति का सीधा संकेत : ट्रंप ने रविवार को स्वीकार किया कि उन्होंने हाल ही में मादुरो से बात की है, लेकिन उन्होंने बातचीत की प्रकृति पर कोई जानकारी देने से मना कर दिया। इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने दुनिया को चेतावनी दी कि वेनेजुएला का एयरस्पेस पूरी तरह बंद माना जाए। उनकी इस घोषणा के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों ने वेनेजुएला के ऊपर से उड़ान भरना बंद कर दिया। फ्लाइटराडार24 के मुताबिक, देश के ऊपर एक भी विदेशी विमान नहीं देखा गया। कुछ एयरलाइंस ने वैकल्पिक रास्ते अपनाए, जबकि कई ने सेवाएं रोक दीं।

शर्तों की वजह से अटका समाधान : रिपोर्ट के अनुसार, कॉल 16 नवंबर को हुई थी। इसमें मादुरो ने दो बड़े आश्वासन मांगे पहला, कि उन्हें और उनकी टीम को किसी भी मौजूदा आरोपों से वैश्विक स्तर पर पूरी तरह माफी मिले। दूसरा, वेनेजुएला की सेना पर उनका नियंत्रण बना रहे, भले ही भविष्य में देश में स्वतंत्र चुनाव हों। अमेरिका ने इन दोनों शर्तों को सख्ती से खारिज कर दिया और कहा कि मादुरो को पद तुरंत छोड़ना होगा। बताया गया कि मादुरो सरकार ने अमेरिकी प्रशासन से दोबारा बातचीत की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मादुरो और उनकी शासन व्यवस्था पर अब तक का सबसे बड़ा दबाव बना रही है।

बातचीत टूटने के बाद अमेरिका ने अपने शब्दों के साथ-साथ अपनी कार्रवाई भी तेज कर दी। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सैन्य अभियान जल्द ही जमीन पर शुरू हो सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी जहाज और लड़ाकू विमान कैरेबियन में सक्रिय दिखाई दिए। अमेरिका ने दावा किया है कि वेनेजुएला की जमीन से ड्रग तस्करी बढ़ रही है, जिससे अमेरिका में 100000 लोगों की मौत हुई।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र विजय कुमार की की चाकू मारकर हत्या, परिवार ने दी श्रद्धांजलि, पुलिस की जांच तेज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में पढ़ाई कर रहे 30 वर्षीय भारतीय छात्र विजय कुमार श्योराण की हत्या से उनके परिवार और समुदाय में गहरी शोक की लहर है। वेस्ट मर्सिया पुलिस ने सोमवार को औपचारिक रूप से उनकी पहचान जारी करते हुए परिवार की भावुक श्रद्धांजलि साझा की और मामले से जुड़े किसी भी तरह की जानकारी देने की अपील दोहराई।

पुलिस के मुताबिक, पिछले मंगलवार को वॉर्सेस्टर के बारबॉर्न रोड पर विजय गंभीर हालत में मिले थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। हत्या के शक में गिरफ्तार किए गए पांच लोग फिलहाल जमानत पर हैं, जबकि जांच अभी जारी है।

परिवार ने कहा- विजय ऊर्जा, खुशी और हंसी का दूसरा नाम था

हरियाणा के चरखी दादरी जिले के जग्रामबास गांव के रहने वाले विजय को परिवार ने एक ऐसे इंसान के रूप में याद किया, जिसकी मौजूदगी से हर कमरे में रोशनी फैल जाती थी। परिवार द्वारा जारी बयान में कहा विजय हमारे जीवन में ऊर्जा, खुशी और हंसी लेकर आया। वह जहां भी जाता, माहौल को खुशनुमा बना देता। कठिन परिस्थितियों में भी उसका मनोबल अटूट रहता था। वह दिल से जीने वाला इंसान था। परिवार ने आगे कहा उसका हर छोटा कदम, उसकी हर मुस्कान, उसकी हर दया हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उसकी असमय मौत ने हमारे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ दिया है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता।

पुलिस की अपील- किसी के पास भी जानकारी हो तो सामने आए : वेस्ट मर्सिया पुलिस के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर ली होलहाउस ने कहा कि उनकी टीम घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों में हमने कई अहम सुराग जुटाए हैं। लेकिन हमें और जानकारी की जरूरत है। जो भी व्यक्ति घटना के बारे में कुछ जानता हो, वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे। होलहाउस ने यह भी बताया कि पुलिस की टीम सप्ताहांत में भी बारबॉर्न रोड पर मौजूद रही और समुदाय को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

विधायक ने केंद्र सरकार से की मदद की अपील : चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने सोशल मीडिया पर विजय की मौत पर दुख जताया और भारत सरकार से परिवार की हर संभव मदद करने की अपील की। उन्होंने लिखा हम मांग करते हैं कि मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए और जांच पारदर्शी और समयबद्ध हो ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

बांग्लादेश लौटने की तैयारी में बेटा तारिक रहमान, 15 साल से लंदन में हैं निर्वासित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष 80 वर्षीय बेगम खालिदा जिया की तबीयत गंभीर बनी हुई है। ताजा अपडेट के अनुसार उन्हें ढाका के एवरकेयर अस्पताल में वेंटिलेशन पर रखा गया है। उनकी सुरक्षा को देखते हुए अस्पताल में पुलिस और विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की तैनाती की गई है। दूसरी ओर अब खालिदा जिया की ज्यादा गंभीर होती तबीयत को देखते 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे उनके बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान अब बांग्लादेश लौटने की तैयारी में हैं। इस बात की जानकारी बीएनपी के वरिष्ठ नेता ने दी। बीएनपी के वरिष्ठ नेता सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि खालिदा जिया के बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान, जो पिछले 15 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं, जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। तारीक नए बांग्लादेशी पासपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कारण है कि रहमान अस्थायी सरकार द्वारा दिए गए एक बार यात्रा पास का इस्तेमाल नहीं करना चाहते।

चुनाव को लेकर भी पार्टी में हलचल : बता दें कि अगले साल फरवरी में होने वाले बांग्लादेशी आम चुनाव को लेकर भी देशभर में हलचल तेज है। ऐसे में बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया का स्वास्थ्य खराब होना, पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। ऐसे में बीएनपी की शीर्ष बैठक में पार्टी ने चुनावी रणनीति और वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की। बीएनपी, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद बदलते राजनीतिक परिदृश्य में फिर से मुख्य राजनीतिक ताकत के रूप में उभर रही है। बढ़ाई गई अस्पताल की सुरक्षा उधर, खालिदा जिया की बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुए अस्पताल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह 2 बजे के करीब अस्पताल के मुख्य गेट पर बैरिकेड लगाई गई और दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। मध्यरात्रि से विशेष सुरक्षा बल के चार सदस्य अस्पताल में पहुंचे और लगभग तीन घंटे तक सुरक्षा निरीक्षण किया।

सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़

सिडनी, एजेंसी। सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री 'अत्यंत भयावह' है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे।

कैसे पकड़े गए आरोपी : पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी : पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-

अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं। अधिकारियों ने कहा कि वे वैश्विक एजेंसियों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित बच्चे कौन थे, उन्हें कहां प्रताड़ित किया गया और अपराध के पीछे कौन लोग हैं।

आरोपियों के नाम और आरोप : गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय लैंडन जर्मनोटा-मिल्स को इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है। अन्य तीन आरोपी स्टुअर्ट वुड्स रिचेस (39), मार्क एंड्रयू सेनडेक्की (42) और बेनजामिन रेमंड ड्राइस्डेल (46) हैं। चारों पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने के आरोप लगे हैं। जर्मनोटा-मिल्स पर बेस्टियालिटी सामग्री फैलाने और अपने पास रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अदालत ने चारों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है और वे अब जनवरी के अंत में अगली सुनवाई के लिए पेश होंगे।

पीड़ितों की पहचान में जुटी पुलिस : पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से जारी है। अधिकारी जेन डोहर्टी का कहना है कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि यह अपराध संगठित तरीके से चलाया जा रहा था और सामग्री को एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए साझा किया जाता था, ताकि पहचान छुपी रहे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ते ही कई और खुलासे हो सकते हैं।

सर्दियों में डैंड्रफ की समस्या से हैं परेशान तो आजमाएं ये 5 हेयर पैक

सर्दियां आ गई हैं और इस समय सबसे अहम बात है अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना। कई लोग इस मौसम में बीमार पड़ जाते हैं। उसी के साथ समस्या होती है स्किन और बालों से जुड़ी। स्किन खुश्क हो जाती है और बालों में रूसी की समस्या हो जाती है। ऐसे समय में कितने भी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कर लिए जाएं कोई परमानेंट उपाए नहीं मिलता है। अब अगर आपको नैचुरल इंग्रीडियंट्स चाहिए हैं तो कुछ बनाने में आसान हेयर पैक्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। ये कैमिकल प्रोडक्ट्स नहीं होते हैं और ये हेयर पैक खास तौर पर सर्दियों के समय बालों से रूसी हटाने के काम आते हैं।

अंडे का हेयर पैक

क्या आपको कुछ आसान और असरदार तरीका चाहिए जिससे ड्राई हेयर की समस्या और डैंड्रफ की समस्या दोनों ही हट जाएं, तो अंडे और नींबू से बना एक खास हेयर मास्क आपके लिए है। इस हेयर पैक में प्रोटीन की मात्रा काफी ज्यादा होती है और साथ ही साथ नींबू PH बैलेंस सही रखता है और अंडों की मदद से बाल सॉफ्ट रहते हैं।

कैसे करना है इस्तेमाल

एक कटोरी में 1 अंडा लीजिए और उसे फेंट लीजिए। उसमें आधा नींबू निचोड़ें। इसे स्कैल्प पर मसाज करें और 30 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें। इसके बाद एंटी-डैंड्रफ शैम्पू से बाल धो लीजिए। रूसी पर असर पड़ेगा।

दही का इस्तेमाल

अगर आप डैंड्रफ के साथ हेयर फॉल की समस्या से भी पीढ़ित हैं तो आप अकेली नहीं हैं। बहुत से लोग आपके साथ हैं और इस समस्या को दूर करने के लिए आप कई तरह के उपाय कर सकती हैं उनमें से एक है नींबू और दही के इस्तेमाल वाला ये हेयर पैक। दही में कई नैचुरल तत्व होते हैं जिससे डैंड्रफ कम होता है और बालों के झड़ने की समस्या भी कम होती है।

कैसे करना है इस्तेमाल-

दो चम्मच दही में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे पूरे बालों और स्कैल्प पर लगाएं। 30 मिनट तक रहने दें और फिर माइल्ड शैम्पू से धो लें।

चाय पती का कमाल

ड्राई हेयर के साथ-साथ आपके स्कैल्प में बहुत ज्यादा रूसी हो रही है तो चाय पती से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। चाय पती और नींबू के कॉम्बिनेशन से आप अपने डैंड्रफ से छुटकारा पा सकती हैं और ये सिर्फ 1 हफ्ते में ही हो जाएगा।

कैसे करना है इस्तेमाल

दो चम्मच चाय पती को आधे कप गर्म पानी में डालें। अब थोड़ी देर में इसे छान लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस मिला लें। अब इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और इसे 20 मिनट रहने दें। इसे साधारण पानी से धो लें। आप चाहें तो बिना छाने भी इसे इस्तेमाल कर सकती हैं। थोड़ी महीन चाय लेने की कोशिश करें।

शहद की खूबियां

अगर आपको भी ऐसी समस्या है जिसमें कंधों पर काफी सारी रूसी इकट्ठा हो जाती है तो ये शहद वाला हेयर पैक काफी काम का है। इस हेयर पैक की मदद से आप डैंड्रफ से छुटकारा पा सकती हैं और साथ ही साथ ये हेयर पैक आपके बालों को स्मूथ भी बनाएगा। नींबू तो आपके बालों के लिए एंटी फंगल साबित होता ही है। तो शहद और नींबू से बनने वाले इस हेयर पैक का इस्तेमाल करें।

कैसे करना है इस्तेमाल

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको 1 चम्मच नींबू के जूस में तीन चम्मच शहद मिलाना होगा। इसी के साथ, मास्क अपने बालों के स्कैल्प पर लगाएं। इसे 20 मिनट तक रहने दें, फिर अपने बालों को उसी तरह से धोएं जैसे आप पहले करती रही हैं। इसे हफ्ते में दो बार करें और पाएं डैंड्रफ से मुक्त स्कैल्प।

सरसों के तेल का कमाल

सरसों के तेल के फायदे क्या-क्या हैं इसके बारे में तो आप जानती ही होंगी। ये कई समस्याओं के लिए रामबाण इलाज साबित होता है। बालों और स्किन की समस्याओं के लिए ये काफी अच्छा होता है। क्योंकि ये सरसों का तेल भारत में आसानी से उपलब्ध होता है इसलिए आप अपने हेयर केयर रूटीन में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैसे करना है इस्तेमाल

नींबू के रस की कुछ बूंदे सरसों के तेल में मिलाएं और इसे अपने बालों में लगाएं। इसे लगाने के 1 घंटे बाद सिर वैसे ही धो लें जैसे धोती आई हैं। इसे 1 घंटे से ज्यादा नहीं रखें सिर में, क्योंकि इससे हेयर फॉल की समस्या भी हो सकती है।

रेसिपी

गोलगप्पे

सामग्री

- इमली- 100 ग्राम
- नमक- स्वादानुसार
- काला नमक- स्वादानुसार
- जीरा पाउडर- ½ चम्मच भुना हुआ
- पंचफोरन- द चम्मच
- सूखी लाल मिर्च- 2-3
- गुड़ या चीनी- 200 ग्राम
- चिरौंजी- ½ चम्मच किशमिश- 8-10 दाने
- तेल- ½ चम्मच

विधि

इमली की खट्टी-मिठी चटनी बनाने के लिए सबसे पहले पैन में तेल गर्म करें और इसमें पंचफोरन डालें। जब पंचफोरन तेल में गर्म हो जाए तब उसमें सूखी लाल मिर्च डालें। अब इमली का गूदा पैन में डाल दें। गुड़/चीनी भी इसमें मिला दें। गुड़ या चीनी की मात्रा अपने स्वाद के हिसाब से भी आप घटा या बड़ा सकते हैं। गुड़ के छोटे- छोटे टूकड़े करके डालें वरना गलने में समय लगेगा। अब इसमें ऊपर लिखी बाकी सारी सामग्री भी डाल दें। चटनी बनाने के लिए इन सबको अच्छे से पैन में मिलाएं। लगभग 5 मिनट धीमी आंच पर चटनी को पकने के लिए छोड़ दें बीच-बीच में इसे हिलाते रहें। 5 मिनट बाद इमली की चटनी में ऊपर से चिरौंजी और किशमिश डालें। इमली की खट्टी-मीठी चटनी दही भल्लों पर डालकर खाने के लिए तैयार है। आप इसे किसी भी इंडियन स्नैक्स और परांठों के साथ भी खा सकते हैं। ध्यान रखें- इमली की खट्टी-मीठी को आप पहले से बनाकर भी रख सकते हैं इसे आप 2 महीने तक फ्रिज में एयर टाइट डिब्बे में बंद करके रखें ये खराब नहीं होगा।

सौंफ आलू

सामग्री

- आलू- 5
- दरदरा सौंफ- 2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 2 चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1 चम्मच
- दूध- 1/2 कप
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- 2 चम्मच
- बरीक कटी धनिया पत्ती- 4 चम्मच

विधि

आलू को धोकर छिलके के साथ बीच से काट लें। कुकर में तेल गर्म करें और उसमें दरदरा सौंफ डालें। उसके साथ ही कुकर में हल्दी पाउडर, नमक और लाल मिर्च पाउडर डालें। जब सौंफ का रंग सुनहरा हो जाए तो आलू के टुकड़ों को कुकर में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। चार से पांच मिनट बाद कुकर में आवश्यकतानुसार पानी डालें। कुकर का ढक्कन बंद करें और दो सीटी लगाएं। गैस ऑफ करें और कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। अब कुकर में दूध डालकर मिलाएं। आलू के टुकड़ों को हल्का-सा मैश कर दें ताकि ग्रेवी गाड़ी हो जाए। पांच से सात मिनट तक सब्जी को और पकाएं। धनिया पत्ती से सजा कर पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

काकुरो पहेली - 2666

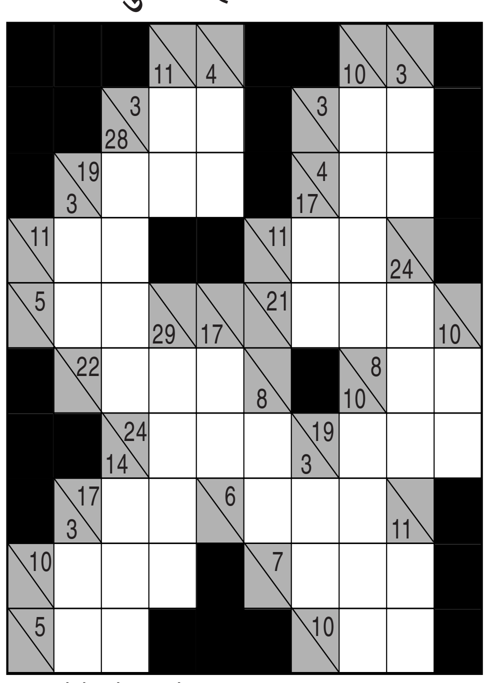

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

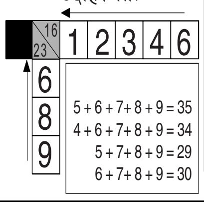

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2665 का हल

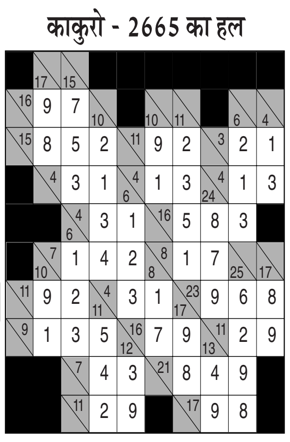

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2666

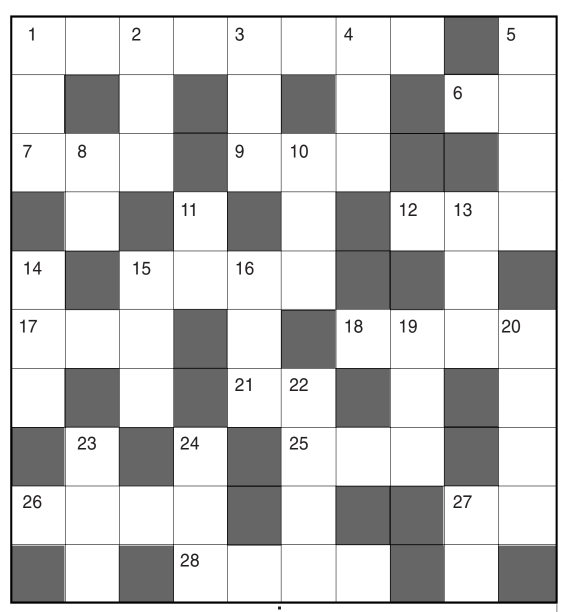

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2665

सूडोकु - 2666

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2665 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -2666

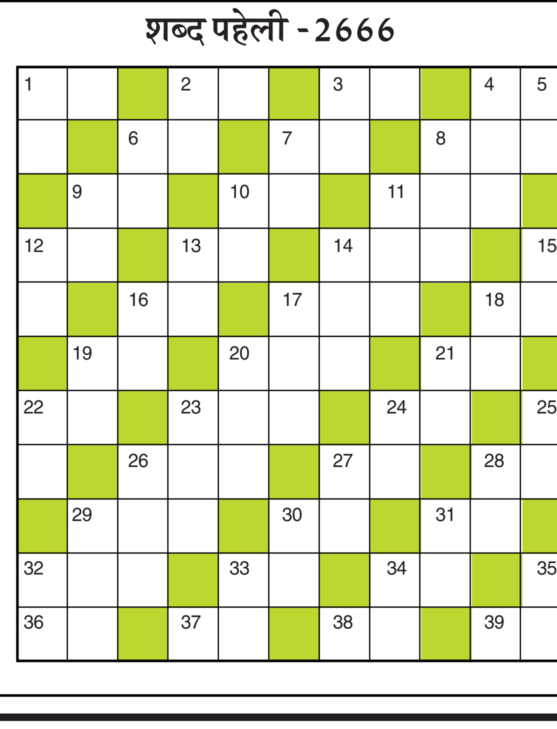

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -2665 का हल

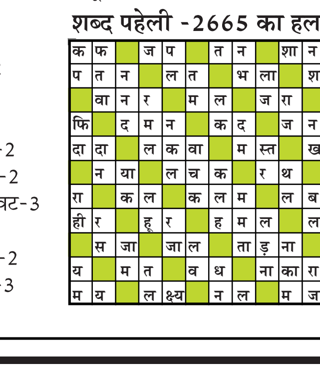

पंजाब में पूंजीगत व्यय का लगातार कम होना मान सरकार की आर्थिक विफलता : तरुण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब सरकार के लगातार घटते पूंजीगत व्यय पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भगवंत मान की अगुवाई में पंजाब एक गंभीर आर्थिक अव्यवस्था और आर्थिक आपातकाल जैसी स्थिति में पहुंच चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में पंजाब का पूंजीगत व्यय 36 प्रतिशत गिरकर केवल 1,760 करोड़ रुपये रह गया। उन्होंने कहा कि बजट प्रावधान का महज 17 प्रतिशत खर्च होना यह दिखाता है कि सरकार काम करने में पूरी तरह नाकाम है। विकास की जिम्मेदारियों को छोड़कर केवल राजनीतिक दिखावे और दिल्ली की तिहाड़ गैंग तिकड़ी की सेवा में लगी हुई है।तरुण चुग ने बयान जारी कर कहा कि आआपा सरकार के शासनकाल में कैपिटल एक्सपेंडिचर में यह निरंतर गिरावट राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अधूरी सड़कें, रुके हुए प्रोजेक्ट, घटते रोजगार और बदहाल बुनियादी ढांचा इस बात के प्रमाण हैं कि भगवंत मान सरकार गहरी नींद में है।

देश की एकता-अखंडता के खिलाफ गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस, पांच वर्षों में 23 संगठन अवैध घोषित : केंद्र

नई दिल्ली। भारत सरकार किसी भी प्रकार की गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) नीति अपनाती है। पिछले पांच वर्षों में सरकार ने 23 संगठनों को गैरकानूनी घोषित किया है। यह कार्रवाई गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के तहत की गई है। यह जानकारी गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।गृह राज्यमंत्री राय ने बताया कि राष्ट्र की संप्रभुता, एकता, अखंडता और सुरक्षा के विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त किसी भी संगठन के खिलाफ सख्त और सतत कदम उठाए जाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन पांच वर्षों के दौरान जिन 23 संगठनों को गैरकानूनी घोषित किया गया है, उनमें एसआईएमआई, यूएलएफए, एटीटीएफ, विभिन्न मणिपुरी उग्रवादी संगठन, एनएलएफटी, एनएससीएन (के), हाइन्यूत्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल, एलटीटीई, इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन, पीएफआई और इसके सहयोगी संगठनों सहित जम्मू-कश्मीर के कई चरमपंथी संगठनों के नाम शामिल हैं।

नौसेना प्रमुख ने लांच किया सबसे अहम? मार्गदर्शक दस्तावेज 'भारतीय समुद्री सिद्धांत'

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने मंगलवार को 'भारतीय समुद्री सिद्धांत' जारी किया, जिसका मकसद भारत की क्षेत्रीय भूमिका और समुद्री असर को आगे बढ़ाना है। साथ ही एक ऐसा समुद्री जागरूक देश बनाना है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समुद्री ताकत की अहमियत को पहचाने। इसका उद्देश्य सेवाओं में तालमेल और इंटीग्रेशन को मजबूत करना और सिद्धांत को रणनीतिक, ऑपरेशनल निर्देशों और नेवल क्षमता विकास में बदलने में मदद करना है। नौसेना के मुताबिक 'इंडियन मैरीटाइम डॉक्ट्रिन' भारतीय नौसेना का सबसे अहम मार्गदर्शक दस्तावेज है। इसे शुरू में 2004 में प्रकाशित किया गया था और 2009 में इसमें बदलाव किया गया था। इसके बाद 2015 में इसमें कुछ छोटे-मोटे बदलाव किए गए थे। नौसेना ने 2025 के संस्करण में भारत के समुद्री माहौल और रणनीतिक नजरिए से कई बड़े बदलाव किये हैं। इंडियन मैरीटाइम सिद्धांत 2025? नौसेना की रणनीतिक और ऑपरेशन्स की नींव रखता है और उन सिद्धांतों की एक जैसी समझ देता है, जो लड़ाई-झगड़े के दौरान काम करने में मदद करते हैं। यह नौसेना की भूमिका को साफ तौर पर बताता है और इस खास सवाल का जवाब देता है कि हम जो करते हैं, वह क्यों करते हैं।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के पीएलजीए सप्ताह पर बस्तर के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बल अलर्ट पर

जगदलपुर। नक्सलियों का पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) सप्ताह आज शुरू हो गया है, इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों ने संवेदनशील नक्सल प्रभावित इलाकों में सर्चिंग तेज कर दी गई है। साथ ही जवानों को संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा कि नक्सलियों के पीएलजीए सप्ताह के दौरान किसी भी घटना को रोकने के लिए गश्त, सर्च ऑपरेशन और एंटी-नक्सल मूवमेंट तेज कर दिए गए हैं, सुरक्षा व्यवस्था को अलर्ट पर रखा गया है। गौरतलब है कि नक्सली संगठन प्रतिवर्ष 2 से 8 दिसंबर तक अपने पीएलजीए सप्ताह मनाये जाने के दौरान नक्सल प्रभावित इलाकों में बैनर-पोस्टर लगाकर जोरदार तरीके के साथ प्रचार करते थे। इसके साथ ही बड़े-बड़े पेड़ काटकर एवं सड़कों को खोदकर मार्ग अवरूद्ध कर दिया जाता था। इस दौरान सड़कों पर वाहन चलना बंद हो जाते थे। नक्सली अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए वाहनों पर आगजनी कर भय का साम्राज्य स्थापना करने का कार्य करते थे। इसके साथ ही नक्सली बड़ी वारदात को अंजाम देते थे, लेकिन वर्तमान में बदली हुई परिस्थितयों में आज पीएलजीए सप्ताह के पहले दिन नक्सलियों की कमर पूरी तरह से टूट चुकी है।

राज्य सभा में चिपको आंदोलन की प्रेरणा गौरा देवी को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने चिपको आंदोलन की प्रेरणा गौरा देवी को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है। राज्य सभा में शून्य काल और स्पेशल मेंशन में महेन्द्र भट्ट ने केंद्र सरकार से देवभूमि की मातृशक्ति द्वारा जंगलों को बचाने की ऐतिहासिक मुहिम चलाने वाली गौरा देवी को देश के सर्वोच्च सम्मान से पुरस्कृत करने की मांग की।

सदन में उन्होंने कहा कि गौरा देवी उत्तराखंड के सीमांत जनपद चमोली की जोशीमठ विकास खण्ड के रेणी गांव की ग्रामीण महिला थीं, जिन्होंने अपने जीवन काल में पर्यावरण संरक्षण के लिए चिपको आंदोलन की शुरुआत की थी। चिपको आंदोलन हिमालय क्षेत्र में बड़े पैमाने पर और पेड़ों की कटाई के खिलाफ मातृशक्ति के द्वारा वृक्षों के आलंगन से जुड़ा आंदोलन था। आज आंदोलन के 53वर्ष पूर्ण हो गए हैं।

पर्यावरण बचाने के लिए यह चिपको आंदोलन 26 मार्च 1970 को इस सीमांत क्षेत्र में प्रारंभ हुआ जब पेड़ों को काटने वाले ठेकेदारों ने पेड़ काटने के लिए मजदूरों को भेजा तब गोरा देवी जी के नेतृत्व में महिलाएं इन पेड़ों से चिपक गईं। उन्होंने कहा कि पेड़ों को काटने से पहले उन्हें काटा जाए। इस आंदोलन की गूंज को भारत सहित संपूर्ण दुनिया ने सुना। चिपको आंदोलन ने देश में पर्यावरण संरक्षण बड़ा मुद्दा बना दिया और यह आंदोलन भारत के हिमाचल, कर्नाटक, राजस्थान तथा बिहार राज्यों तक फैल गया। महेन्द्र भट्ट ने कहा कि इस आंदोलन का ही परिणाम रहा कि तत्कालीन भारत सरकार ने 15 वर्षों तक हिमालयी राज्यों में पेड़ कटान को पूर्ण प्रतिबंधित कर दिया। चिपको आंदोलन गौरा देवी के संघर्षों की कहानी है, जंगल प्रकृति के लिए कितने मूल्यवान हैं, उस आंदोलन के गीत में निहित है।चिपका डाल्थु पर न कंटण दय्वा, पहाड़ों की सम्पत्ति अब न लूटण दय्वा। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस महान विभूति को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए ताकि पर्यावरण संरक्षण की ये मुहिम आने वाली कड़ी पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करती रहे।

पाक के झूठ पर भारत ने कहा- मानवीय सहायता ले जा रहे विमान को दी गई समय से क्लीयरेंस

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी मीडिया के इस दावे का खंडन किया है कि भारत ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका के लिए मानवीय सहायता ले जा रहे पाकिस्तानी विमान को 'एयर क्लीयरेंस' नहीं दी। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया, 'भारत इस चुनौतीपूर्ण समय में सभी उपलब्ध साधनों के माध्यम से श्रीलंका के लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।' विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि विमान को समय से क्लीयरेंस दिया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ओर से आया बयान बेहूदा है। यह भारत के खिलाफ दुष्प्रचार का एक ओर प्रयास है। पाकिस्तान की ओर से भारतीय उच्चायोग को कल दोपहर 1:00 बजे अनुरोध प्राप्त हुआ था। तात्कालिक आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार ने इसे तेजी से क्लियर करते हुए शाम को 5:30 बजे तक ओवर फ्लाइट अनुमति प्रदान कर दी थी।

जमीन के अभिलेखों के डिजीटलीकरण और बेहतर नक्शों के लिए दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में शहरी भूमि प्रशासन के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरुआत करते हुए, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधीन कार्यरत भूमि संसाधन विभाग आगामी 03 दिसंबर को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करेगा। यह संगोष्ठी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में जियोस्मार्ट इंडिया 2025 सम्मेलन और एक्सपो के एक हिस्से के रूप में आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य, देश भर की शहरी जमीन के रिकॉर्ड को आधुनिक बनाने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने के लिए नई नक़्शे बनाने वाली तकनीक का इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

इस राष्ट्रीय मंच पर प्रमुख नीति निर्माता, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञ, विभिन्न राज्यों के राजस्व, भूमि अभिलेख अधिकारी और उद्योग जगत के नेता एकजुट होंगे। सरकार चाहती है कि सभी विभाग एक साथ आएं ताकि हम एक ऐसा डिजिटल सिस्टम बना सकें, जिससे जमीन से जुड़े सारे काम ईमानदारी से हों और लोगों को कोई परेशानी न हो। संगोष्ठी में तीन प्रमुख पहलों पर गहन चर्चा की जाएगी, जो देश के डिजिटल भूमि पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य को आकार देगी। इनमें पहली चर्चाः नक्शा पायलट कार्यक्रम पर होगी, जिसका मुख्य लक्ष्य तकनीकी समस्या, डेटा को सटीक रखने जैसे विषयों की जाँच करना है। फिलहाल, यह कार्यक्रम 157 से ज़्यादा शहरों में हवाई जहाज और आधुनिक तकनीक की मदद से जमीन का नक्शा तैयार कर रहा है।

दूसरी चर्चाः

लैंडस्टैक पर होगी, जिसमें बताया जाएगा कि लैंडस्टैक को पूरे देश के लिए एक साथ काम करने वाला डिजिटल भूमि सिस्टम बनाया जा रहा है। इस दौरान, विशेषज्ञ सभी मुख्य जमीनी जानकारी, नक्शों और सरकारी रिकॉर्ड को एक ही सिस्टम में जोड़ने पर चर्चा करेंगे। इसके लिए, यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सभी राज्यों में एक जैसे राष्ट्रीय नियम और डेटा साझा के तरीके अपनाए जाएँ।

तीसरी चर्चाः यूआरप्रो कार्ड पर होगी। यह एक ऐसा प्रस्तावित डिजिटल दस्तावेज है जो जमीन की मिल्कियत का इकलौता और विश्वसनीय सबूत होगा। संगोष्ठी के दौरान, देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कौन से कानूनी बदलाव करने को लेकर चर्चा की गई है। इससे इस कार्ड को संपत्ति के रजिस्ट्रेशन, नाम बदलने, टैक्स भरने और बिल्डिंग परमिट जैसे सभी कामों में इस्तेमाल किया जा सके। इसका अंतिम लक्ष्य नागरिकों को सुरक्षित और आसानी से ट्रांसफर हो सकने वाला डिजिटल संपत्ति अधिकार देना है। इस कार्यक्रम में दिखाएगा जाएगा कि जमीन-जायदाद से जुड़े कामों को अब ऑनलाइन मैप (वेबजीआईएस) और क्लाउड टेक्नोलॉजी से कैसे किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह संगोष्ठी पुराने जमीनी सिस्टम को बदलकर साफ़-सुथरे और नागरिकों के लिए बेहतर डिजिटल सिस्टम में बदलने की ओर एक बड़ा कदम है।

फ्लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए दिशा-निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्दी के मौसम में होने वाले फ्लू को देखते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों के जिला अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों को अगले 15 दिनों के अंदर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। निर्माण भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र(एनसीडीसी)के विशेषज्ञ और आईडीएसपीटीम के साथ स्थिति की समीक्षा की। बैठक में एनसीडीसी ने जानकारी दी कि इस समय देश में और दुनिया भर में फ्लू के मामलों में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं दिखाई दे रही है। जो वायरस फैल रहे हैं, वे पहले की तरह ही सामान्य मौसमी वायरस हैं जिनमें एच3एन2, इंफ्लुएंजा बी (विक्टोरिया) और थोड़े मामले एच1एन1 शामिल हैं।

सरकार कई तरह की निगरानी प्रणालियों से फ्लू की स्थिति पर लगातार नजर रख रही है, जैसे आईएलआईऔर एसएआरआई मामलों की मॉनिटरिंग, मीडिया स्कैनिंग सेएआई आधारित निगरानी। इसके साथ आईसीएमआर की लैब आधारित जांच के नमूनों की समीक्षा में भी अभी कहीं भी फ्लू के मामलों में कोई तेज बढ़ोतरी नहीं हुई है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र के अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि इस महीने इंफ्लूएंजा के मद्देनजर एक राष्ट्रीय 'चिंतन शिविर' भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर के विभाग मिलकर फ्लू की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

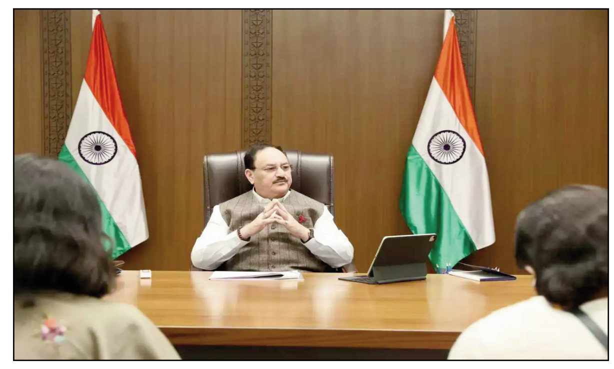

स्वास्थ्य मंत्री ने सभी राज्यों के अधिकारियों के साथ तैयारी की समीक्षा करने, केंद्र सरकार के अस्पतालों को तैयार रखने और जिला अस्पतालों व मेडिकल कॉलेजों में अगले 15 दिनों के अंदर तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पतालों में नियमित मॉक-ड्रिल कराई जाए और राज्यों को सलाह जारी की जाए।

कैंपस प्लेसमेंट सीज़न के पहले दिन आईआईटी कानपुर के 672 छात्रों को मिला जॉब ऑफर, नौ छात्रों को मिले विदेश से ऑफी

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर में 2025-26 कैंपस प्लेसमेंट सीज़न शुरू हुआ। पहले दिन ही संस्थान के 672 छात्रों को जॉब ऑफर मिले, जो अब तक के पहले दिन के सर्वाधिक आंकड़े हैं। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की डे-1 प्लेसमेंट संख्या की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि है। कुछ परिणाम अभी घोषणाओं की प्रक्रिया में हैं, जिसके चलते जॉब ऑफर्स की संख्या आगे और बढ़ने की उम्मीद है। आईआईटी निदेशक डॉ प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि 2025-26 कैंपस प्लेसमेंट सीज़न 1 दिसंबर से शुरू हुआ। प्लेसमेंट के पहले ही दिन कुल 627 विद्यार्थियों ने जॉब ऑफर प्राप्त किए, जिनमें प्री-प्लेसमेंट ऑफर भी शामिल हैं। इस वर्ष 253 पीपीओ दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है।

अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष नौ विद्यार्थियों को विदेशी ऑफर प्राप्त हुए, जो वैश्विक रोजगार परिदृश्य में आईआईटी कानपुर की बढ़ती प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रमाण है। छात्रों को कई करोड़ रुपये का सालाना पैकेज मिला है, जो संस्थान के लिए गर्व की बात है। यह आईआईटी कानपुर की विश्वसनीयता और इसके स्नातकों के प्रति मजबूत मांग को भी दर्शाती है। प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष 250 से अधिक कंपनियों ने आईआईटी कानपुर के छात्रों को नियुक्त करने में रुचि दिखाई है। प्रमुख कंपनियों में एक्सेंचर, ब्लैकरॉक, एचएसबीसी, एसएपी, एयरबस, पीडब्लूसी, एनएसीआई, क्वालकॉम, ड्यूश बैंक सहित अनेक प्रतिष्ठित नाम शामिल हैं। संस्थान के नेतृत्व ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और भर्ती सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में और कंपनियों के परिसर में पहुंचने के साथ तथा कई विद्यार्थियों के अभी प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल होना बाकी है। आगामी सप्ताह में भी छात्रों के लिए और भी रोमांचक करियर संभावनाएं लेकर आने वाला है।

तीन श्रम कानूनों के खिलाफ कांग्रेस-इंडी गठबंधन का संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन के नेताओं ने तीन नए श्रम कानूनों के खिलाफ मकर द्वार के पास विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई, प्रमोद तिवारी सहित कई दलों के वरिष्ठ नेता प्रदर्शन में शामिल हुए। नेता कतारबद्ध होकर हाथों में पोस्टर और बैनर लिए 'श्रमिकों के हक़ बचाओ', 'कॉपोरेट जंगलराज को ना कहें', 'श्रमिक न्याय हो', 'श्रमिक विरोधी कानून वापस लो' जैसे नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारियों ने श्रम कानूनों को खत्म करने की मांग करते हुए संसद परिसर में जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेस और इंडी गठबंधन नए नए श्रम कानूनों पर श्रमिकों के अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाते हैं।

बरेली में आज़म खां के रिश्तेदार के दो बारातघरों पर चला बुलडोज़र, बेअसर रहा महिलाओं का विरोध

एजेंसी

बरेली। उत्तर प्रदेश में बरेली हिंसा से जुड़े लोगों पर प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। मंगलवार सुबह सूफीटोला इलाके में भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी में बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की टीम ने समाजवादी पार्टी के नेता आज़म खां के रिश्तेदार सरफराज़ वली खां के अवैध रूप से बने दो बारातघरों पर बुल्डोजर चला दिया। इस दौरान महिलाओं ने विरोध जताकर कार्रवाई में विघ्न डालनेकीकोशिश कीं लेकिन पुलिस के सामने उनकी एक न चली।

बरेली हिंसा में तौकीर रजा और उनके कई समर्थकों के संलिप्तता सामने आने के बाद प्रशासन लगातार अवैध निर्माण को ध्वस्त करने में जुटा हुआ है। बड़ी संख्या में पुलिस जवान और बीडीए के अधिकारी जेसीबी लेकर सूफीटोला इलाके में स्थित बारातघर एवान-ए-फरहत और गुड मैरिज हॉल के सामने पहुंची। पुलिस और जेसीबी देखकर वहां रहने वाली महिलाएं चीख-पुकार करने लगीं और दया की गुहार लगाने लगीं। इसके पुलिस टीम ने हॉल खाली कराया और 10 बजे ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया। देखते ही देखते बुलडोज़र ने दोनों बारातघरों को ध्वस्त कर दिया। गुड मैरिज हॉल की पहली मंजिल पर रहने वाली

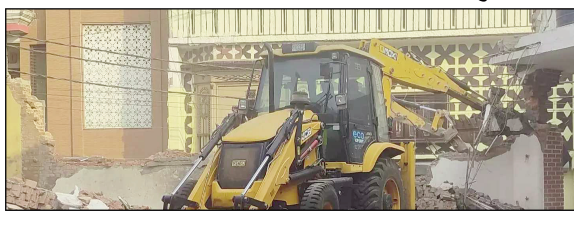

आरफ़ा खां ने बताया कि वे 20 साल से यहां रह रहे हैं और अचानक दिए गए नोटिस से उनका परिवार दहशत में है। उल्लेखनीय है कि दोनों बारातघरों को प्रशासन ने 12 अक्टूबर 2011 को ही अवैध घोषित कर ध्वस्त करने का आदेश जारी किया गया था। 26 सितंबर के बवाल में नाम सामने आने पर प्रशासन ने फाइलें दोबारा खंगालकर कार्रवाई तेज की। अधिशासी अभियंता धर्मवीर सिंह चौहान ने बताया कि इमारतें बिना मानचित्र स्वीकृति के खड़ी की गई थीं, इसलिए आदेशों के अनुरूप कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की कार्रवाई से पुराने शहर में खलबली का माहौल है। बंडिया, विधौलिया, तिलियापुर और किला क्षेत्रों में भी अवैध निर्माणों पर बीडीए की पैनी नज़र है। बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंदन ए ने कहा अवैध निर्माण के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर काम किया जा रहा है। इन दोनों बारातघरों पर 2011 में ही ध्वस्तीकरण आदेश जारी हो चुका था। सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद आज अंतिम कार्रवाई की गई है। आगे भी जहां भी अवैध निर्माण मिलेगा, सख्त कार्रवाई होगी।

दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम 4 बजे 372 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। ठंडी हवाओं की कमी, तापमान में गिरावट और हवा की धीमी रफ्तार के कारण प्रदूषक कण जमीन के पास जमा हो रहे हैं, जिससे हवा और अधिक जहरीली हो रही है। ऑर्डर की कमी : सीएमडी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 400 तक पहुंच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी है। सबसे गंभीर स्थिति चांदनी चौक में दर्ज की गई, जहां औसत एक्यूआई 450 पाया गया। बवाना भी प्रदूषण से बेहाल रहा, जहां औसत एक्यूआई 415 दर्ज किया गया। आनंद विहार में शाम 4 बजे तक औसत एक्यूआई 408 रिकार्ड किया गया। पंजाबी बाग में औसत एक्यूआई 392, आईटीओ में एक्यूआई 379, शादीपुर में एक्यूआई 374, द्वारका सेक्टर-8 में 356 और दिलशाद गार्डन में 342 दर्ज किया गया।

भारत की अलग-अलग तरह की भाषा और भाषा की परंपराएं उसकी सबसे बड़ी ताकत : धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में मंगलवार शाम उत्तर वाहिनी गंगा के किनारे नमोघाट पर उत्तर और दक्षिण के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण की भव्य शुरूआत हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ एल. मुरुगन, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश मिश्र, तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि तथा पुदुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलासनाथन ने संयुक्त रूप से 'काशी-तमिल संगमम' की शुरुआत की। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत की अलग-अलग तरह की भाषा और भाषा की परंपराएं उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। मुझे यकीन है कि भारत की दो सबसे पुरानी सभ्यताओं का अनोखा संगम काशी तमिल संगमम 4.0 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विचार को और मज़बूत करेगा। उन्होंने कहा कि काशी पवित्रता, ज्ञान तथा अध्यात्म की धरती है। भारत की इन दोनों संस्कृतियों के बीच सदियों पुराना नाता रहा है। आप तमिलनाडु के किसी भी मंदिर या स्थान पर जाइए तो आप पाएंगे कि वहां पर विभिन्न स्थानों पर काशी विश्वनाथ महादेव का श्री विग्रह विद्यमान हैं। जिस प्रकार रामेश्ववरम के प्रति दक्षिण भारत में श्रद्धा है, काशी विश्वनाथ के प्रति भी लोगों में उसी प्रकार आस्था है। यही हमारी सभ्यता व संस्कृति की पहचान है। वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने उत्तर प्रदेश तथा तमिलनाडु के बीच एक ऐसा सेतु निर्मित किया है, जो बौद्धिक आदान-प्रदान के साथ ही कई मायनों में विशिष्ट साबित हो रहा है। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में काशी तमिल संगमम भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है। यह संगमम ज्ञान और भाषा के माध्यम से 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को सुदृढ़ करने के साथ ही साधना, संस्कृति और हमारी साझी भारतीय सभ्यता को नई ऊंचाइयों पर स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने संगमम में तमिलनाडु के पहले जत्थे का स्वागत कर कहा कि काशी और तमिल के पुराने संबंध के केंद्र में भगवान शिव हैं। पिछले 4 वर्षों में 26 करोड़ से अधिक श्रद्धालु काशी में आए। इसमें सबसे अधिक श्रद्धालु दक्षिण भारत के ही रहे। काशी के केदार घाट, हनुमान घाट और हरिश्चंद्र घाट के आस-पास आज भी तमिल परंपरा की जीवंत उपस्थिति दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि काशी तमिल संगमम का आयोजन, उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और आध्यात्मिक साझेदारी को सशक्त करते हुए, भारत के उज्ज्वल भविष्य के नए द्वार खोल रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि श्री रामेश्वरम धाम, मदुरै धाम और कन्याकुमारी के दर्शन के लिए एक विशेष यात्रा का आयोजन भी उत्तर प्रदेश का टूरिज्म विभाग करेगा।

छत्तीसगढ़ के सुकमा एसपी ने इनामी नक्सली कमांडर बारसे देवा के आत्मसमर्पण का किया खंडन

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में इनामी नक्सली कैडर बारसे देवा (पीएलजीए बटालियन नं. 01 के कमांडर) के आत्मसमर्पण और पुनर्वास को लेकर आज मंगलवार को खबरें प्रसारित हो रही हैं। हिड़मा का करीबी और भरोसेमंद साथी बारसे देवा के आत्मसमर्पण करने एवं उसके जंगल से बाहर निकलने के लिए सुकमा इलाके में उसके लिए सुरक्षित कॉरिडोर तैयार किये जाने का सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज़िले में ऐसी जानकारी या परिस्थितियां 02 दिसंबर 2025 की शाम तक सामने नहीं आई हैं। पीएलजीए बटालियन नं.01 का कमांडर नक्सली कैडर बारसे देवा पर 25 लाख का इनाम घोषित है। टेकलगुडेम, बुरकापाल, मिनपा, ताड़मेटला, टहकवाड़ा में उसकी टीम ने ही बड़े हमले किए थे, जिसमें सैकड़ों जवानों का बलिदान हुआ था। दरअसल, छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा कुछ दिन पहले पूवर्ती गांव गए थे। वहां उन्होंने देवा और हिड़मा इन दोनों की मां से मुलाकात की थी। इनके माध्यम से उनसे सरेंडर करने की अपील की थी। वहीं हिड़मा नहीं माना और आंध्र प्रदेश के जंगल में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में पत्नी राजे समेत 6 साथियों के साथ मारा गया। अब देवा बारसे बाकी बचा है।

गौरतलब है कि 18 नवंबर को नक्सलियों के सेंट्रल कमेटी सदस्य माड़वी हिड़मा का आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सितारामा राजू जिले में हुए मुठभेड़ के बाद बस्तर में नक्सल संगठन पूरी तरह टूट गया है। क्योंकि हिड़मा ही एक ऐसी कड़ी था जो नक्सली संगठन और बस्तर को जोड़े रखा था। वहीं हिड़मा का करीबी और भरोसेमंद साथी बारसे देवा एक मात्र बस्तर का स्थानीय नक्सली कमांडर बाकी है, जिसकी तलाश पुलिस को है। अब देखना है कि नक्सली कमांडर बारसे देवा आत्मसमर्पण करता है या सुरक्षा बलों के साथ उसकी मुठभेड़ होती है। नक्सली कमांडर बारसे देवा के साथ ही बस्तर से नक्सली नेतृत्व का पूरी तरह से खात्मा हो जायेगा। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने आज बताया कि सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत किए जा रहे सतत प्रयास बस्तर रेंज में उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। सिर्फ पिछले दो महीनों में ही 570 से अधिक नक्सली कैडर, जिनमें केंद्रीय समिति सदस्य सतीश उर्फ रूपेश तथा दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसी) सदस्य रणिता, राजमन मांडवी, राजू सलाम, वेंकटेश और श्याम दादा शामिल हैं, हिंसा का रास्ता छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा में लौटने का निर्णय ले चुके हैं।

रायपुर में 'किंग कोहली' का जलवा, 53वें शतक से रचा इतिहास, गायकवाड़ ने भी दिखाया दम

रांची (एजेंसी)। विराट कोहली ने बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे वनडे के दौरान अपना 53वां वनडे शतक लगाया। यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में लगातार दूसरा शतक भी था। पहले वनडे में, कोहली ने रांची में भारत की 17 रनों की जीत में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से 135 रन बनाए थे।

37 वर्षीय दिग्गज बल्लेबाज ने 90 गेंदों में अपना 53वां वनडे शतक पूरा किया। कुल मिलाकर, यह भारतीय महान का 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। वह सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में महान सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक हैं। उन्होंने रुतुराज गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रनों की शानदार साझेदारी की। रुतुराज गायकवाड़ ने भी अपना पहला वनडे शतक जड़ा। रायपुर में इस स्टार बल्लेबाज़ ने 77 गेंदों में शतक पूरा किया।

उन्होंने 83 गेंदों पर 105 रन बनाकर अपना पहला वनडे शतक जड़ा। कोहली की तरह, गायकवाड़ ने भी स्ट्राइक रेट से समझौता नहीं किया और बीच में कुछ बेहतरीन शॉट खेले। मैच के 36वें ओवर में मार्को जेनसन ने उन्हें आउट कर दिया। गौरतलब है कि दोनों ने 195 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत दूसरे वनडे में बढ़त बना पाया। वे बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे और इसी के लिए केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया है।

कोहली ने 93 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। इससे पहले, यशस्वी जायसवाल (22) और रोहित शर्मा (14) सस्ते में आउट हो गए। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बावुमा और महाराज को पहले मैच में आराम दिया गया था, लेकिन इस मैच में दोनों की वापसी हुई है।

हार्दिक टी20 में 300 छक्के लगाने वाले धोनी के बाद दूसरे खिलाड़ी बने

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी ऑलराउंडर पांड्या ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया। हार्दिक ने पंजाब के खिलाफ एलीट ग्रुप सी मैच में अपनी 42 रनों की पारी में चार छक्के लगाने के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपनी 300 छक्के पूरे कर लिए। इसी के साथ ही हार्दिक भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरी खिलाड़ी बन गये हैं। यह उपलब्धि हार्दिक की पावर-हिटिंग क्षमता और लगातार सुधारते प्रदर्शन को दर्शाती है।

हार्दिक बड़ौदा की ओ से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में पहला छक्का लगाते ही उनके 300 छक्के पूरे हो गये। हार्दिक का यह प्रदर्शन दिखाता है कि अब वह फिट हो गये हैं। हार्दिक अब भारत के दूसरे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टी20 क्रिकेट में बिना एक भी शतक लगाए 300 या उससे अधिक छक्के लगाए हैं। उनका टी20 करियर का सर्वोच्च स्कोर 91 रन है, और अब तक वे 268 पारियों और 309 मैचों में कुल 303 छक्के उनके नाम हैं। यह उपलब्धि बताती है कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर नहीं, बल्कि एक दमदार फिनिशर और पावर-हिटर भी हैं। वही धोनी ने 355 टी20 पारियों में बिना शतक लगाए 350 छक्के लगाए थे।

आईपीएल 2026 नीलामी : इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर होगी पैसों की बारिश, बन सकते हैं सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 के मिनी ऑक्शन से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन सबसे चर्चित नामों में शामिल हो गए हैं। माना जा रहा है कि इस बार वह ऑक्शन के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक बन सकते हैं। टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी भविष्यवाणी की है कि ग्रीन इस सीजन में बड़ी बोली हासिल कर सकते हैं।

अश्विन ने बताया ग्रीन को 'जैकपॉट खिलाड़ी'

अश्विन के अनुसार, इस साल आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे विस्फोटक विदेशी ऑलराउंडर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजियां तेज गेंदबाजी करने वाले और मिडिल ऑर्डर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी की तलाश में सीधे कैमरन ग्रीन पर नजरें टिकाएंगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'कैमरन ग्रीन को कह दो कि सिडनी हार्बर के पास 4-5 एकड़ जमीन बुक कर लें। इस बार ऑक्शन में न रस्सेल हैं, न मैक्सवेल। ऐसे में ग्रीन और लियाम लिविंगस्टोन दोनों के लिए बड़ा जैकपॉट तैयार है।'

क्यों है ग्रीन की वैल्यू इतनी ज्यादा?

कैमरन ग्रीन इस समय दुनिया के सबसे 'कम्प्लीट' टी20 खिलाड़ियों में गिने जाते हैं- धाकड़ मिडिल-ऑर्डर हिटर, 140+ किमी/घं. की रफ्तार से गेंदबाजी, शानदार फील्डिंग, युवा और लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट। 2025 में उनके लगातार उत्कृष्ट टी20 प्रदर्शन ने उनके मूल्य को और बढ़ा दिया है। ग्रीन ने 40+ की औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो टी20 में बेहद दुर्लभ है।

आईपीएल में अब तक का प्रदर्शन

सिर्फ दो सीजन में ही कैमरन ग्रीन ने अपना दम दिखा दिया है: 29 मैच, 707 रन, 1 शतक, 16 विकेट। ग्रीन ने प्रेशर सिचुएशन में भी मैच जिताने वाली पारियां खेली हैं और जरूरत के हिसाब से आक्रामक या एंकर दोनों भूमिकाएं निभाई हैं। यही वजह है कि कई टीमें उन्हें अपने 'ड्रीम साइनिंग' के रूप में देख रही हैं।

हार्दिक पांड्या की वापसी, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी: दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे।

हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज़ में भाग लेने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंजूरी लेनी होगी। भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज़ का पहला टी20आई 9 दिसंबर को कटक में प्रोटियाज के खिलाफ खेलेगी। मुलनपुर 11 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20आई की मेजबानी करेगा। तीसरा टी20आई 14 दिसंबर को धर्मशाला में और चौथा 17 दिसंबर को लखनऊ में खेला जाएगा। अहमदाबाद 19 दिसंबर को सीरीज़ के पांचवें और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ में टीम इंडिया का 2-0 से सफाया कर दिया था। भारत तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में 1-0 से आगे चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम:

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान)*, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

भारतीय टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया

रायपुर । भारतीय क्रिकेट टीम ने 20 वीं बार टॉस हारने का रिकार्ड बनाया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारतीय टीम के टॉस हारते ही ये नया रिकार्ड बना। भारतीय टीम के टॉस हारने का यह सिलसिला 2023 वर्ल्ड कप फाइनल से शुरू हुआ था और दो साल बाद भी नहीं टूटा है जबकि इस बीच कप्तान भी बदल गये हैं। कप्तान चाहे रोहित शर्मा हों, शुभमन गिल हों या केएल राहुल, टॉस लगातार हारते गये है। हैरानी की बात है कि टॉस 20 बार लगातार हारने की संभावना सिर्फ 0.00000095, यानी 10 लाख में एक मानी जा रही है। टॉस हारने के बाद मैच में कप्तानी कर रहे के एल राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो सबसे ज्यादा दबाव टॉस का ही है। हम काफी समय से टॉस नहीं जीते। मैं अभ्यास रहा हूं, लेकिन साफ है कि यह काम नहीं कर रही।

केकेआर को खलेगी रसेल की कमी, बेहद प्रभावशाली रहे हैं आंकड़े

जैमैका । वेस्टइंडीज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते नजर नहीं आयेंगे। रसेल आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते थे और उनके आंकड़े काफी प्रभावी रहे हैं। ऐसे में उनके नहीं होने की कमी टीम को खलेगी। इसी कारण टीम के मालिक शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर लंबा और भावुक संदेश लिखकर उनकी सेवाओं को सलाम किया है। रसेल ने आईपीएल के 140 मुकाबलों की 115 पारियों में कुल 2651 रन बनाये हैं। इनका स्ट्राइक रेट 174.17 रहा है। उन्होंने 186 चौके, 223 छक्के लगाये हैं और गेंदबाजी के दौरान 123 विकेट लिए हैं। रसेल साल 2014 से ही केकेआर में शामिल रहे औार अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी व कसी हुई गेंदबाज़ी से मैच विजेता साबित हुए। 174.17 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट की बदलौत वह टी 20 के सबसे खतरनाक फिनिशर बने। उन्होंने अपने करियर में 12 अर्धशतक, 186 चौके और 223 छक्के लगाये। केवल बल्लेबाज़ी ही नहीं, गेंदबाज़ी में भी रसेल ने अपनी ताकत दिखायी। उन्होंने आईपीएल में कुल 123 विकेट हासिल किए और कई अवसरों पर टीम को परेशानी से निकाला। उनके इसी ऑलराउंड प्रदर्शन के कारण ही केकेआर की टीम में वह गेम-चेंजर के तौर पर भी जाने जाते हैं। रसेल अब केकेआर में पावर कोच के तौर पर दिखेंगे। इसी को देखते हुए शाहरुख ने कहा कि तुम हमेशा हमारे योद्धा रहोगे। अब पावर कोच के रूप में टीम के खिलाड़ियों को अपनी ताकत, अनुभव और सफलता के राज़ सिखाओ।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दिन-रात का दूसरा एशेज टेस्ट आज से

गाबा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां के गाबा मैदान में गुलाबी गेंद से शुरु होने वाले एशेज के दिन-रात के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में इंग्लैंड का लक्ष्य जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंग्लिस को शामिल कर सकती है। इंग्लिस अच्छे बल्लेबाज हैं औरा टीम के मध्य क्रम को मजबूती देंगे। वहीं ट्रैविस हेड और नये बल्लेबाज जेक वेदराल्ड पारी शुरु करेंगे। इस मैच में भी टीम की कप्तानी स्टीव स्मिथ के पास ही रहेगी। स्मिथ ने माना है कि ख्वाजा का नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है पर उनका मानना है कि ख्वाजा जल्द वापसी के लिए मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने यह भी जोड़ा कि गाबा टेस्ट के बाद ख्वाजा के भविष्य को लेकर चयनकर्ता फैसला लेंगे। हालांकि स्मिथ ने विश्वास जताया कि ख्वाजा अभी भी टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम नई रणनीति और नए खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेगी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड की राह भी आसान नहीं है। तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है, जिससे इंग्लैंड पिंक बॉल की परिस्थितियों में गेंदबाजी में विविधता लाने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड का लक्ष्य सीरीज को बराबरी पर लाना होगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया अपनी बढ़त को बनाये चाहेगी। गाबा की उछालभरी पिच पर इस मैच में एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलिया टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

इंग्लैंड टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

जूनियर विश्व कप हॉकी 2025 के क्वार्टर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम, शुक्रवार को बेल्जियम से खेलेगी

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां भारतीय हॉकी टीम का सामना बेल्जियम से होगा इससे पहले भारतीय टीम ने राउंड रॉबिन लीग स्तर में स्विट्जरलैंड पर 5-0 से जीत दर्ज करने के साथ ही अपने अब तक के सभी मुकाबले जीत लिए। अब भारतीय टीम का सामना 5 दिसंबर को बेल्जियम से होगा। वहीं इससे पहले हुए मुकाबलों में भारतीय टीम ने चिली को 7-0 से जबकि ओमान को 17-0 से हराया। स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरुआत में ही गोल दाग दिया। मनमीत सिंह ने दूसरे ही मिनट में एक गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार मैदानी गोल कर इस बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने 13वें मिनट में एक गोल कर टीम को 3-0 की बढ़त दिला दी। वहीं 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। स्विट्जरलैंड की टीम ने भी हमले किये जिसे भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने विफल कर दिया। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी अपनी लय बरकरार रखी। शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ भारतीय टीम ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली। वहीं एक अन्य मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने कोरिया को 3-1 से हराया, जबकि इंग्लैंड ने मलेशिया को भी इसी अंतर से पराजित किया।

बेहतर ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं यानसन

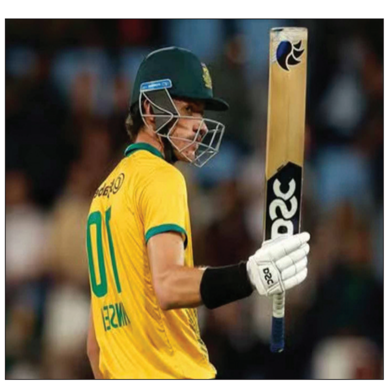

रांची । ऑलराउंड मार्को यानसन अपने प्रदर्शन से अब दक्षिण अफ्रीका के एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। कुछ समय पहले वह एक गेंदबाज के तौर पर टीम में आये थे पर अब वह टीम के लिए जरुरत के अनुसार रन भी बना रहे हैं। यानसन अपनी तेज उछाल वाली गेंदों से विरोधी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर देते हैं। फुल लेंथ गेंद और बेहतर नियंत्रण से उनकी गेंदों की धार और बढ़ती है। यानसन अब केवल निचले क्रम के बल्लेबाज नहीं रहे। अब वह बेहतर बल्लेबाजी करके टीम को कठिन हालात से बाहर निकालने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यानसन ने कहा, 'जब शीर्ष पांच बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में हों तब मैदान पर उतरना अच्छा लगता है। मेरी नजर केवल गेंद पर होती है और मैं उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। अभी मेरी यह रणनीति कारगर साबित हो रही है। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। उसमें उन्होंनेनौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 91 गेंदों में 93 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को संकट से बाहर निकाला था। यानसन ने इस तरह की आक्रामक पारी पहले भी खेली हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में 59 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को संभाला था। ऐसे समय में जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में छोटी-छोटी पारियों का महत्व बढ़ता जा रहा है तब उन्होंने दिखाया कि वह दक्षिण अफ्रीका के लिए कितने उपयोगी हैं।

गुलाबी गेंद वाले प्रारुप के नाकाम होने के कारण सामने आये, ऑस्ट्रेलिया तक ही सीमित रह गये हैं ये मुकाबले

ब्रिस्बेन । यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को गुलाबी गेंद से दिन रात का टेस्ट मैच शुरु होगा। ये गुलाबी गेंद से 24 वां मैच होगा। गुलाबी गेंद से मैच की शुरुआत साल 2015 से हुई थी और तब लग रहा था कि खेल में एक नयापन आयेगा पर ऐसा नहीं हो पाया। एक दशक के बाद भी अब तक काफी कम मैच हुए है। जो हुए हैं उनमें से अधिकतर ऑस्ट्रेलिया में हुए हैं। अन्य देशों में से सफल नहीं रहे हैं। इसके पीछे कई कारण रहे हैं। इसी को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में इवेंट्स और ऑपरेशंस के

एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर जोएल मॉरिसन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में दिन-रात का प्रारुप इसलिए सफल रहा क्योंकि गर्मियों में मौसम बहुत अच्छा होता है। वहीं विश्व स्तर के स्टेडियम और सुविधाएं यहां हैं। फ्लड लाइटिंग भी बहुत अच्छी होती है। इसके अलावा इस प्रारुप की सफलता के लिए कई अन्य उपाय भी किये गये हैं जिससे गुलाबी गेंद के मुकाबले हालात के अनुरुप हों। पिछले कुछ सालों में यह बात सामने आयी है कि दिन-रात मैच के लिए आदर्श स्थल तैयार करना आसान नहीं होता है। इसके लिए आपको कुछ खास तरह के बदलावों की जरुरत होती है। इनमें ओस का कम असर, ऐसी पिच जो गुलाबी गेंद को लंबे समय तक सहायता करें बनानी होती है। ओस को देखते हुए पिच कुछ सख्त बनायी जाती है पर ऐसी भी नहीं कि हालात खेलने लायक न रहें। वहीं इंग्लैंड में मौसम की समस्या है, जबकि भारत में ओस से परेशानी है। दक्षिण अफ्रीका में एक गुलाबी गेंद से मैच खेला गया था पर वहां लाइट्स की समस्या होती है। श्रीलंका में फ्लडलाइट्स नहीं हैं जबकि पाकिस्तान में अभी तक इसका आयोजन नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज भी सही स्थल नहीं साबित हुए हैं। हालांकि इस प्रारुप की शुरुआत धमाकेदार रही थी। एक दशक पहले 27 नवंबर 2015 को मार्टिन गप्टिल ने एडिलेड में मिचेल स्टार्क की पहली गेंद का सामना किया था। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया, ये मैच काफी मनोरंजक तो था पर इसमें कुछ विवाद भी हुए, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट से जीता। बहुत सारे दर्शक मैच देखने के लिए आए। टीवी रेटिंग्स भी दमदार थी पर इसके बाद भी ये प्रारुप अधिक विकास नहीं कर पाया और ऑस्ट्रेलिया का ही होकर रह गया है।

विराट कोहली घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार वापसी के लिए तैयार, ऋषभ पंत भी दिल्ली के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली दोनों ने आगामी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में खेलने की पुष्टि कर दी है। यह फैसला न केवल घरेलू क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि दिल्ली की टीम को भी बड़ा फायदा देगा। पंत लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करेंगे, जबकि कोहली 14 साल बाद फिर से दिल्ली की ओर से लिस्ट-ए मुकाबले खेलते नजर आएंगे। दोनों के खेलने से दिल्ली का बल्लेबाजी क्रम पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा।

ऋषभ पंत की धमाकेदार वापसी तय

सूत्रों के अनुसार, ऋषभ पंत ने DDCA को अपनी उपलब्धता की औपचारिक पुष्टि कर दी है। 2018 के बाद पहली बार पंत विजय हजारे ट्रॉफी में दिखाई देंगे। पंत ने 2015 से अब तक दिल्ली के लिए 19 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 531 रन बनाए। उनकी पारी में एक शतक, दो अर्धशतक और 109.48 का बेहतरीन स्ट्राइक रेट शामिल है। पंत की वापसी खास इसलिए भी है क्योंकि उनकी आक्रामक बैटिंग शैली दिल्ली के लिए मैच-विनिंग साबित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने 31 ODI मुकाबलों में 871 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार सेंचुरी और पांच फिफ्टी शामिल हैं। उनकी फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए दिल्ली के लिए यह एक बड़ा प्लस पॉइंट है।

विराट कोहली भी विजय हजारे ट्रॉफी में उतरने को तैयार

35 वर्षीय भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने भी DDCA को टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता का भरोसा दिला दिया है। कोहली अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और ODI फार्मेट में विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। 2010 के बाद यह पहला मौका होगा जब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की जर्सी पहनकर उतरेंगे। 2010 में खेले गए पांच मैचों में कोहली ने 45.80 की औसत से 229 रन बनाए थे और दो अर्धशतक भी लगाए थे। उनकी मौजूदा फॉर्म शानदार है और वह घरेलू गेंदबाजों पर हावी होते नजर आ सकते हैं। कोहली कर्नाटक के मैदानों पर दिल्ली के मुकाबलों में हिस्सा लेंगे, क्योंकि इस बार दिल्ली के कोटे में कोई होम ग्रुप मैच नहीं है।

दिल्ली के अभियान को मिलेगा बड़ा फायदा

पंत और कोहली के आने से दिल्ली का लाइन-अप बेहद प्रभावशाली हो जाएगा। दोनों खिलाड़ी बड़े मैचों में टीम का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं। उनकी मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक होगी और टीम संयोजन को भी संतुलित बनाएगी। विजय हजारे ट्रॉफी के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले 8 जनवरी तक खत्म हो जाएंगे, जिससे पंत और कोहली दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय शेड्यूल से पहले पर्याप्त गेम टाइम मिलेगा। 11 जनवरी से भारत-न्यूज़ीलैंड की ODI सीरीज शुरू होगी, जहां कोहली को फिर एक्शन में देखा जा सकता है।

पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने काम कर रहे हैं: अनुपम खेर

अपने इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने एक दिलचस्प वीडियो शेयर किया। वीडियो में अनुपम खेर फ्लाइट में बैठे नजर आ रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व से होती है। वीडियो में दोनों को गर्मजोशी के साथ एक-दूसरे का अभिवादन करते और बातचीत करते देखा जा सकता है।
वीडियो में अनुपम खेर बताते हैं कि यात्रा के दौरान मिलने वाली अनोखी मुलाकातें सबसे खास अनुभव होती हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, 'फ्लाइट में सफर करने में अक्सर बड़ी-बड़ी हस्तियों से मुलाकात हो जाती है कभी शायर, लेखक, बिजनेसमैन और गायक। आज हमारे साथ मशहूर गजल गायक पृथ्वी गंधर्व जी बैठे हैं।' इस पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, 'खास मुलाकात : फ्लाइट में यात्रा करने का सबसे अच्छा यह होता है कि आपको अलग-अलग तरह के लोग मिलने का मौका मिलता है बिजनेस वाले, खाने-पीने के शौकीन, स्टाइलिश लोग, लेखक और बातूनी लोग।' अनुपम खेर ने पृथ्वी गंधर्व की तारीफ करते हुए कहा कि जहां आजकल अधिकतर गायक आधुनिक और प्रयोगात्मक संगीत की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पृथ्वी गजल जैसी क्लासिकल शैली को आगे बढ़ाने का शानदार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पृथ्वी से मिलकर खुशी हुई। मुझे गजलें हमेशा से पसंद हैं और पृथ्वी जी को गजलें गाते सुनना अद्भुत अनुभव रहा।' वीडियो के अंत में पृथ्वी गंधर्व, अनुपम के अनुरोध पर उनके पसंदीदा गजल गायक गुलाम अली साहब की मशहूर गजल गुनगुनाते हैं, जिससे पूरा वातावरण भावनात्मक और खुशनुमा हो जाता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुपम ने लिखा, 'पृथ्वी ने मेरे पसंदीदा गुलाम अली साहब की एक खूबसूरत गजल भी गाई, जिसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और प्रशंसक कमेंट्स में दोनों की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अनुपम खेर का यह विनम्र स्वभाव और कला के प्रति सम्मान उन्हें अलग पहचान देता है। गौरतलब है कि पृथ्वी गंधर्व मनोरंजन जगत के एक प्रतिष्ठित नाम हैं और उन्होंने फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' में गायन से बॉलीवुड में प्रवेश किया था।

जल्द देओल फैमिली से जुड़ेगी अनिशा पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और एक्टर सनी देओल का फिल्म इंडस्ट्री के कारण कनेक्शन तो है, लेकिन जल्द ही यह पहचान रिश्तेदारी में बदलने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका की बहन अनिशा पादुकोण जल्द ही रोहन आचार्य से शादी करने वाली हैं। दरअसल, रोहन आचार्य मशहूर फिल्ममेकर बिमल रॉय के परपोते हैं। उनकी मां चिमू आचार्य की बेटी दृशा आचार्य, सनी देओल के बड़े बेटे करण देओल की पत्नी हैं। ऐसे में अगर अनिशा पादुकोण रोहन आचार्य से शादी करती हैं, तो दीपिका और सनी देओल का रिश्ता ससुराल के जरिए बन जाएगा। इस शादी के जरिए बॉलीवुड की दो प्रमुख फैमिलीज़ का कनेक्शन बनना तय है, हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह हाल ही में दृशा आचार्य के दादा और बॉलीवुड लीजेंड धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में भी पहुंचे थे। अनिशा पादुकोण पेशे से प्रोफेशनल गोल्फर हैं और बैंगलुरू में अपने माता-पिता बैडमिंटन लीजेंड प्रकाश पादुकोण और उज्जला पादुकोण के साथ रहती हैं। इस शादी से बॉलीवुड और स्पोर्ट्स जगत में भी खास कनेक्शन देखने को मिलेगा।

अभी मैं सिंगल हूं, कॅरियर पर फोकस कर रही हूं: नोरा फतेही

अपने रिश्तों को लेकर उड रही अफवाहों पर बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने साफ कहा है कि वह पूरी तरह सिंगल हैं और अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। हालांकि, अतीत में उनका नाम कई सितारों के साथ जुड़ चुका है, जिनमें अभिनेता अंगद बेदी भी शामिल हैं। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन समय के साथ उनका रिश्ता टूट गया। अंगद बेदी और नोरा फतेही कुछ साल पहले एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों को कई इवेंट्स, पार्टियों और निजी मौकों पर साथ देखा गया था। उस समय अंगद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे थे, जबकि नोरा भी अपने करियर के बड़े मौके का इंतजार कर रही थीं। मीडिया में उनके रिश्ते की चर्चा खूब हुई, लेकिन दोनों ने इसे सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने से बचते रहे। साल 2018 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया और इसी साल अंगद बेदी ने अचानक अभिनेत्री नेहा धूपिया से शादी कर ली। उसी वर्ष दोनों बेटी मेहर के माता-पिता बने। वहीं, ब्रेकअप के बाद नोरा ने खुद को पूरी तरह काम में झोंक दिया और कुछ ही समय में बॉलीवुड की टॉप डांस परफॉर्मर्स में शामिल हो गईं। अंगद बेदी ने 2020 में दिए एक इंटरव्यू में नोरा के बारे में बात करते हुए कहा था कि वह एक प्यारी लड़की हैं और अपने करियर में शानदार काम कर रही हैं। उन्होंने नोरा की सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, नोरा ने भी एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके एक्स-बॉयफ्रेंड ने उन्हें धोखा दिया था, हालांकि उन्होंने नाम बताने से इनकार कर दिया। नोरा के मुताबिक, धोखे की जानकारी होने के बावजूद उसे साबित करना मुश्किल था और उन्होंने उस दर्द को अपनी मेहनत में बदल दिया। नोरा का नाम पहले कोरियोग्राफर टेरेंस लुइस, सिंगर गुरु रंधावा और बिग बॉस फेम प्रिंस नरूला के साथ भी जोड़ा गया। हालांकि, इन मामलों में कभी सार्वजनिक पुष्टि नहीं हुई। नोरा ने हमेशा कहा है कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं। फिलहाल नोरा नए प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं और उनका पूरा ध्यान करियर पर है।

मैंने कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए: आमिर खान

हाल ही में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में एक खास सेशन के दौरान बालीवुड स्टार आमिर खान ने अपने सफर और स्टारडम को लेकर बेहद दिलचस्प बातें साझा कीं। आमिर ने कहा कि उन्हें आज तक समझ नहीं आता कि वह स्टार कैसे बन गए, क्योंकि करियर में उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो परंपरागत फिल्मी नियमों के बिल्कुल खिलाफ थे। सेशन के दौरान आमिर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं स्टार कैसे बन गया। लॉजिक के हिसाब से देखा जाए, तो मुझे स्टार नहीं बनना चाहिए था। मैंने शुरुआत से ही हर नियम तोड़ दिया और कई बार बेहद अव्यावहारिक फैसले किए। इसलिए जब मुझे इतनी सफलता और सम्मान मिला, तो मुझे सच में लगता है कि यह मेरे लिए बेहद बड़ी बात है। मैंने जो भी काम किया, वह सफलता पाने के उद्देश्य से नहीं था, बल्कि इसलिए किया क्योंकि उस विषय और किरदार ने मुझे अंदर से उत्साहित किया।' आमिर ने बताया कि उन्होंने जिन फिल्मों को चुना, उनमें से ज़्यादातर जोखिम वाली थीं और उनके हिट होने की कोई गारंटी नहीं थी। उन्होंने कहा, 卐लगभग हर फिल्म को लेकर मेरे मन में सवाल रहता था कि यह चलेगी या नहीं। जैसे 'सरफरोश', 'लगान', 'दिल चाहता है', 'तारे जमीन पर'—ये ऐसी फिल्में थीं जिनकी सफलता तय नहीं थी। 'लगान' और 'दिल चाहता है' अपने समय के लिए बेहद अलग थीं। वहीं 'तारे जमीन पर' जैसी कहानी पहले कभी बड़े पर्दे पर इस रूप में नहीं दिखाई गई थी। मैंने हमेशा अलग स्क्रिप्ट्स को चुना है, क्योंकि मैं खुद को दोहराना पसंद नहीं करता। मैं वही करता हूं जो मुझे दिल से अच्छा लगता है। यही मेरी शख्सियत है।' आमिर की हालिया फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। यह उनकी 2007 की फिल्म 'तारे जमीन पर' का आध्यात्मिक सीक्वल मानी जाती है। फिल्म में जेनेलिया डिसूजा ने भी महत्वपूर्ण किरदार निभाया और दर्शकों से खूब सराहना हासिल की। 20 जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने सुपरहिट होने का रिकॉर्ड बनाया। बता दें कि बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहलाने वाले आमिर खान अपने काम में बारीकी, समर्पण और संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। वह लंबे समय से भारतीय सिनेमा में एक अनोखे कलाकार के रूप में स्थापित हैं और अपने करियर में कई यादगार व ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं।

कार्तिक, सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं : अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, बल्कि पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं। अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज़्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है।

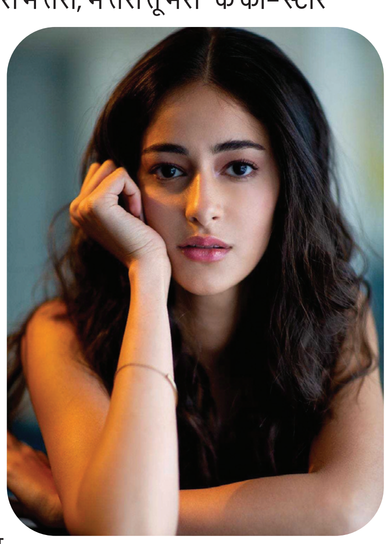

अनन्या ने कहा, 'मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कंफ़र्टेबल महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं।' अनन्या ने फिल्म के सेट पर बने मज़ेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, कार्तिक से सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मज़ाकिया और हल्का-फुल्का रहता है। ज़्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है। सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी।' अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।

रेखा की स्टाइलिश अंदाज में एंट्री

फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपनी पहली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू किया और इस मौके पर मुंबई में एक खास स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस इवेंट में बॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया बॉलीवुड की सदाबहार एक्ट्रेस रेखा ने। रेखा ब्लैक कलर की खूबसूरत साड़ी में नजर आईं, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम था। इसके साथ उन्होंने ब्लैक ओवरकोट कैरी किया, जिससे उनके लुक में एक मॉडर्न टच आया। उनका हाई बन हेयरस्टाइल, मांग में सिंदूर और ब्लैक शेड्स ने उनके ट्रेडिशनल और स्टाइलिश अंदाज को और निखारा। कंधे पर स्लिंग बैग और समर्पित पोज़ ने उनके लुक को पूरी तरह कंप्लीट किया। स्क्रीनिंग के दौरान रेखा मीडिया के कैमरों के सामने कई बार पोज देती दिखाई दीं। उनके स्टाइलिश और यूनिक लुक की फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ की। इस इवेंट में रेखा का ग्लैमरस अंदाज और सिग्नेचर स्वैग सभी का ध्यान खींचने में सफल रहा। 'गुस्ताख इश्क' की इस खास स्क्रीनिंग में रेखा की उपस्थिति ने शाम की शान बढ़ा दी और उनके फैशन सेंस की एक बार फिर तारीफ हुई।

शाहरुख का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं: राम गोपाल

बॉलीवुड के चर्चित निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ उन्होंने कभी काम नहीं किया। वर्मा ने पहली बार खुलकर बताया कि दोनों का साथ क्यों नहीं हो पाया। बातचीत में राम गोपाल वर्मा ने कहा कि शाहरुख खान उनकी फिल्मों के टोन और स्टाइल में फिट नहीं बैठते। उन्होंने बताया, 卐शाहरुख खान का निर्देशन करना मेरे बस की बात नहीं है। मैं अपनी फिल्म 'कंपनी' में उन्हें कास्ट करना चाहता था, लेकिन उस फिल्म का किरदार मल्लिक बहुत शांत, गंभीर और कुछ आलसी स्वभाव का था। उस किरदार में हाई एनर्जी या चुलबुलापन बिल्कुल नहीं था, जबकि शाहरुख की पर्सनैलिटी ही एनर्जी से भरी रहती है। ऐसे रोल में उन्हें डालना गलत होता।' राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि शाहरुख खान एक पावरहाउस परफॉर्मर हैं और उनके फैन भी उन्हें उसी रूप में पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'शाहरुख लाइव वायर की तरह हैं। कैमरा चालू होते ही वो पूरी फ्रेम को कब्जे में ले लेते हैं। जब वो स्क्रीन पर होते हैं, तो निर्देशक के पास करने के लिए बहुत कम बचता है। वो सीन में इतनी ताकत डालते हैं कि बाकी सब पीछे रह जाता है।'

डायरेक्टर के अनुसार, उनकी फिल्मों का मूड बहुत कंपोज्ड, इंटेंस और साइलेंट पावर पर आधारित होता है, जबकि शाहरुख की एक्टिंग स्टाइल ज्यादा एक्सप्रेसिव और एनर्जेटिक है। वह कहते हैं, 'मेरी फिल्ममेकिंग स्टाइल और शाहरुख की स्क्रीन एनर्जी एक-दूसरे के विपरीत हैं। इसलिए इतने सालों में कभी साथ काम करने का मौका नहीं बना। अगर मैंने उन्हें अपनी फिल्मों में कास्ट किया होता, तो वह गलत विकल्प होता, क्योंकि उन्हें उनके नेचुरल फ्लो में देखा जाना चाहिए।卐 साथ ही उन्होंने शाहरुख की जमकर तारीफ़ करते हुए कहा कि उनका कद और प्रभाव इतना बड़ा है कि निर्देशक को उनके सामने बहुत सोच-समझकर चलना पड़ता है।

'120 बहादुर' को राजस्थान में किया टैक्स फ्री

हाल ही में दिल्ली में टैक्स फ्री होने के बाद फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' अब राजस्थान सरकार ने भी इसे करमुक्त घोषित कर दिया है। '120 बहादुर' को मिल रहा यह सम्मान फिल्म की लोकप्रियता और प्रभाव को दर्शाता है। सैनिकों के असाधारण साहस को सच्चाई और भावनात्मक गहराई के साथ पेश किए जाने के कारण फिल्म को मीडिया और सेलेब्रिटीज की ओर से भी शानदार समीक्षाएं मिल रही हैं। थिएटरों में इसकी रिलीज के तुरंत बाद से ही यह फिल्म देश भर में चर्चा का विषय बन चुकी है, और टैक्स फ्री होने से उम्मीद है कि अधिक लोग इसे देखने थिएटर पहुंचेंगे।
फिल्म की कहानी 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जांबाज सैनिकों पर आधारित है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की प्रतिष्ठित लड़ाई में अद्वितीय बहादुरी दिखाई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इन सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों और दुश्मन की भारी संख्या के बावजूद पीछे हटने से इनकार किया। अपने देश के लिए अंतिम सांस तक लड़ने वाले इन वीरों की गाथा आज भी भारतीय सेना के इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय मानी जाती है। फरहान अख्तर ने इस फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी, की दमदार भूमिका निभाई है। शहीद मेजर शैतान सिंह को रेजांग ला युद्ध में अतुलनीय वीरता के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान किया गया था। फिल्म का केंद्रीय संवाद 'हम पीछे नहीं हटेंगे' – युद्ध के दौरान सैनिकों की भावना और हौसले को गहराई से दर्शाता है। राजस्थान में फिल्म के टैक्स फ्री होने पर फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया और इस फैसले को सैनिकों के साहस का सम्मान बताया।
रजनीश 'रेजी' घोष द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर तथा ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ के अमित चंद्रा द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी स्थिर प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के आठवें दिन फिल्म ने लगभग 40 लाख रुपये का कलेक्शन किया और अब तक इसकी कुल घरेलू कमाई 15.4 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। सोमवार को जहां फिल्म ने 1 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं लगातार बढ़ती कमाई दर्शाती है कि दर्शक इसे बेहद पसंद कर रहे हैं। बता दें कि फरहान अख्तर की वॉर ड्रामा फिल्म '120 बहादुर' इस समय देश भर में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारतीय सैनिकों की अदम्य वीरता और बलिदान को दर्शाने वाली यह फिल्म रिलीज के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रही है।

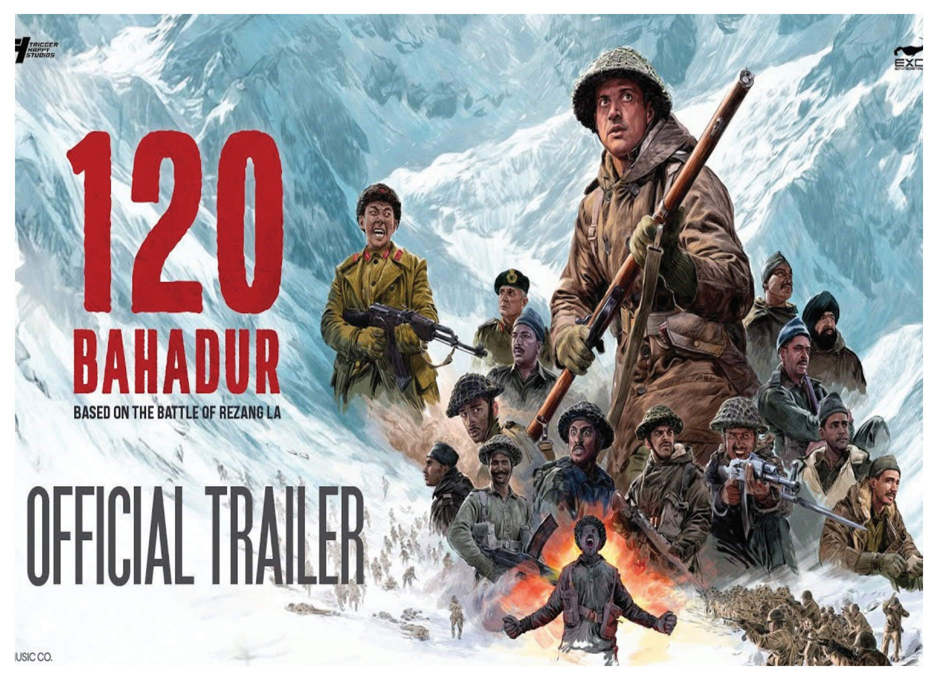

जिम है जरूरी पर बरतें सावधानियां

शीत ऋतु में भी जिम में व्यायाम करने जरूर जाएं, पर मौसम के अनुसार इस संबंध में थोड़ी सावधानी भी बरतें, ताकि आपका जिम जाना जारी रह सके और आप रहें फिट। इस मौसम में जिम जाने में क्या-क्या सावधानी बरतें

सर्दियों का मौसम जोर पकड़ रहा है। ऐसे मौसम में आमतौर पर शरीर में आलस्य बढ़ने लगता है। इससे कई बार हम व्यायाम के प्रति लापरवाह भी होने लगते हैं, जबकि इस मौसम में जिम में व्यायाम करना अधिक आवश्यक हो जाता है। इस मौसम में पसीना कम आता है, हम फूडी भी ज्यादा हो जाते हैं, भूख बढ़ जाती है। यही नहीं हमारी मूवमेंट पर भी फर्क पड़ता है। इन सभी से वजन भी बढ़ने लगता है। ऐसे में जिम जाने वालों के लिए उसे नजरअंदाज करना या पूरी तरह से बंद करना उचित नहीं। हां, यह और बात है कि कुछ बातों का ध्यान रख कर जिम में व्यायाम के समय वर्तमान जलवायु के दुष्प्रभावों से बचते हुए उसे नियमित रखा जा सकता है।

यह कितना जरूरी है

इवोल्युशन फिटनेस जिम के ओनर और फिटनेस ट्रेनर मंजीत सोलंकी बताते हैं कि कुछ लोग सर्दियां शुरू होने पर जिम में व्यायाम करना बंद कर देते हैं और जब सर्दियां खत्म होने लगती हैं, तब फिर से वर्कआउट शुरू कर देते हैं। अगर आप जिम जाते रहे हैं तो वर्कआउट पूरी तरह बंद करना बिल्कुल सही नहीं। सर्दियों में भी जिम में वर्कआउट नियमित रूप से करना चाहिए। अगर आप ज्यादा जिम नहीं जा पा रहे हैं तो भी हफ्ते में कम से कम चार दिन और करीब डेढ़ घंटे जिम में व्यायाम नियमित तौर पर करें।

अनिवार्य है व्यायाम

सर्द मौसम में कैलोरी बढ़ने लगती है और हम फैटी होने लगते हैं, इसलिए हमें अपने व्यायाम में रनिंग, वेट ट्रेनिंग और कार्डिओ शामिल रहना चाहिए। खासकर कार्डिओ व्यायाम तो ज्यादा से ज्यादा करने चाहिए। रनिंग के लिए ध्यान रखना चाहिए कि शीत ऋतु में सुबह-सुबह खुले इलाके जैसे पार्क आदि में रनिंग न करें, क्योंकि बाहर के तापमान का शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यही नहीं, दिनचर्या में भी चलने-फिरने और घूमने वाली गतिविधियां शामिल होनी चाहिए।

पहनावे के प्रति सावधानी

हम आकर्षक दिखने के लिए पार्टी आदि में तो पहनावे के प्रति सजग रहते हैं, लेकिन व्यायाम के समय नहीं। खासकर आजकल के मौसम में व्यायाम के लिए भी हमें पहनावे का ध्यान रखना चाहिए। वर्कआउट के समय हमारा शरीर गर्म हो जाता है, इसलिए उस दौरान या उससे पहले और बाद में हमारी क्लोथिंग उचित होनी चाहिए। बकौल फिटनेस ट्रेनर मंजीत सोलंकी, जिम में व्यायाम के लिए जाते समय इनलाइन से आउटलाइन तक हमें अपने कपड़ों पर ध्यान देना चाहिए। प्रोपर कपड़े पहनने चाहिए, जिससे आपको व्यायाम करने में सहूलियत हो और तापमान की वजह से शरीर को भी परेशानी न हो। यह मौसम सिर पर सबसे जयादा प्रभाव डालता है, इसलिए जिम आते-जाते समय सिर अच्छी तरह से ढका होना चाहिए। इसके लिए विंटर कैप का इस्तेमाल करें। इससे आप सर्दियों में होने वाली बीमारियां जैसे खांसी, जुकाम, सिर दर्द, नाक व कान दर्द आदि की परेशानियों से बच सकेंगे। अक्सर लोग कार खुले में खड़ी करके उसी में जैकेट, कोट आदि छोड़ कर जिम जाते हैं और जिम में व्यायाम करने के बाद ठंड में बाहर निकलकर अपने व्हीकल तक पहुंचने के बाद जैकेट आदि पहनते हैं। इससे उनके सर्दियों संबंधी रोगों की चपेट में आने का खतरा रहता है। शरीर पर अन्य तरीकों से भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए जिम में पहुंच कर ही जैकेट आदि उतारें और व्यायाम के बाद जिम से निकलने से पहले अपनी जैकेट, कैप आदि पहन कर ही बाहर निकलें।

जिम जाने का समय

इस मौसम में जिम जाने के लिए कोई निश्चित समय नहीं है। आप अपनी सहूलियत के अनुसार जिम जा सकते हैं। जरूरी है कि आपका शरीर रिलैक्स हो। खासकर सर्दियों में पूरा आराम करने के बाद ही वर्कआउट के लिए जाएं। अक्सर समय कम होने पर हम जिम में वर्कआउट के उपरांत तुरंत बाहर निकल जाते हैं। यह आपकी सेहत को काफी क्षति पहुंचाता है। हैवी वर्कआउट के बाद थोड़ी देर आराम करने के बाद ही जिम से बाहर जाएं।

आहार के प्रति सजग रहें

जब फिट रहने की बात हो तो खान-पान का जिक्र होना मुनासिब ही है। सर्दियों में अपने आहार में सूप अधिक शामिल करें। जिम में व्यायाम करने के बाद जूस पी सकते हैं तथा प्रोटीन से भरपूर डाइट लें। अमूमन सर्दियों में ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, ठंडे पेय पदार्थ आदि के सेवन के लिए मना ही किया जाता है। ध्यान रखें कि जिम के तुरंत बाद ऐसे ठंडे पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। जिम में व्यायाम करने के पश्चात आपके शरीर का तापमान काफी बढ़ा हुआ होता है, इसलिए करीब एक घंटे बाद ही ठंडी चीजों का सेवन करें। ऐसा नहीं करने से आपको गले संबंधी समस्या या नजले, जुकाम आदि की शिकायत हो सकती है।

मूंगफली हर मौसम में खास ठंड का टाइम पास

मूंगफली में सभी पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। भारत में इसे गरीबों का काजू के नाम से भी जाना जाता है। भारत में सिकी हुई मूंगफली खाना काफी प्रचलित है, इसे टाइम पास के नाम से भी जानते हैं। जो लोग टाइम पास के नाम पर मूंगफली का सेवन करते हैं, उनमें से अधिकतर इसके गुणों के बारे में नहीं जानते और अनजाने में ही कई पौष्टिक तत्व ग्रहण कर लेते हैं, जो उनके शरीर के लिए काफी फायदेमंद रहते हैं। मूंगफली में प्रोटीन, चिकनाई और शर्करा पाई जाती है। एक अंडे के मूल्य के बराबर मूंगफलियों में जितनी प्रोटीन व ऊष्मा होती है, उतनी दूध व अंडे से संयुक्त रूप में भी नहीं होती। इसकी प्रोटीन दूध से मिलती-जुलती है, चिकनाई घी से मिलती है। मूंगफली के खाने से दूध, बादाम और घी की पूर्ति हो जाती है। मूंगफली शरीर में गर्मी पैदा करती है, इसलिए सर्दी के मौसम में ज्यादा लाभदायक है। यह खांसी में उपयोगी है व मेदे और फेफड़े को बल देती है। भोजन के बाद यदि 50 या 100 ग्राम मूंगफली प्रतिदिन खाई जाए तो सेहत बनती है, भोजन पचता है, शरीर में खून की कमी पूरी होती है और मोटापा बढ़ता है। इसे भोजन के साथ सब्जी, खीर, खिचड़ी आदि में डालकर नित्य खाना चाहिए। मूंगफली में तेल का अंश होने से यह वायु की बीमारियों को भी नष्ट करती है। मुट्ठीभर भुनी मूंगफलियां निश्चय ही पोषक तत्वों की दृष्टि से लाभकारी हैं। मूंगफली में प्रोटीन, केलोरिज और विटामिन के, ई, तथा बी होते हैं, ये अच्छा पोषण प्रदान करते हैं। मूंगफली पाचन शक्ति को बढ़ाती है, रुचिकर होती है, लेकिन गरम प्रकृति के व्यक्तियों को हानिकारक भी है। मूंगफली ज्यादा खाने से पित्त बढ़ता है अतः सावधानी रखें।

अदरक सर्दियों में गुणकारी

अदरक व सौंठ हर मौसम में, हर घर के रसोई घर में प्रायः रहते ही हैं। इनका उपयोग घरेलू इलाज में किया जा सकता है।

- भोजन से पहले अदरक को चिप्स की तरह बारीक कतर लें। इन चिप्स पर पिसा काला नमक बुरक कर खूब चबा-चबाकर खा लें फिर भोजन करें। इससे अपच दूर होती है, पेट हलका रहता है और भूख खुलती है।
- अदरक का एक छोटा टुकड़ा छीले बिना (छिलके सहित) आग में गर्म करके छिलका उतार दें। इसे मुँह में रख कर आहिस्ता-आहिस्ता चबाते चूसते रहने से अन्दर जमा और रुका हुआ बलगम निकल जाता है और सर्दी-खाँसी ठीक हो जाती है।
- सौंठ को पानी के साथ घिसकर इसके लेप में थोड़ा सा पुराना गुड़ और 5-6 बूंद घी मिलाकर थोड़ा गर्म कर लें। बच्चे को लगने वाले दस्त इससे ठीक हो जाते हैं। ज्यादा दस्त लग रहें हों तो इसमें जायफल घिसकर मिला लें।

एंटीबायोटिक से नहीं रुकता जुकाम

ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिशनर्स और वहां के स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन के अनुसार सर्दी-जुकाम के मामूली संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक जरूरी नहीं है। रनिंग नोज या कफ वाली खांसी की समस्या वायरस की वजह से होती है, जो थोड़े समय बाद अपने आप ठीक हो जाती है। एंटीबायोटिक्स से व्यक्ति के शरीर में मौजूद अरबों बैक्टीरिया और वायरस की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एंटीबायोटिक्स के लगातार सेवन से जहां एक ओर शरीर में मौजूद फायदेमंद जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, वहीं नुकसानदेह वायरस पर इन दवाओं का असर कम हो जाता है। क्योंकि ये वायरस एंटीबायोटिक्स के खिलाफ लड़ने के लिए अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बना लेते हैं।

हड्डियां मजबूत करता है टमाटर

लाल टमाटर को सलाद और सब्जी से लेकर फल की तरह भी खाने के उपयोग में लाया जाता है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर यह फल आपकी ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोग से बचने में सहायता कर सकता है। एक नया अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करता है कि टमाटर के ज्यूस का सेवन इस रोग से आपको दूर रख सकता है। इसका कारण है टमाटर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट केरेटोनॉइड लाइकोपेन जो टमाटर को लाल रंग भी देता है। इस तरह से मजबूत हड्डियों को पाने की राह में यह बेहद आसान और बनिस्बत सस्ता रास्ता है।